You Tube kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

❐ वर्ष-15 ❐ अंक-169 ❐ रविवार, 19 जुलाई 2026 ❐ नगर संस्करण ❐ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❐ मूल्य- ₹ 3.00 ❐ पृष्ठ-12

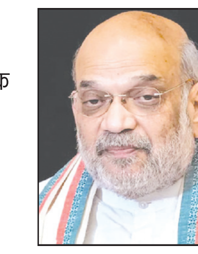

भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षा एक नए मुकाम पर पहुंच गई है। भारत के पहले निजी तौर पर विकसित लॉन्च व्हीकल 'विक्रम-1' के सफल लॉन्च पर हार्दिक बधाई। अंतरिक्ष को और अधिक सुलभ बनाने के प्रधानमंत्री के विजन को साकार करने की दिशा में यह एक मजबूत कदम है। अमित शाह

आधार ऐप 4 करोड बार डाउनलोड की गयी 11

अंतरराष्ट्रीय रंगदारी मामले में पंजाब पुलिस का इंस्पेक्टर गिरफ्तार 12

संक्षेप

सीजेआई ने न्यायिक व्यवस्था को मजबूत बनाने पर जोर दिया

नई दिल्ली। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने समयबद्ध न्याय सुनिश्चित करने के लिए न्यायिक व्यवस्था मजबूत बनाने और जिला अदालतों में अधिक न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति की जरूरत पर शनिवार को जोर दिया। जिला अदालत परिसर में बहुस्तरीय पार्किंग सुविधा का उद्घाटन करने के बाद आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने पंजाब और हरियाणा सरकारों से कहा कि वे उप-मंडल व जिला अदालतों के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और विकसित करने के लिए जरूरी फैसले लें। इस कार्यक्रम में पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया और हाईकोर्ट के जज ए.जी. मसीह तथा न्यायमूर्ति शील नागू भी मौजूद थे।

रालोद के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष बने अनुपम मिश्रा

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा को उत्तर प्रदेश का कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी के निर्देश पर अनुपम मिश्रा को यूपी में पार्टी की कमान सौंपी गई है। अभी तक रामाशीष राय रालोद के प्रदेश अध्यक्ष पद पर कार्यरत थे। रालोद के प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने बताया कि यह मनोनयन आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए संगठन को और अधिक सशक्त व सक्रिय बनाने के लिए किया गया है। अनुपम मिश्रा पार्टी की केंद्रीय टीम में लंबे समय से प्रमुख सदस्य रहे हैं। वह राष्ट्रीय सचिव, राष्ट्रीय प्रवक्ता, टीएम आरएलडी के राष्ट्रीय संयोजक, झारखंड प्रभारी व युवाओं को राजनीति से जोड़ने के लिए संचालित सारथी कार्यक्रम जैसी अनेक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं।

आजम खां की दो साल की सजा बरकरार

रामपुर। लोकसभा चुनाव-2019 के दौरान चुनावी सभा में अधिकारी को तनखैया बताने के मामले में सपा नेता आजम खां को राहत नहीं मिली। निचली अदालत से मिली दो वर्ष की सजा के खिलाफ दायर उनकी अपील को एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट (सेशन ट्रायल) ने खारिज कर दिया है। अदालत ने निचली अदालत के फैसले को सही ठहराते हुए सजा और जुर्माने के आदेश को बरकरार रखा है। मामला वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान का है। चुनाव प्रचार के दौरान थाना भोट क्षेत्र के गांव मनकरा में आयोजित एक जनसभा में आजम खां ने मंच से अधिकारियों को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। प्रशासन ने इसे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना था। इस बयान के संबंध में तत्कालीन उप जिलाधिकारी घनश्याम त्रिपाठी की ओर से भोट थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। मुकदमे की सुनवाई एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने 16 मई 2026 को आजम खां को दोषी करार देते हुए विभिन्न धाराओं में दो-दो वर्ष के कारावास और प्रत्येक धारा में पांच-पांच हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी।

पहला निजी अंतरिक्ष यान 'विक्रम-1' अपनी कक्षा तक पहुंचने में सफल

एजेंसी

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश)। देश के पहले निजी तौर पर विकसित आर्बिटल क्लास रॉकेट 'विक्रम-1' ने शनिवार को यहां से सफलतापूर्वक अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी और अपनी लक्षित कक्षा तक पहुंचने में सफल रहा। इस उड़ान को देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

हैदराबाद स्थित 'स्काईरूट एयरोस्पेस' द्वारा विकसित इस प्रक्षेपण यान की पहली परीक्षण उड़ान को 'मिशन आगमन' नाम दिया गया है। इसने यहां स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के प्रथम प्रक्षेपण प्लेटफार्म से दोपहर 12.05 बजे अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी। लगभग 36 घंटे की सुचारू उल्टी गिनती (काउंटडाउन) के बाद, 40 टन वजनी और 22 मीटर ऊंचे इस यान के स्वचालित प्रक्षेपण अनुक्रम के शुरू होते ही तकनीकी खराबी आ गई थी। इस खराबी को तुरंत ठीक किया गया और सभी प्रणालियों की अंतिम जांच के लिए 20 मिनट की एक नयी उल्टी गिनती शुरू की गई, जिसके बाद यान ने बादलों से घिरे आकाश में उड़ान भरी। लगभग 15 मिनट की उड़ान अवधि और सभी चरणों के सफलतापूर्वक पूरे होने बाद, यान ठीक 450 किलोमीटर की ऊंचाई और 60 डिग्री के झुकाव पर अपनी लक्षित कक्षा में पहुंच गया। यान के कक्षा में पहुंचते ही भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के नियंत्रण कक्ष में खुशी की लहर दौड़ गई और इसरो अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने अन्य वैज्ञानिकों को बधाई दी। इसरो ने यान के कक्षा में पहुंचने के बाद घोषणा की, ''विक्रम-1 अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अभियान के प्रतीकात्मक भार (पेलोड) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ से लिखा एक पोस्टकार्ड भी शामिल है, जिस पर 'वंदे मातरम' अंकित है। प्रक्षेपण से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने विक्रम-1 अभियान को भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक ऐतिहासिक नया क्षितिज बताया था। उन्होंने कहा था कि यह अभियान देश के युवाओं की प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और उद्यमशीलता की भावना को प्रदर्शित करता है और यह भी दिखाता है कि अंतरिक्ष क्षेत्र के सुधार किस प्रकार नवाचार और उद्यम के नए अवसर खोल रहे हैं। यह प्रक्षेपण भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक नए युग की शुरुआत है, क्योंकि यह देश का पहला निजी तौर पर विकसित कक्षीय-श्रेणी का यान बन गया है। इससे भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में निजी क्षेत्र की भागीदारी के द्वार खुल गए हैं। इसरो ने कहा कि 'मिशन आगमन' केवल एक प्रक्षेपण नहीं है, बल्कि यह भारत के निजी अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक नए अध्याय की शुरुआत है। विक्रम-1 अपने साथ अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू तकनीकी प्रदर्शक पेलोड ले गया है। इनमें 18 कैरेट सोने का एक सूक्ष्म यान शामिल है जिसके भीतर नोबेल पुरस्कार विजेता सर सी. वी. रमन, डॉ. विक्रम साराभाई और ● शेष पेज 11 पर

इसके फायदे

- ❐ अब तक सैटेलाइट लॉन्च करने का काम केवल सरकारी एजेंसी इसरो ही करती थी, लेकिन अब निजी कंपनियां भी इसमें हिस्सेदारी बन रही हैं
- ❐ स्काईरूट जैसी घरेलू निजी कंपनियों के आने से विदेशी सैटेलाइट कंपनियों को भारत में बेहद सस्ते, भरोसेमंद लॉन्चिंग विकल्प मिलेंगे
- ❐ इससे देश की स्पेस इकोनॉमी मजबूत होगी। नए स्टार्टअप को बढ़ावा मिलेगा और स्पेस सेक्टर में बड़े पैमाने पर निवेश और रोजगार के मौके पैदा होंगे

भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक अहम पल : पीएम

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को विक्रम-1 के सफल लॉन्च पर स्काईरूट एयरोस्पेस को बधाई दी। उन्होंने इसे भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक अहम पल बताया और कहा कि निजी सेक्टर की बढ़ती भागीदारी नए रास्ते खोल रही है। साथ ही अनुसंधान को बढ़ावा दे रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश के पहले निजी रॉकेट की सफलता की तारीफ की और इसे आत्मनिर्भरता की दिशा में एक मिसाल बताया। स्काईरूट एयरोस्पेस के सीईओ पवन कुमार चंदाना और को-फाउंडर नागा भरत डाका से फोन पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने शनिवार को मिली इस कामयाबी के लिए उन्हें और उनकी कंपनी को बधाई दी। लॉन्च के समय ये दोनों बड़े अधिकारी इसरो के मिशन कंट्रोल ● शेष पेज 11 पर

खाड़ी देशों को ईरान ने बमों से दहलाया

दुबई, एजेंसी। अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान ने शनिवार को खाड़ी देशों कुवैत, जॉर्डन, बहरीन, सऊदी अरब और इराक में अमेरिकी ठिकानों पर भीषण बमबारी की। सऊदी अरब में भी तीन महीने बाद हमले का दावा किया गया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने शनिवार तड़के बताया कि ईरान में लगातार सातवीं रात हमले किए गए। इन हमलों में निगरानी केंद्रों, सैन्य लॉजिस्टिक ढांचे, भूमिगत हथियार भंडारण केंद्रों और समुद्री क्षमताओं को निशाना बनाया गया। वहीं, ईरान ने कहा कि वह पुलों, बिजली प्रतिष्ठानों और अन्य बुनियादी ढांचे पर अमेरिकी हमलों का जवाब दे रहा है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने अमेरिका के सहयोगी देशों को और हमलों की चेतावनी दी। साथ ही कहा कि अमेरिकी सैन्य बर्बरता को रोकने के लिए कोई अंतरराष्ट्रीय संस्था नहीं है। हमारे सामने इसके अलावा कोई रास्ता नहीं है कि जो तुम पर हमला करे, उसी तरह उस पर हमला करो। इस बीच कुवैत पर लगातार हमले हो रहे हैं। ईरानी हमले में एक जल संयंत्र को नुकसान पहुंचा, जबकि मिसाइल और ड्रोन हमलों के खतरे के कारण कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे का संचालन रोकना पड़ा। आईआरजीसी ने कहा कि उसने कुवैत स्थित कैंप अरिफजान में अमेरिकी सैन्य सहायता केंद्र पर हमला किया और अली अल-सलेम एयरबेस पर एक रडार केंद्र को नष्ट कर दिया। वहीं, कुवैत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने बाद में बताया कि उसके एक तेल प्रतिष्ठान को लगातार ईरानी हमलों में नुकसान पहुंचा। सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार हमले में भारी क्षति हुई और कुछ लोग घायल हुए। ईरान ने करीब तीन महीने बाद पहली बार सऊदी अरब पर भी हमले किए। मामले की जानकारी रखने वाले दो लोगों के अनुसार, राजधानी रियाद के पूर्व में अल-खर्ज और लाल सागर तट ● शेष पेज 11 पर

योगी बोले

❐ 2ईरान ने जवाबी कार्रवाई में कुवैत, जॉर्डन, बहरीन, सऊदी और इराक में अमेरिकी

अमेरिका के 13 सैनिक घायल

अमेरिकी सेना ने भी बताया कि उसके 13 और सैनिक घायल हुए हैं। इनमें 10 थल सैनिक और तीन नौसैनिक शामिल हैं। युद्ध शुरू होने के बाद अब तक 14 अमेरिकी सैनिकों की मौत और 427 के घायल होने की जानकारी दी गई है। ईरानी अधिकारियों के अनुसार हालिया अमेरिकी हमलों में कम से कम 46 लोग मारे गए और 400 से अधिक घायल हुए हैं। ईरानी अधिकारियों के अनुसार अमेरिका के हालिया हमलों में दर्जनों लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हुए हैं।

मॉकड्रिल के नाम पर जुटे पुलिसकर्मी 30 सेकंड में वांगचुक को ले गए

एजेंसी

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाकर अस्पताल स्थानांतरित करने की तैयारी शुक्रवार रात से ही शुरू हो गई थी। वरिष्ठ अधिकारियों की तरफ से इस बारे में तैयार पूरी योजना को गुप्त रखा गया था। इस ऑपरेशन में शामिल किए गए पुलिसकर्मियों को भी यह बताया गया था कि संसद भवन में मॉक ड्रिल करनी है। तड़के जब वह संसद मार्ग थाने पहुंचे तब उन्हें पता चला कि सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाना है। इसके लिए इशारा मिलते ही केवल 30 सेकंड का समय उन्हें दिया गया था और इस अवधि में ही सोनम वांगचुक को मंच से हटा लिया गया।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि नई दिल्ली जिले में वरिष्ठ अधिकारियों ने शुक्रवार रात 11 बजे सभी थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि वह 10-10 पुलिसकर्मी लेकर सुबह 3 बजे संसद मार्ग थाने पहुंचेंगे। यह संदेश वायरलेस सेट पर नहीं बल्कि मोबाइल के माध्यम से दिया गया था। उन्हें बताया गया कि तड़के संसद भवन में मॉक ड्रिल के लिए जाना है। थाने के पुलिसकर्मियों के अलावा दो कंपनी अतिरिक्त पुलिस बल को भी बुलाया गया। सुबह तीन बजे जब पुलिसकर्मी संसद मार्ग थाने पहुंचे तो वहां से उन्हें मंदिर मार्ग थाने ले जाया गया। यहां पर जिले के तीनों डीसीपी मौजूद थे।

पुलिसकर्मियों को बताया गया कि उन्हें मॉक ड्रिल नहीं बल्कि सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाकर अस्पताल स्थानांतरित करने के लिए बुलाया गया है। यहां अलग-अलग टीमें बनाई गईं, जिन्हें जिम्मेदारियां सौंपी गई। मंच पर जाने वाले पुलिसकर्मियों को ● शेष पेज 11 पर

ईडी ने जेवीएल एग्रो इंडस्ट्रीज की 3.94 करोड़ की और संपत्तियां जब्त की

लखनऊ। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के इलाहाबाद स्थित सबजोनल कार्यालय ने लगभग 1970 करोड़ रुपये के बैंक फ्राड के मामले में जेवीएल एग्रो इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड व सहयोगियों की लगभग 3.94 करोड़ रुपये की और संपत्ति अस्थायी रूप से जब्त की है। ईडी मामले में अब तक आरोपितों की 882.61 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां जब्त कर चुकी है।

ईडी ने बैंक ठगी के इस मामले की जांच सीबीआई की एफआईआर और आरोपपत्र को आधार बनाकर शुरू की थी। जांच में सामने आया कि जेवीएल कंपनी के प्रमोटर सत्य नारायण झुनझुनवाला और उनके सहयोगियों ने मिलकर सुनियोजित षड्यंत्र के तहत बैंक की रकम हड़पी थी। बैंकों के कंसोर्टियम को 1970 करोड़ रुपये से अधिक रकम का नुकसान पहुंचाया था। बैंक की रकम को कंपनी के फंड से परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों, अलग-अलग संस्थाओं (जिनमें उनकी अपनी फर्जी कंपनियां और परिवार के सदस्यों के कंट्रोल वाली कंपनियां/फर्म शामिल हैं) के ● शेष पेज 11 पर

सरकार की 12 वर्षों की लगातार कोशिशों से बेहतर हुई हैं रक्षा तैयारी : राजनाथ

एजेंसी

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की आधुनिक और बेहतरीन रक्षा तैयारियों का सबूत बताते हुए कहा है कि ये तैयारी सरकार की पिछले 12 वर्षों की लगातार कोशिशों से और बेहतर हुई हैं और ये 'राष्ट्र सर्वोपरि' तथा 'सेना सर्वोपरि' की भावना से प्रेरित हैं।

श्री सिंह ने शनिवार को यहां एक कार्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर को भारतीय रक्षा बलों की बेमिसाल बहादुरी की याद दिलाने वाला बताया। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों ने आतंकवादियों और उन्हें पनाह देने वालों को मुंहतोड़ जवाब दिया, जो आतंकवाद के खिलाफ सरकार के सख्त रुख को दिखाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि 'आतंकवाद के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस' सिर्फ़ एक बयान नहीं, बल्कि कार्रवाई का एक तरीका है। उन्होंने दोहराया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ न केवल अपनी सीमा पर, बल्कि उनके गढ़ में घुसकर भी हमला करने की क्षमता रखता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर जैसे मुश्किल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक पूरा करने में भारत के बदले हुए रक्षा क्षेत्र ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने इसे प्रौद्योगिकी पर आधारित युद्ध का एक शानदार उदाहरण और भारतीय उद्योगों पर सरकार के भरोसे का सबूत बताया। उन्होंने कहा, ''ऑपरेशन के दौरान आकाश तीर, आकाश मिसाइल सिस्टम और ब्रह्मोस जैसे एडवांस्ड सिस्टम के साथ-साथ कई अन्य अत्याधुनिक उपकरणों का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया गया। यह सब पिछले 12 वर्षों में रखी गई मज़बूत नींव की वजह से संभव हुआ है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ज़िक्र करते हुए श्री राजनाथ सिंह ने बताया कि रक्षा बलों द्वारा अब तक रक्षा साजो सामान के स्वदेशीकरण से संबंधित पांच सकारात्मक सूची जारी की गई हैं जिनमें 509 उपकरण शामिल हैं। इसके अलावा, रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा भी पांच ऐसी सूचियां जारी की गई हैं जिनमें 5,012 उपकरण शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''जैसे-जैसे हम एक आत्मनिर्भर और सशक्त रक्षा क्षेत्र बनाने की दिशा में दृढ़ संकल्प और व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ रहे हैं, इस विज़न को और गति देने के लिए जल्द ही एक और ' सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची ' जारी की जाएगी। आत्मनिर्भरता के लिए लगातार की जा रही कोशिशों से मिले ● शेष पेज 11 पर

नक्सल मुक्ति : जारी है सुरक्षा बलों का सर्च ऑपरेशन

एजेंसी

नई दिल्ली। देश को नक्सल हिंसा से मुक्त करने के अभियान में बड़ी सफलता मिलने के बाद भी सुरक्षा बलों ने अपने ऑपरेशन धीमे नहीं किए हैं। अब प्राथमिकता उन जंगलों और दुर्गम इलाकों को पूरी तरह सुरक्षित बनाने की है, जहां नक्सलियों ने बड़ी संख्या में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) और विस्फोटक सामग्री छिपाकर रखी थी। यही वजह है कि छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र के संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार कॉम्बिंग, एरिया सैनिटाइजेशन और आईईडी डिटेक्शन अभियान चलाए जा रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, 31 मार्च 2026 तक देश ने नक्सलवाद के खिलाफ अपने लक्ष्य को हासिल कर लिया है और अधिकांश नक्सल प्रभावित क्षेत्र अब सामान्य स्थिति की ओर लौट चुके हैं। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा के लिहाज से आईईडी की खोज और नक्सल मुक्त इलाकों को पूरी तरह से सुरक्षित बनाए रखते हुए विकास से जोड़ने की मुहिम चल रही है। सुरक्षा कैम्प को इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट सेंटर में बदलने की मुहिम चल रही है।

सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि अब भी जंगलों में दबे आईईडी से खतरा बना हुआ है। जनवरी से मार्च की अवधि में 209 आईईडी बरामद कर निष्क्रिय किए गए, जिनमें छत्तीसगढ़ से 196, बिहार से 6, झारखंड से 5 और ओडिशा से 2 आईईडी शामिल हैं। सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि अब सर्च अभियान का उद्देश्य हर गांव, सड़क ● शेष पेज 11 पर

❐ आईईडी हटाने का चल रहा अभियान

रामपुर और सैफई सिंडिकेट ने युवाओं का भविष्य बिगाड़ा : योगी

एजेंसी

अमरोहा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को विपक्षी दलों विशेषकर समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में सरकारी भर्तियां रामपुर और सैफई के सिंडिकेट के प्रभाव में होती थीं, जिससे योग्य युवाओं का भविष्य प्रभावित होता था।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया है, जिसके परिणामस्वरूप अब हर जिले के योग्य युवाओं को बिना भेदभाव रोजगार मिल रहा है। मुख्यमंत्री शनिवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अपने दौरे के दौरान औद्योगिक नगरी गजरौला में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने गाजियाबाद, बुलंदशहर, अमरोहा और संभल जनपदों में विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करते हुए कहा कि प्रदेश में सुरक्षा, सुशासन और सिंडिकेट मुक्त व्यवस्था ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज विकास, कानून-व्यवस्था और निवेश के क्षेत्र में नई पहचान बना चुका है। आने वाले समय में भी प्रदेश की राजनीति का आधार सुरक्षा, सुशासन और भ्रष्टाचार तथा सिंडिकेट से मुक्त प्रशासन रहेगा। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय विधायक राजीव तरारा के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वे ट्रॉमा सेंटर, बिजली, गन्ना, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और पेयजल जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर लगातार सक्रिय रहते हैं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना तथा किसान ड्रोन अनुदान योजना के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, प्रमाणपत्र और आर्थिक सहायता भी वितरित की। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 से पहले और उसके बाद के उत्तर प्रदेश की तुलना करते हुए कहा कि पहले चीनी मिलें बंद हो रही थीं, जबकि आज प्रदेश में 122 चीनी मिलों का संचालन हो रहा है और गन्ना किसानों को ● शेष पेज 11 पर

वर्ष 1976-78 के दंगों में निर्दोष की हत्या हुई

संभल। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को बहजोई के निकट फत्तेहपुर शरीफनगर गांव पहुंचकर 569 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी ली।

कार्यक्रम स्थल पर भाजपा कार्यकर्ताओं और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित इंटीग्रेटेड मुख्यालय भवन परिसर में आयोजित जनसभा के दौरान संभल, चंदौसी, गुन्नौर और असमोली विधानसभा क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने 68.96 करोड़ रुपये की 12 परियोजनाओं का लोकार्पण किया, जबकि करीब 500 करोड़ रुपये की 56 परियोजनाओं की आधारशिला रखी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रशासन की ओर से अतिक्रमण मुक्त कराई गई सरकारी जमीनों के पट्टे भी भूमिहीन परिवारों को वितरित किए। प्रशासन के अनुसार करीब 50 वर्षों से कब्जे में रही इन जमीनों को हाल में मुक्त कराया गया है। संभल के बहजाई में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भगवान विष्णु के दसवें अवतार की भूमि और सनातन परंपरा के पावन तीर्थ सत्यव्रत से अपनी यात्रा शुरू करने वाला यह क्षेत्र आज संभल के रूप में जाना जाता है। उन्होंने भगवान हरिहर की पावन धरा को कोटि-कोटि नमन करते हुए उपस्थित लोगों का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें जनपद संभल के चंदौसी में गणपति की 145 फीट ऊंची प्रतिमा और मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की 151 फीट ऊंची प्रतिमा के अनावरण का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि चंदौसी को यह भव्य उपहार देने वाले सभी महानुभाव बधाई के पात्र हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विघ्न विनाशक भगवान गणपति और प्रभु श्रीराम की विशाल प्रतिमाओं का अनावरण करना उनके लिए गर्व और सौभाग्य की बात है। उन्होंने इन प्रतिमाओं के निर्माण से जुड़े सभी लोगों का हृदय से अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संभल श्रीहरि विष्णु और भगवान हरिहर की पावन धरा है। उन्होंने कहा कि वह पहले भी कह चुके हैं कि यह भूमि सनातन परंपरा ● शेष पेज 11 पर

नालों के सुदृढ़ीकरण पर 85 करोड़ खर्च करेगा एलडीए

❒ शनिवार को एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने विभिन्न विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । गोमती नगर और गोमती नगर विस्तार में बरसात के दौरान होने वाली जलभराव की समस्या से राहत दिलाने के लिए लखनऊ विकास प्राधिकरण ने लगभग 85 करोड़ रुपये की लागत से नालों के सुदृढ़ीकरण और क्षमता वृद्धि का कार्य शुरू करा दिया है। शनिवार को एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने विभिन्न विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

उपाध्यक्ष ने बताया कि आईआईटी रुड़की की सर्वे रिपोर्ट के आधार पर गोमती नगर के विनय खंड में हुसड़िया चौराहे से दयाल पैराडाइज चौराहे तक लगभग तीन किलोमीटर लंबे नाले का आरसीसी निर्माण और क्षमता वृद्धि का कार्य कराया जा रहा है। करीब 63 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना में अब तक 300 मीटर नाले का निर्माण पूरा हो चुका है। वहीं विनीत खंड में हैनीमैन चौराहे से हुसड़िया चौराहे तक 1.4 किलोमीटर लंबे नाले की क्षमता बढ़ाने का कार्य लगभग 13 करोड़ रुपये की लागत से शुरू किया गया है। इसके अलावा विराज खंड और विनम्र खंड में लगभग दो किलोमीटर लंबे नाले के आरसीसी निर्माण और क्षमता वृद्धि का कार्य भी कराया जा रहा है। विभूति खंड स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान परिसर में हाईकोर्ट के पास जलभराव की समस्या के समाधान के लिए 40 लाख रुपये की लागत से सम्पवेल विकसित किया गया है। एलडीए का दावा है कि इन परियोजनाओं के पूरा होने से गोमती नगर और गोमती नगर विस्तार की लगभग 15 लाख आबादी को बरसात में जलभराव से राहत मिलेगी। निरीक्षण के दौरान उपाध्यक्ष ने विनम्र खंड में लखनऊ पब्लिक स्कूल के पास लगभग दो एकड़ भूमि पर प्रस्तावित कम्यूनिटी सेंटर और पार्क निर्माण कार्य का भी जायजा लिया। करीब चार करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना को दिसंबर 2026 तक पूरा करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही मैक्स हॉस्पिटल के पास स्थित करीब डेढ़ लाख वर्गफुट अर्जित भूमि का निरीक्षण कर रेलवे अधिकारियों के साथ समन्वय कर प्रस्ताव तैयार करने को कहा। उपाध्यक्ष ने गोमती नगर विस्तार के सेक्टर-7 में पुलिस मुख्यालय के पीछे स्थित 45 मीटर चौड़ी मास्टर प्लान सड़क का भी निरीक्षण किया। सड़क क्षतिग्रस्त मिलने पर शीघ्र टेंडर जारी कर मरम्मत कराने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने मलेशेमऊ में नवसृजित ग्रुप हाउसिंग भूखंडों का निरीक्षण कर सड़क, सीवर लाइन सहित अन्य विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता मानवेन्द्र सिंह, उप सचिव माधवेश कुमार, अधिशासी अभियंता अजीत कुमार, मनोज सागर सहित अन्य अधिकारी एवं अभियंता मौजूद रहे।

पुरानी रंजिश में युवक पर लाठी-डंडों से हमला

नगराम, लखनऊ। नगराम थाना क्षेत्र के रसूलपुर मजरा समेसी गांव में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर लाठी-डंडों और हॉकी से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार , शनिवार को अनिल कुमार पुत्र सत्यनारायण निवासी रसूलपुर मजरा समेसी ने तहरीर देकर बताया कि उनका पुत्र अंकित मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था। इसी दौरान भवानी खेड़ा मोड़ के पास गांव के ही सुरेश यादव, उसके पुत्र अमित, शिवा तथा टुन्नू यादव ने पुरानी रंजिश को लेकर उसे रोक लिया और लाठी-डंडों व हॉकी से मारपीट कर घायल कर दिया। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी। घायल अंकित का उपचार समेसी स्थित एक निजी अस्पताल चल रहा है। पुलिस के अनुसार उसकी हालत सामान्य बताई गई है। नगराम पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

कोरांव तहसील में नए एसडीएम ठाकुर प्रसाद की तैनाती, संदीप तिवारी का करछना तबादला

प्रयागराज। कोरांव तहसील में एक वर्ष से अधिक समय से तैनात उपजिलाधिकारी संदीप तिवारी का तबादला कर दिया गया है। जिलाधिकारी प्रयागराज ने उन्हें उपजिलाधिकारी करछना के पद पर तैनात किया है। संदीप तिवारी ने करछना में कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

उनके स्थान पर कोरांव तहसील में ठाकुर प्रसाद को उपजिलाधिकारी के पद पर तैनात किया गया है। ठाकुर प्रसाद ने शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में नवागत एसडीएम के रूप में भाग लिया। वहीं करछना में भी संदीप तिवारी संपूर्ण समाधान दिवस में शामिल हुए।

समाजवादी पार्टी ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री को भेजा पांच सूत्रीय ज्ञापन

❒ एक सप्ताह में समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी

कैनविज टाइम्स संवाददात

कोरांव, प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष पवन सोनकर के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने महामहिम राज्यपाल और माननीय मुख्यमंत्री को संबोधित पांच सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी प्रयागराज को सौंपा।

ज्ञापन में क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं के निस्तारण की मांग की गई है। जिसमे प्रमुख रूप उक्त मांगे रखी गयी है। पहला नगर पंचायत कोरांव ड्रमण्डगंज मार्ग पर ग्राम सभा पड़रिया में जल जमाव के कारण राहगीरों और स्कूली बच्चों को काफी परेशानी हो रही है। इसकी शिकायत कई बार सक्षम अधिकारियों से की गई लेकिन अब तक निस्तारण नहीं हुआ।

दूसरा ग्राम सभा बढ़वारी के अंतर्गत एनएच पर स्थित अंधी पुलिया पर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। इस कारण लोग काल के गाल में समा रहे हैं। इसका निस्तारण अति आवश्यक है। तीसरे नम्बर परक्षेत्र में आवारा पशुओं के आतंक से आम जनता और किसान परेशान हैं। कई बार पशुओं के हमले में लोगों की जान भी जा चुकी है। चौथा विकास खण्ड कोरांव में अघोषित विद्युत कटौती से जनजीवन अस्त व्यस्त है। इससे क्षेत्र की जनता में विद्युत विभागों प्रति भारी आक्रोश है। पाचवां नगर पंचायत कोरांव में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्रों की अनदेखी करते हुए अपात्रों को लाभ दिया गया है। इसकी जांच कराकर जवाबदेही तय की जाए। ज्ञापन में कहा गया है कि यदि एक सप्ताह के भीतर समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता बड़ा आंदोलन करेंगे

नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा से चेयरमैन ओम प्रकाश केशरी ने की भेंट

प्रयागराज कोंराव, कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोरांव के विकास के लिए शासन स्तर से पूर्ण सहयोग का मिला आश्वासन कोराव प्रयागराज उत्तर प्रदेश सरकार के नगर विकास मंत्री माननीय ए.के. शर्मा से लखनऊ प्रवास के दौरान उनके आवास पर नगर पंचायत कोरांव के चेयरमैन ओम प्रकाश केशरी की भेंट हुई। इस मुलाकात के दौरान नगर पंचायत कोरांव के विकास, बुनियादी ढांचागत सुधारों, सड़कों, जल निकासी और जनसुविधाओं के विस्तार से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। माननीय मंत्री ने सभी विषयों को ध्यानपूर्वक सुना और कोरांव के विकास के लिए शासन स्तर से पूर्ण सहयोग एवं आवश्यक वित्तीय बजट स्वीकृत कराने का आश्वासन दिया। चेयरमैन ओम प्रकाश केशरी ने कहा कि माननीय मंत्री का मार्गदर्शन और सहयोग कोरांव को एक आदर्श नगर पंचायत बनाने के संकल्प को मजबूती देगा।

लोक निर्माण कार्यालय के सामने मुख्य मार्ग खस्ताहाल

कोरांव, प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। कस्बा कोरांव में लोक निर्माण विभाग कार्यालय के ठीक सामने स्थित मुख्य संपर्क मार्ग की हालत बेहद खराब है। सड़क पर गंदगी, कीचड़ और जलभराव की वजह से लोगों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहीद नगर मोहल्ले के निवासी शिवम सोनी पुत्र रघुवीर प्रसाद ने 1076 पर इसकी शिकायत की थी। शिकायत के बाद विभाग ने खानापूर्ति के लिए नाम मात्र की गिट्टी डलवा दी, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कीचड़ के कारण कपड़े गंदे हो रहे हैं और कई लोग फिसल कर गिर भी चुके हैं। सुबह के समय गंदगी और जलभराव के कारण टहलने में भी दिक्कत हो रही है। शिवम सोनी ने लोक निर्माण विभाग प्रयागराज से मामले की जांच कराकर गुणवत्तापूर्ण कार्य कराने की मांग की है।

टड़ियन हनुमान मंदिर राजाजीपुरम में गुरु पूर्णिमा पर पंचम वार्षिकोत्सव 'शिवमहापुराण कथामृतम' होगा

लखनऊ,कैनविज टाइम्स संवाददाता। टड़ियन हनुमान मंदिर ट्रस्ट, राजाजीपुरम द्वारा गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर पंचम वार्षिकोत्सव के अंतर्गत 'शिवमहापुराण कथामृतम' का भव्य आयोजन 22 जुलाई से 29 जुलाई 2026 तक श्री टड़ियन हनुमान मंदिर, ई-ब्लॉक, राजाजीपुरम में किया जाएगा। ट्रस्ट के व्यवस्थापक एवं अध्यक्ष महंत रामाकान्त दास ने बताया कि 22 से 28 जुलाई तक प्रतिदिन सायं 4 बजे से रात्रि 8 बजे तक शिवमहापुराण कथा का रसपान कराया जाएगा। कथा का वाचन अयोध्या स्थित श्रीनिवास कोट वैष्णव सेवा आश्रम के कथावाचक स्वामी श्रीनिवासाचार्य द्वारा किया जाएगा। सात दिवसीय कथा में भगवान शिव के विभिन्न स्वरूपों, शिव-पार्वती विवाह, गणेश एवं कार्तिकेय की उत्पत्ति, द्वादश ज्योतिर्लिंगों की महिमा सहित अनेक आध्यात्मिक एवं प्रेरणादायी प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। आयोजन का समापन 29 जुलाई को प्रातः 9 बजे से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-पूजन के साथ होगा। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर दोपहर 12 बजे से भव्य भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। वहीं सायं 5 बजे से रात्रि 9 बजे तक राष्ट्रीय कथा व्यास कल्याणी शुक्ला देवी द्वारा सतरुद्रीय ब्रहादेश ज्योतिर्लिंग कथा एवं भजन की प्रस्तुति दी जाएगी।

बुजुर्ग महिला से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, चार दिन में खुलासा

बख्शी का तालाब, लखनऊ,कैनविज टाइम्स संवाददाता। इटौंजा थाना क्षेत्र में 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला से दुष्कर्म के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने चार दिन के भीतर खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है, जबकि उसके आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस के अनुसार 14 जुलाई को बुजुर्ग महिला घर से शौच के लिए निकली थीं। इसी दौरान एक युवक ने सुनसान स्थान पर उनके साथ दुष्कर्म कर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही इटौंजा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया, बयान दर्ज किए और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज समेत अन्य साक्ष्य एकत्र किए। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में गठित पुलिस टीम लगातार आरोपी की तलाश में जुटी रही। जांच के दौरान मिले तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर शनिवार को सीएचसी क्रॉसिंग इटौंजा के पास से आरोपी संजय उर्फ छांग (30) निवासी ग्राम कुंडापुर, थाना इटौंजा को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी ड्राइवर का कार्य करता है।पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। पुलिस ने उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी के आपराधिक इतिहास की भी पड़ताल की जा रही है।

मेधावी छात्रों का सम्मान, टॉपर्स को मिले नकद पुरस्कार

लखनऊ,लखनऊ,कैनविज टाइम्स संवाददाता। अम्बरगंज स्थित सेंट मैरी पब्लिक इंटर कॉलेज में शनिवार को वर्ष 2026 का मेधावी छात्र सम्मान समारोह भव्य एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले कुल 97 छात्र-छात्राओं को मेडल, ट्रॉफी तथा नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों का उत्साह देखने लायक था। समारोह के मुख्य अतिथि सांसद एवं एल.पी.एस. के संस्थापक एस.पी. सिंह पटेल तथा विशिष्ट अतिथि बार काउंसिल, लखनऊ के महासचिव जितेन्द्र कुमार यादव रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना और स्वागत गीत से हुआ, जिसकी उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों ने सराहना की। सबसे पहले इंटरमीडिएट के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इफ़्फ़त नूर ने 85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। इरम फ़ातिमा और फरहीन सिद्दीकी संयुक्त रूप से द्वितीय, जबकि खुशी कलाम और फ़ातिमा खान संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहीं। सभी टॉपर्स को मेडल, ट्रॉफी और बैंकर्स चेक प्रदान किए गए। इसके बाद हाईस्कूल के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। आफ़िया ताहिर ने 93.50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम, आयशा ने 90.50 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय तथा मोहम्मद तौसीफ़ ने 89.50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को रूपये 5100, व 3100 और 2100 रुपये के चेक प्रदान किए गए। समारोह में कुल 25,800 रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की गई। विद्यालय की वार्षिक क्रिकेट प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों और टीमों को भी सम्मानित किया गया। अरसलान सिद्दीकी को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज तथा मोहम्मद उमर को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज एवं सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर चुना गया। विजेता बिस्मिल हाउस के कप्तान अरसलान सिद्दीकी को ट्रॉफी तथा टीम के सभी खिलाड़ियों को मेडल प्रदान किए गए, जबकि उपविजेता आजाद हाउस के कप्तान मोहम्मद अयान को भी ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि एस.पी. सिंह पटेल ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें जीवन में निरंतर मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। विशिष्ट अतिथि जितेन्द्र कुमार यादव उर्फ़ जीतू ने मेधावी विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावकों को भी बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रबंध निदेशक आमिर सिद्दीकी ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को स्मृति-चिह्न भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया।

डीपीएस जूनियर शाखा में शपथ एवं पदग्रहण समारोह, छात्र-नेताओं ने संभाली जिम्मेदारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । दिल्ली पब्लिक स्कूल(डीपीएस) की जूनियर शाखा में शनिवार को शपथ एवं पदग्रहण समारोह का आयोजन गरिमामय वातावरण में किया गया। समारोह में वर्ष 2026 के लिए चुने गए छात्र-नेताओं ने अपने पद एवं दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी, अनुशासन और समर्पण के साथ करने की शपथ ली। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन ने छात्र-नेताओं को उनके दायित्व सौंपते हुए विश्वास जताया कि वे अपने आदर्श आचरण, नेतृत्व क्षमता, सेवा-भाव और सकारात्मक सोच से अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेंगे तथा विद्यालय की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाएंगे।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नेतृत्व के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कहा गया कि नेतृत्व केवल अधिकार का नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व, सेवा और समर्पण का प्रतीक है। विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, अनुशासन, उत्तरदायित्व एवं नैतिक मूल्यों का विकास करना है, ताकि वे भविष्य में समाज और राष्ट्र के जिम्मेदार नागरिक बन सकें। समारोह के दौरान विद्यालय का आदर्श वाक्य ''स्वयं से पहले सेवा'' भी विद्यार्थियों को स्मरण कराया गया। विद्यालय परिवार ने नव-निर्वाचित छात्र-नेताओं को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि वे उत्कृष्टता, विनम्रता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित करेंगे।

संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम को सुनने उमड़ी भीड़

❒ गेट बंद करना पड़ा, अधिवक्ताओं और सपा कार्यकर्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोरांव, प्रयागराज । संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के आने की सूचना पर क्षेत्र के लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शिकायतकर्ताओं का ताता लग गया। भीड़ इतनी अधिक हो गई कि पुलिस और अन्य कर्मचारियों को गेट बंद करना पड़ा, जिससे हाल में पहले से लाइन में खड़े लोगों की सुनवाई हो सके। गेट बंद होने पर लोगों ने नाराजगी जाहिर की और गेट भी पीटे।

भीड़ अचानक इस कदर बढ़ गई कि लोग देखकर हैरान रह गए। काफी समय बाद डीएम के आने से लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे थे। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राम बहादुर सिंह और मंत्री लक्ष्मी कांत शुक्ला समेत अन्य अधिवक्ताओं ने डीएम को विभिन्न मांगों को लेकर पत्र सौंपा। इसी प्रकार समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भी डीएम को ज्ञापन दिया। कुछ प्रार्थना पत्र डीएम ने बाहर निकलकर स्वयं प्राप्त किए। खीरी के द्वारिका प्रसाद तिवारी, जो विकलांग हैं, ने आवास न मिलने की शिकायत की। रत्योरा से टीकर सुहास तक नव निर्माण सड़क में घटिया कार्य कराए जाने की भी शिकायत की गई। डीएम ने बैदवार कला में बन रहे कान्हा गौशाला का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता पूर्वक समय से कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। जनता को उम्मीद थी कि डीएम पर्याप्त समय देकर समस्याओं का निस्तारण करेंगे, लेकिन उनके डेढ़ बजे से पहले चले जाने से लोगों को पूरा समय नहीं मिल सका। डीएम देर से भी आए थे। इस अवसर पर डीसीपी विवेक चंद्र, डीडीओ, पीडी, सीएमओ, डीसी मनरेगा, नवागत एसडीएम ठाकुर प्रसाद, तहसीलदार रोशनी सोलंकी, एसडीओ संगीता यादव, पीके सिंह रेंजर समेत अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। तहसीलदार ने इस बार लोगों के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था की थी। कुल 642 शिकायतें आईं, 05 का निस्तारण हुआ। पिछले समाधान दिवस में 367 शिकायतें आई थीं जिसमें 05 का निस्तारण हुआ था।

एंटी करप्शन टीम ने रिश्वत लेते दरोगा को 25 हजार रूपये के साथ पकड़ा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। भ्रष्टाचार निवारण संगठन की टीम ने शनिवार को रिश्वत लेते हुए थाना सोरांव में तैनात उप निरीक्षक संयम जायसवाल को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

शिकायतकर्ता उदयराज पटेल निवासी ग्राम गहरपुर, थाना सोरांव ने संगठन को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि आरोपी उप निरीक्षक उनके और परिवारीजनों के विरुद्ध पंजीकृत मुकदमे की विवेचना में धारा कम करने के बदले 75 हजार रुपये मांग रहा है। शिकायतकर्ता द्वारा 17 जुलाई 2026 को भ्रष्टाचार निवारण संगठन इकाई प्रयागराज में दिए गए प्रार्थना पत्र पर कार्रवाई करते हुए 18 जुलाई 2026 को 13 सदस्यीय ट्रैप टीम ने योजना बनाकर आरोपी को पकड़ा। दोपहर 1.50 बजे सोरांव थाने के बाहर अमन गुप्ता की चाय-पान की दुकान के सामने साक्षियों और टीम के समक्ष रिश्वत की पहली किस्त 25 हजार रुपये लेते समय उप निरीक्षक संयम जायसवाल को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी संयम जायसवाल पुत्र महेन्द्र प्रताप जायसवाल निवासी नरहरपुर, थाना लम्भुआ, जनपद सुल्तानपुर का रहने वाला है। वह वर्तमान में उप निरीक्षक, थाना सोरांव, गंगानगर कमिश्नरेट प्रयागराज में तैनात था। पीएनओ 231042116 अग्रिम विधिक कार्रवाई करते हुए थाना शिवकुटी, नगर कमिश्नरेट प्रयागराज में अभियोग पंजीकृत कराया जा रहा है। भ्रष्टाचार निवारण संगठन ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई अराजपत्रित सरकारी अधिकारी या कर्मचारी रिश्वत की मांग करता है तो तत्काल संगठन के प्रयागराज मण्डल के मो0 9454402490 या लखनऊ मुख्यालय कंट्रोल रूम के मो0 9454402484 पर शिकायत दर्ज कराएं।

ओपन स्टेट रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप के पहले दिन लखनऊ के खिलाड़ियों का जलवा

लखनऊ। सेंट्रल एकेडमी इंदिरानगर में आयोजित दो दिवसीय 7वीं उत्तर प्रदेश ओपन स्टेट रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप के पहले दिन मेजबान लखनऊ के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 450 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।लखनऊ के विग्योर हाई स्कूल के त्रिकाश सिंह ने 8 से 10 वर्ष आयु वर्ग की 500 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर शहर का गौरव बढ़ाया। वहीं लामार्ट कॉलेज के कबीर दीप सहगल ने 4 से 6 वर्ष आयु वर्ग की 500 मीटर स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया।इसके अलावा डीपीएस जानकीपुरम के आरुष कुमार मिश्रा और शरिया खान ने 12 से 15 वर्ष आयु वर्ग की 500 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीते। विग्योर हाई स्कूल के तन्मय यादव ने 10 से 12 वर्ष आयु वर्ग की 500 मीटर स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया।लखनऊ के कोच नीरज श्रीवास्तव ने बताया कि आगरा, शाहजहांपुर, झांसी, बरेली समेत कई जिलों के खिलाड़ियों के बीच लखनऊ का प्रदर्शन बेहद शानदार और संतोषजनक रहा।

91वीं वाहिनी द्रुत कार्य बल, बिजनौर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। '' पौधरोपण महायज्ञ'' महाअभियान के अवसर पर आज दिनांक 18 जुलाई 2026 को 91वीं वाहिनी द्रुत कार्य बल, बिजनौर (लखनऊ) में जितेन्द्र कुमार ओझा, कमांडेंट, 91वीं वाहिनी द्रुत कार्य बल के मार्गदर्शन में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। अभियान के अंतर्गत आम, अमरूद, कटहल एवं जामुन सहित विभिन्न प्रकार के फलदार एवं छायादार वृक्षों का रोपण किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण को स्वच्छ, हरित एवं मानव जीवन के अनुकूल बनाना तथा वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर श्री जितेन्द्र कुमार ओझा कमांडेंट ने उपस्थित अधिकारियों एवं कार्मिकों को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने वृक्षों की आवश्यकता एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वृक्ष न केवल हमें शुद्ध वायु प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने तथा वन्यजीवों के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं उनकी देखभाल करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। वर्षा ऋतु के इस मौसम में आप अपने घर या आसपास ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान के तहत पौधे लगाकर इस महाअभियान का हिस्सा बन सकते हैं । कार्यक्रम में सतेंद्र नाथ मिश्रा (उप महानिरीक्षक, रेंज लखनऊ), डॉ. ओ. बी. सिंह (उप महानिरीक्षक चिकित्सक, ग्रुप केन्द्र लखनऊ) , अमित कुमार आनन्द (पुलिस उपायुक्त, दक्षिणी लखनऊ), सहित 91वीं वाहिनी द्रुत कार्य बल के सोहन सिंह (द्वितीय कमान अधिकारी), विवेक कुमार सिंह (द्वितीय कमान अधिकारी), गीता यादव (उप कमांडेंट), अरुण कुमार तिवारी (उप कमांडेंट), डॉ. अभिषेक पाण्डेय समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

वध क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी का भाजपा महानगर में स्वागत, बोले- मजबूत बूथ ही संगठन की असली ताकत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त अवध क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी के लखनऊ महानगर में प्रथम आगमन पर शनिवार को हजरतगंज स्थित हलवासिया कोर्ट में भाजपा महानगर कार्यसमिति की ओर से उनका भव्य स्वागत और अभिनंदन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी ने कहा कि लखनऊ महानगर संगठन की ऊर्जा का केंद्र है और अवध क्षेत्र में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने संगठन के विस्तार और बूथ सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ पर कम से कम 20 कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि वे पार्टी की विचारधारा, नीतियों और संगठनात्मक कार्यप्रणाली को प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचा सकें। उन्होंने आगामी बूथ सम्मेलन, बूथ सत्यापन अभियान और संगठनात्मक कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए पदाधिकारियों से पूरी सक्रियता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मजबूत बूथ ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है और प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की सफलता की आधारशिला है। भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए संगठन की आगामी कार्ययोजना, विस्तार और संगठनात्मक संरचना पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने पदाधिकारियों से बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। बैठक के दूसरे सत्र में पूर्व पदाधिकारियों के साथ संगठनात्मक विषयों पर चर्चा हुई, जबकि तीसरे सत्र में जनप्रतिनिधियों के साथ विभिन्न योजनाओं और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया गया। मीडिया प्रभारी अनुराग साहू ने बताया कि कार्यक्रम में महामंत्री घनश्यामदास अग्रवाल, सत्येन्द्र कुमार सिंह, टिंकू सोनकर, उपाध्यक्ष दीपक कुमार शुक्ला 'दीपू', योगेन्द्र पटेल, सीता नेगी, विनायक पाण्डेय, मानवेन्द्र प्रताप सिंह, सौरभ बाल्मीकि, जी.डी. शुक्ला, मंत्री आनंद कुमार पाण्डेय, सचिन वैश्य, राजेश चौधरी, सतीश चन्द्र मिश्रा, अपूर्व भार्गव, अर्चना साहू, चन्द्र प्रकाश अवस्थी, पंकज सक्सेना, कोषाध्यक्ष मनोज के. गुप्ता, सह-कोषाध्यक्ष दिनेश पाण्डेय, कार्यालय प्रभारी डैनिश सोनकर, सह प्रभारी मयंक बाजपेयी, सह मीडिया प्रभारी संकेत मिश्रा, उमेश तिवारी, सोशल मीडिया संयोजक टी.आर. जोशी, मणिकांत शुक्ला, सतवीर सिंह, आईटी संयोजक उत्तम मिश्रा, सतीश आडवाणी, संतोष सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यसमिति सदस्य उपस्थित रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में गूंजा लिंक एक्सप्रेसवे मुआवजे का मुद्दा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज तहसील परिसर में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे को आगरा एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाले प्रस्तावित लिंक एक्सप्रेसवे के लिए अधिग्रहित की जा रही भूमि का मुआवजा सबसे बड़ा मुद्दा बनकर उभरा। मोहनलालगंज नगर पंचायत विन्दौवा गांव के किसानों ने कम मुआवजा दिए जाने का आरोप लगाते हुए अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राकेश सिंह को ज्ञापन सौंपकर नगर पंचायत क्षेत्र की भूमि का मूल्यांकन स्क्वायर मीटर के आधार पर कराए जाने की मांग की।

वहीं समाधान दिवस में भूमि कब्जा और जान से मारने की धमकी से जुड़े मामलों ने भी अधिकारियों का ध्यान खींचा।सम्पूर्ण समाधान दिवस में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राकेश सिंह, एसडीएम आकाश सिंह और तहसीलदार ऋतुराज शुक्ला ने फरियादियों की शिकायतें सुनीं। इस दौरान पुलिस के नोडल अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी समेत कई विभागों के अधिकारी अनुपस्थित रहे, जबकि एसीपी मोहनलालगंज दोपहर करीब एक बजे समाधान दिवस में पहुंचे। मोहनलालगंज नगर पंचायत के विन्दौवा गाँव निवासी मालती नन्दन शुक्ला ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनके गाटा संख्या 58 एवं 144 सहित गांव के कई किसानों की भूमि लिंक एक्सप्रेसवे परियोजना के लिए प्रस्तावित है। उनका कहना है कि प्रशासन द्वारा निर्धारित मुआवजा क्षेत्र की वास्तविक बाजार कीमत से काफी कम है, जिसके कारण गांव के करीब 75 किसानों ने अब तक अपनी भूमि का बैनामा नहीं कराया है। किसानों का कहना है कि विन्दौवा नगर पंचायत क्षेत्र में स्थित है और राष्ट्रीय राजमार्ग-4बी रायबरेली मार्ग से सटा होने के कारण यहां की भूमि का मूल्य ग्रामीण क्षेत्र की तुलना में अधिक है।

होम-स्टे मॉडल को बढ़ावा, 35 होम-स्टे संचालकों को मिला उद्यमिता और आतिथ्य का प्रशिक्षण

- एमकेआईटीएम में प्रदेश भर से आए होम-स्टे संचालकों ने सीखे आधुनिक प्रबंधन के गुर

कैनविज टाइम्स संवाददाता।

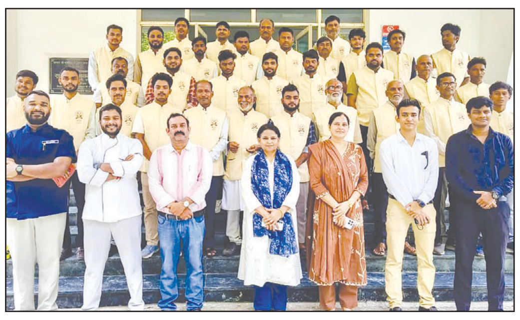

लखनऊ । रूरल टूरिज्म को नई पहचान देने और स्थानीय युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पर्यटन विभाग ने महत्वपूर्ण पहल की है। विभाग के अंतर्गत संचालित मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट (एमकेआईटीएम) में प्रदेशभर से आए होम-स्टे संचालकों के लिए 14 से 18 जुलाई तक पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 35 प्रतिभागियों को होम-स्टे के प्रभावी संचालन, आधुनिक पर्यटन कौशल और उत्कृष्ट आतिथ्य सेवाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। यह पहल सरकार के 'विजिट माय स्टेट' अभियान को गति देने के साथ ही 'आतिथ्य से आत्मनिर्भरता' के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'उत्तर प्रदेश सरकार ग्रामीण पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए नवाचार, कौशल विकास और स्थानीय युवाओं के सशक्तिकरण पर विशेष फोकस कर रही है। उन्होंने बताया कि पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल अधिकांश होम-स्टे संचालक युवा हैं, जिन्होंने औपचारिक शिक्षा के बाद पर्यटन विभाग के सहयोग से स्वरोजगार के रूप में होम-स्टे संचालन को अपनाया है। विभाग के सतत प्रशिक्षण और मार्गदर्शन से युवा सफल होम स्टे संचालक बन रहे हैं। यह पहल उन्हें रोजगार के साथ आत्मनिर्भरता की नई राह दिखा रही है।'

होम स्टे संचालन की सीखी बारीकियां

होम-स्टे संचालकों को पेशेवर आतिथ्य सेवा प्रदाता बनाने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में उन्हें व्यवसाय को सफल बनाने के हर पहलू की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने कम लागत में प्रभावी मार्केटिंग, होम-स्टे की ब्रांडिंग, सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्रचार के गुर सिखाए। अतिथियों के पंजीकरण, शिकायत निवारण, सेवा प्रबंधन, टैरिफ निर्धारण, मूल्य तय करने और लागत नियंत्रण की व्यावहारिक जानकारी भी दी गई। प्रशिक्षण में हाउसकीपिंग, रखरखाव, आकर्षक इंटीरियर, ऊर्जा संरक्षण और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के उपयोग पर विशेष जोर रहा।

इसके अलावा, होम स्टे संचालकों को बेहतर आतिथ्य सेवा, व्यक्तित्व विकास, ग्रूमिंग, स्थानीय व्यंजनों और जैविक उत्पादों के मानकीकरण, स्वच्छता, सुरक्षा, स्वास्थ्य, टेबल एटीकेट और सेवा प्रोटोकॉल की बारीकियां भी बताई गईं। डिजिटल भुगतान, स्थानीय पर्यटन स्थलों की जानकारी और प्रभावी प्रस्तुतीकरण का प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों का मूल्यांकन तथा प्रमाण-पत्र वितरण और फार्म विजिट के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव भी कराया गया। प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों में प्रयागराज, फर्रुखाबाद, अंबेडकरनगर, महराजगंज, बिजनौर, सहारनपुर, ललितपुर, लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, वाराणसी, महोबा, बांदा और चित्रकूट के होम स्टे संचालक शामिल हुए।

'विजिट माय स्टेट' में सहायक होम-स्टे मॉडल

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश का पर्यटन क्षेत्र नई ऊंचाइयों को छू रहा है। प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर देशी-विदेशी पर्यटकों की लगातार बढ़ती आमद के साथ होम-स्टे मॉडल भी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। इससे न केवल पर्यटकों के लिए ठहरने की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं, बल्कि उन्हें स्थानीय कला, संस्कृति, पारंपरिक व्यंजन और ग्रामीण जीवन शैली को करीब से जानने-समझने का अवसर भी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के 'विजिट माय स्टेट' अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक पर्यटकों को उत्तर प्रदेश के विविध पर्यटन स्थलों से जोड़ने का अभियान चलाया जा रहा है।

दहेज हत्या का राज खुला, शव नहर में फेंकने वाले पति समेत तीन गिरफ्तार

- विवाहिता की हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने की साजिश नाकाम
- पुलिस ने शव बरामद कर पति, सास और ननद को भेजा जेल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बख्शी का तालाब,लखनऊ । इटौंजा क्षेत्र में दहेज के लिए विवाहिता की हत्या कर शव नहर में फेंकने के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए पति, सास और ननद को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर विवाहिता का शव बरामद कर परिजनों से शिनाख्त कराई। घटना के खुलासे के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

पुलिस के अनुसार, सीतापुर निवासी पवन कुमार कश्यप ने अपनी 26 वर्षीय पुत्री हिमांशी की दहेज के लिए हत्या किए जाने का मुकदमा इटौंजा थाने में दर्ज कराया था। आरोप था कि विवाह के बाद से ही ससुराल पक्ष अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करता था। विरोध करने पर उसकी हत्या कर शव को ठिकाने लगा दिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने पति प्रदीप कुमार, सास सुनीत और ननद राखी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने नहर से शव बरामद कराया, जिसकी पहचान परिजनों ने की।पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने की नीयत से शव को कार में रखकर नहर में फेंक दिया था, ताकि किसी को घटना की भनक न लगे। लेकिन पुलिस की सघन विवेचना, तकनीकी साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर पूरे मामले का खुलासा हो गया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। वहीं मामले में नामजद अन्य आरोपियों की तलाश और उनकी भूमिका की जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि विवेचना में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान में ब्रेनस्टेम ट्यूमर की सफल सर्जरी

- 16 वर्षीय मरीज को मिला नया जीवन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान, लखनऊ के न्यूरोसर्जरी विभाग ने चिकित्सा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 16 वर्षीय मरीज के अत्यंत जटिल ब्रेनस्टेम ट्यूमर का सफल ऑपरेशन किया। लगभग आठ घंटे तक चली इस उच्च जोखिम वाली सर्जरी के बाद मरीज पूरी तरह स्वस्थ होकर अस्पताल से डिस्चार्ज हो चुका है।

यह चुनौतीपूर्ण सर्जरी संस्थान के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं विभागाध्यक्ष (न्यूरोसर्जरी) प्रो. विजेंद्र कुमार के नेतृत्व में संपन्न हुई। ऑपरेशन के दौरान अत्याधुनिक न्यूरोनेविगेशन सिस्टम, नर्व मॉनिटरिंग सिस्टम तथा ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप जैसी उन्नत तकनीकों का सफलतापूर्वक उपयोग किया गया, जिससे सर्जरी सुरक्षित और प्रभावी ढंग से पूरी की जा सकी।इस जटिल ऑपरेशन में डॉ. अमित कुमार उपाध्याय, डॉ. रवि रंजन, डॉ. संजीव तथा एनेस्थीसिया विभाग से डॉ. रिचा राय ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी विशेषज्ञों के समन्वित प्रयास से सर्जरी सफल रही और मरीज को नया जीवन मिला। संस्थान के निदेशक प्रो. एम.एल.बी. भट्ट ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर पूरी न्यूरोसर्जरी एवं एनेस्थीसिया टीम को बधाई देते हुए कहा कि संस्थान अत्याधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ चिकित्सकों के माध्यम से जटिल से जटिल न्यूरोसर्जिकल मामलों का सफल उपचार करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

यह सफलता कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान की उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवाओं, आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ चिकित्सकों की दक्षता का प्रमाण है। संस्थान भविष्य में भी गंभीर एवं जटिल रोगों के उपचार में उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

बीमा सबके लिए' अभियान को मिली नई ताकत आईआरडीएआई ने लॉन्च की कॉमिक बुक सीरीज़

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । आम लोगों को जीवन बीमा की जानकारी आसान भाषा में देने के लिए भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) के चेयरमैन अजय सेठ ने उपभोक्ता जागरूकता कॉमिक बुक सीरीज़ लॉन्च की। राष्ट्रीय बीमा जागरूकता दिवस पर शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य रोजमर्रा की कहानियों के माध्यम से जीवन बीमा, ख्रडघ, वेवर ऑफ प्रीमियम (डधघ) और क्रिटिकल इलनेस राइडर जैसी महत्वपूर्ण अवधारणाओं को सरल ढंग से समझाना है। सुप्रिया नाम की युवा जीवन बीमा सलाहकार के किरदार पर आधारित यह कॉमिक सीरीज़ 'बीमा सबके लिए' अभियान को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

इस अवसर पर आईएसी-लाइफ के अध्यक्ष कमलेश राव ने कहा कि यह पहल लोगों को परिवार की आर्थिक सुरक्षा के प्रति जागरूक करेगी। लाइफ इंश्योरेंस काउंसिल के महासचिव आदित्य गुप्ता ने इसे बीमा को सरल भाषा में समझाने की प्रभावी पहल बताया। कार्यक्रम में एलआईसी के एमडी दोराईस्वामी, पीएनबी मेटलाइफ के एमडी एवं सीईओ समीर बंसल, इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस के एमडी एवं सीईओ रुशभ गांधी तथा वरिष्ठ वित्तीय पत्रकार सोनिया शेनॉय भी शामिल हुए। वक्ताओं ने कहा कि देश में बीमा जागरूकता बढ़ाना और हर परिवार तक जीवन बीमा की पहुंच सुनिश्चित करना समय की जरूरत है।

ऐतिहासिक व पौराणिक हरिवंश बाबा के स्थान तक जाने वाला मुख्य मार्ग गड्ढों में तब्दील

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। माल थाना क्षेत्र के मंझी गांव के बाहर ऐतिहासिक व पौराणिक हरिवंश बाबा के स्थान तक जाने वाली मुख्य मार्ग गड्ढों में तब्दील हो गई है । जिससे आए दिन होती रहती है दुर्घटना। जिम्मेदार जानबूझकर बने रहते अनजान। ग्रामीणों के अनुसार माल थाना क्षेत्र के सैदपुर से मंझी जाने वाली रोड से लगभग 1 किलोमीटर से ज्यादा डामर रोड जो ऐतिहासिक व पौराणिक धार्मिक हरिबंस बाबा के स्थान पर जाती है इस रोड पर सिर्फ गड्ढे की गड्ढे नजर आते हैं बाकी डामर तो कहीं दिखाई नहीं देता हैं। जिससे इस रोड पर आने जाने वाले लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। यह भी बताया गया कि कई बार इसकी शिकायत भी की गई, लेकिन किसी जिम्मेदार ने कोई संज्ञान नहीं लिया। जबकि आय दिन काफी संख्या में लोगों का आना-जाना लगा रहता है। जब एक स्थान पर जाने वाली रोड का यह हाल है तो अन्य ग्रामीण क्षेत्र में तो इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है।

पहले दर्ज मुकदमा वापस लेने की धमकी, फिर असलहा और बांका लेकर घर पर बोला हमला,पीड़ित परिवार ने दर्ज कराई एफआईआर

चिनहट, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। चिनहट के बीबीडी थाना क्षेत्र में पहले से दर्ज मुकदमे को वापस लेने का दबाव बनाने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जनपद लखनऊ के बीबीडी थाना क्षेत्र स्थित जनपाखेड़ा निवासी विश्वजीत सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उन्होंने 13 जुलाई 2026 को कुछ लोगों के खिलाफ एक मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप है कि इसके बाद विपक्षी इन्द्रमणि पाण्डेय, अभिषेक पाण्डेय, विनोद शुक्ला, सुधीर और राजेश लगातार मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाते हुए जान से मारने की धमकी दे रहे थे। पीड़ित के अनुसार रात करीब नौ बजे आरोपी असलहा और बांका लेकर उनके घर पहुंच गए। आरोप है कि हमलावरों ने गेट पर चढ़कर गाली-गलौज की, गेट तोड़ने का प्रयास किया और घर में घुस गए। इस दौरान परिवार के सदस्य डर के कारण कमरे में छिप गए। आरोपियों ने दूसरे दरवाजे को भी तोड़ने का प्रयास किया तथा लगातार जान से मारने की धमकियां दीं। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि जब आरोपी दरवाजा तोड़ने में सफल नहीं हुए तो बाहर निकलकर हवाई फायरिंग की और दोबारा जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित ने अपने परिचितों को सूचना दी और पुलिस से सुरक्षा की मांग की। बीबीडी पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है तथा जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बीबीडी कॉलेज के सामने पत्नी पर चाकू से हमला, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

चिनहट लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। चिनहट के बीबीडी थाना क्षेत्र में एक महिला पर उसके पति द्वारा चाकू से जानलेवा हमला किए गया। घटना में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में बहराइच जिले के जरवल कस्बा निवासी कुन्नी लाल ने बताया कि उनकी बेटी अनोखी बीबीडी कॉलेज के सामने से काम खत्म कर अपनी सहेली के साथ घर लौट रही थी। इसी दौरान उसका पति राजेश वहां पहुंच गया। आरोप है कि उसने पहले अनोखी की सहेली को वहां से जाने के लिए कहा और फिर अनोखी से बातचीत करने लगा। तहरीर के अनुसार, कुछ ही देर बाद राजेश ने अचानक चाकू निकालकर अनोखी की गर्दन पर वार कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर गिर पड़ी। उसकी चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया, जबकि घायल महिला को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। पीड़िता के पिता का कहना है कि उनकी बेटी की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्होंने आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। बीबीडी पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी पति के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

केवाईसी अपडेट के नाम पर साइबर ठगी, बैंक खाते से करीब एक लाख रुपये उड़ाए

चिनहट लखनऊ , कैनविज टाइम्स संवाददाता। चिनहट के बीबीडी थाना क्षेत्र में केवाईसी अपडेट कराने के नाम पर एक व्यक्ति से साइबर ठगी की गई। जालसाज ने खुद को बैंक कर्मचारी बताकर फोन पर बातचीत की और कुछ ही देर में पीड़ित के खाते से करीब एक लाख रुपये निकाल लिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर में साईं रेजीडेंसी, उत्तरधौना निवासी चंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि 15 जुलाई को उनके मोबाइल पर एक कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को यूको बैंक अलीगंज शाखा का कर्मचारी बताते हुए कहा कि उनका केवाईसी अपडेट किया जाना है। इसके बाद आरोपी ने उनका फोन होल्ड कराया और दूसरे नंबर से आने वाली कॉल की जानकारी मांगी।

विवाह के एक साल बाद विवाहिता की संदिग्ध मौत, फंदे से लटका मिला शव

- मायके पक्ष ने लगाया दहेज हत्या का आरोप, पति समेत ससुरालियों पर मुकदमा दर्ज,पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बख्शी का तालाब,लखनऊ। बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र के नगुआमऊ कला गांव में विवाह के महज एक वर्ष बाद 24 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव शनिवार दोपहर घर के कमरे में छत के पंखे से दुपट्टे के सहारे लटका मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद मायके पक्ष ने पति समेत ससुरालियों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने के बाद हत्या कर शव फंदे से लटकाने का आरोप लगाया है।

पुलिस के अनुसार नगुआमऊ कला निवासी प्रीति गौतम (24) पत्नी अरुण गौतम का विवाह करीब एक वर्ष पहले हुआ था। शनिवार दोपहर घर के कमरे में उसका शव फंदे से लटका मिलने पर परिजनों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका का मायका चिनहट थाना क्षेत्र के गोइला गांव में है। घटना की सूचना मिलते ही पहुंचे मृतका के भाई ने बख्शी का तालाब थाने में लिखित तहरीर देकर आरोप लगाया कि विवाह के बाद से ही प्रीति को अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। आरोप है कि ससुराल पक्ष ने उसकी हत्या कर साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को फंदे से लटका दिया।प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि मायके पक्ष की तहरीर के आधार पर पति समेत संबंधित आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की निष्पक्ष जांच करते हुए आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

महिला कामगारों के लिए विकसित भारत-जी राम जी एक्ट 2025 के तहत बनेंगे महिला-अनुकूल कार्यस्थल: केशव प्रसाद मौर्य

- जिन कार्यस्थलों पर 5 वर्ष से कम आयु के 5 या अधिक बच्चे होंगे, उनकी देखभाल के लिए एक महिला नियुक्त की जाए: उपमुख्यमंत्री

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के उच्च अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें सुरक्षित कामकाजी माहौल देने के लिए *विकसित भारतऽजी राम जी एक्ट 2025* के अंतर्गत सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भूमिका को सुदृढ़ करने और उनके लिए शत-प्रतिशत महिला-अनुकूल कार्यस्थलों की व्यवस्था कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। महिला कामगारों को अपने बच्चों की चिंता किए बिना काम करने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन भी कार्यस्थलों पर 5 वर्ष से कम आयु के 5 या उससे अधिक बच्चे होंगे, वहाँ उनकी उचित देखभाल और सुरक्षा के लिए एक समर्पित महिला की नियुक्ति की जाएगी। इस महिला को उनके कार्य के बदले निर्धारित मजदूरी दर के अनुसार ससमय भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। इससे जहाँ एक ओर कामकाजी माताओं को राहत मिलेगी, वहीं दूसरी ओर एक अन्य महिला को रोजगार का अवसर भी प्राप्त होगा। श्री मौर्य ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बदलते मौसम के दृष्टिगत कार्यस्थलों पर बुनियादी सुविधाओं में कोई कोताही न बरती जाए। सभी कार्यस्थलों पर स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल की उपलब्धता अनिवार्य रूप से हो इसके साथ ही, वर्तमान में चल रही भीषण गर्मी तथा आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए श्रमिकों को मौसम के थपेड़ों से बचाने के लिए शेड (छायादार स्थान) एवं अन्य सुरक्षात्मक साधनों की पर्याप्त व्यवस्था कराई जाए, ताकि किसी भी श्रमिक के स्वास्थ्य पर विपरीत असर न पड़े।

एक पेड़ माँ के नाम' अभियान से हरियाली का संकल्प, रोपे गए 1000 पौधे

- विवेकानंद समता फाउंडेशन व नीलांश फाउंडेशन की पहल
- न्यायिक व प्रशासनिक अधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बख्शी का तालाब, लखनऊ। पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के निर्माण के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'एक पेड़ माँ के नाम' बृहद वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के तहत नीलांश थीम पार्क रिसोर्ट एवं वाटर पार्क परिसर में एक हजार पौधों के रोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। विवेकानंद समता फाउंडेशन और नीलांश फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में न्यायिक, प्रशासनिक, विधिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक जस्टिस अनिल कुमार ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण की रक्षा ही नहीं करते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की मजबूत नींव भी रखते हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करना चाहिए। यदि हर नागरिक अपनी मां के सम्मान में एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प ले, तो यह अभियान जनआंदोलन का रूप ले सकता है।

फाउंडेशन के अध्यक्ष सतीश श्रीवास्तव ने कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम' केवल वृक्षारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने का सामाजिक अभियान है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी नियमित देखभाल करने की अपील करते हुए कहा कि पौधरोपण तभी सार्थक होगा, जब लगाए गए पौधे वृक्ष बनकर पर्यावरण को समृद्ध करें। कार्यक्रम में फाउंडेशन के संरक्षक जस्टिस राघवेंद्र दयाल, संयोजक मनीष हिंदवी, मंत्री एडवोकेट मनीष श्रीवास्तव, यूपी बार काउंसिल प्रत्याशी एडवोकेट अजय शंकर श्रीवास्तव 'बंटी', एडवोकेट पुनीत चंद्रा, एडवोकेट अमोल कुमार सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। नीलांश फाउंडेशन के अध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव, हाईकोर्ट लखनऊ के संयुक्त रजिस्ट्रार अरविंद श्रीवास्तव, आईपीएस आलोक श्रीवास्तव तथा नीलांश थीम पार्क के सहयोगियों ने भी पौधरोपण कर अभियान में सहभागिता निभाई। आयोजकों ने बताया कि अभियान के तहत लगाए गए पौधों के संरक्षण की भी समुचित व्यवस्था की जाएगी, ताकि यह पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में स्थायी उदाहरण बन सके।

आरडीएसओ के 'सांस्कृतिक उत्सव-2026' में प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन, महानिदेशक प्रभास दनसाना ने किया सम्मानित

- कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरडीएसओ के महानिदेशक प्रभास दनसाना तथा विशिष्ट अतिथि रेलवे महिला कल्याण संघ की अध्यक्षा ज्योति दनसाना रहीं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) की कॉलोनी स्थित भगवान बिरसा मुंडा ऑडिटोरियम में आयोजित 'सांस्कृतिक उत्सव-2026' रंगारंग प्रस्तुतियों, कला, संगीत और उत्साह के बीच सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में आरडीएसओ के अधिकारी, कर्मचारी, उनके परिवारजन तथा विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक-छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरडीएसओ के महानिदेशक प्रभास दनसाना तथा विशिष्ट अतिथि रेलवे महिला कल्याण संघ की अध्यक्षा ज्योति दनसाना रहीं। अपने संबोधन में महानिदेशक श्री दनसाना ने कहा कि सांस्कृतिक आयोजन केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि कर्मचारियों और उनके परिवारों के बीच संवाद, रचनात्मक अभिव्यक्ति तथा संगठनात्मक एकता को सुदृढ़ करने का प्रभावी मंच हैं। उन्होंने कहा कि प्रसन्न एवं प्रेरित कार्यबल किसी भी संस्थान की सबसे बड़ी पूंजी होता है और ऐसे आयोजन कार्य-जीवन संतुलन, सकारात्मक वातावरण तथा संस्थान की कार्यकुशलता को बढ़ावा देते हैं।उन्होंने आरडीएसओ कॉलोनी को केवल आवासीय परिसर नहीं, बल्कि सभी का साझा घर बताते हुए कर्मचारियों एवं उनके परिवारों से इसके संरक्षण और विकास में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। साथ ही सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनकी उत्कृष्ट प्रस्तुतियां इस आयोजन को अविस्मरणीय बनाएंगी। उत्सव में समूहगान, पारंपरिक नृत्य, वाद्य संगीत और लघु नाटकों सहित कुल 24 सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। आरपीएफ कर्मियों तथा स्थानीय अरुणोदय स्कूल के विद्यार्थियों ने भी अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित हस्तशिल्प प्रदर्शनी में सिटी मोंटेसरी स्कूल, सेंट मैरी कॉन्वेंट इंटर कॉलेज, केंद्रीय विद्यालय और अरुणोदय स्कूल के विद्यार्थियों की रचनात्मक कलाकृतियों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। वहीं आरडीएसओ के कर्मचारियों एवं विभिन्न विद्यालयों द्वारा लगाए गए फूड स्टॉल पर उपस्थित लोगों ने विविध व्यंजनों का आनंद लिया। समापन समारोह में अपर महानिदेशक क़ाज़ी मेराज अहमद ने सफल आयोजन के लिए महानिदेशक के कुशल नेतृत्व की सराहना करते हुए सभी प्रतिभागियों और आयोजकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आरडीएसओ के कार्मिक केवल अपने तकनीकी एवं प्रशासनिक कार्यों में ही नहीं, बल्कि कला, संगीत और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी समान रूप से प्रतिभाशाली हैं। कार्यक्रम के अंत में महानिदेशक प्रभास दनसाना ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर आरडीएसओ के वरिष्ठ अधिकारी, विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारी, उनके परिवारजन, रेलवे महिला कल्याण संघ की पदाधिकारी, विभिन्न कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि, विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक-छात्र तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

डीएम ने उखड़वाकर परखी इंटरलॉकिंग की गुणवत्ता

❐ जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों में लापरवाही पर दी सख्त चेतावनी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । जिलाधिकारी डॉ0 राजागणपति आर0 ने दिनांक 17 जुलाई 2026 को नगर पालिका परिषद सीतापुर क्षेत्र के अंतर्गत उपवन योजना के तहत बिजवार में निर्माणाधीन पार्क एवं वार्ड संख्या-09 लोनियनपुरवा पूर्वी (लक्ष्मनपुर) में तालाब के सौन्दर्यीकरण कार्यों का औचक निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बिजवार में निर्माणाधीन पार्क का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप तथा समयबद्ध ढंग से पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा मानकों से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने वार्ड संख्या-09 लोनियनपुरवा पूर्वी (लक्ष्मनपुर) में तालाब के सौन्दर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण में प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि कार्यों में केवल मानक एवं गुणवत्तायुक्त सामग्री का ही प्रयोग किया जाए तथा सभी कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने इंटरलॉकिंग को उखड़वाकर उसकी गुणवत्ता की स्वयं जांच की तथा संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करते हुए प्रत्येक कार्य को गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

तमंचा-कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

शाहजहांपुर। जनपद में अपराध की रोकथाम व अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान में थाना सदर बाजार पुलिस ने एक देशी तंमचा व 02 जिन्दा कारतूस के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया। थाना सदर बाजार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक युवक नई बस्ती जाने वाली रोड पर शहबाजनगर रेलवे स्टेशन अंडरपास के पास अवैध तमंचा लेकर घूम रहा है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवक को गिरफ्तार किया। जिसके कब्जे से पुलिस टीम ने एक देशी तंमचा व 02 जिन्दा कारतूस बरामद किए। पुलिस पूछताछ में पकड़े गए अभियुक्त ने अपना नाम सत्तन पुत्र नत्थू निवासी मोहल्ला कुरैशी शहबाजनगर बताया। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया। जहां से पुलिस अभिरक्षा में उसे जेल भेज दिया गया। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना सदर बाजार के उपनिरीक्षक विवेक सिंह के साथ रिक्रूट कांस्टेबल सचिन कुमार और शिवम कुमार मौजूद रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम-एसपी ने सुनीं जनसमस्याएं

❐ लहरपुर में 133 में से 27 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । जनता की शिकायतों एवं समस्याओं को पूर्ण गुणवत्ता के साथ निस्तारित करने के उद्देश्य से जनपद की सभी सात तहसीलों में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। तहसील लहरपुर में जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 एवं पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को एक-एक करके सुना गया एवं जनता की शिकायतों एवं समस्याओं को समयान्तर्गत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश के साथ संबंधित अधिकारियों को अन्तरित किया।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों और अधिकारियों को निर्देश दिये कि लाभार्थीपरक योजनाओं से संबंधित प्रकरणों का तेजी से निस्तारण किया जाये, जिससे पात्रों को समय से लाभान्वित किया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का त्वरित गति से निस्तारण हो। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता द्वारा जो शिकायत की गई हैं उसका निस्तारण संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचकर गुणवत्ता पूर्ण करें।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान उपजिलाधिकारी लहरपुर धामनी एम0 दास, तहसीलदार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। तहसील लहरपुर में सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर कुल 133 शिकायतों में से 27 का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। इसी प्रकार से जनपद की अन्य तहसीलों में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में तहसील सदर में प्राप्त 35 प्रार्थना पत्रों में से 05, तहसील महोली में प्राप्त 41 प्रार्थना पत्रों में से 04, तहसील मिश्रिख में प्राप्त 62 प्रार्थना पत्रों में से 08, तहसील महमूदाबाद में प्राप्त 30 प्रार्थना पत्रों में से 04, तहसील सिधौली में प्राप्त 83 प्रार्थना पत्रों में से 10, तहसील बिसवां में प्राप्त 33 प्रार्थना-पत्रों में से 07 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष बची हुयी शिकायतों को पृष्ठांकित कर एक सप्ताह के अन्दर संबंधित अधिकारी को निस्तारित करने के निर्देश दिये गये।

कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित व सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता: एसपी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित की अध्यक्षता में पुलिस लाइन सभागार में आगामी श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जनपद के डीजे संचालकों एवं कांवड़ जत्था संचालकों के साथ गोष्ठी आयोजित की गई।

गोष्ठी में पुलिस अधीक्षक ने कहा कि श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा जनमानस की आस्था से जुड़ा महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन है, जिसे शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराना पुलिस प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है, जिसमें सभी डीजे संचालकों एवं कांवड़ जत्था संचालकों का सहयोग जरूरी है। उन्होंने शासन और उच्च न्यायालय द्वारा जारी आदेशों तथा ध्वनि प्रदूषण संबंधी प्रावधानों का पूर्णतः अनुपालन करने के निर्देश दिए। कहा कि किसी भी दशा में निर्धारित सीमा से अधिक ध्वनि का प्रयोग न किया जाए। किसी भी प्रकार के भड़काऊ, अश्लील, आपत्तिजनक अथवा धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले गीत, संगीत अथवा नारों का प्रयोग न किया जाए। यात्रा के दौरान यातायात नियमों का पूर्णतः पालन किया जाए। सड़क पर अनावश्यक रूप से वाहन अथवा डीजे खड़े कर आवागमन बाधित न किया जाए। किसी भी प्रकार की अफवाह अथवा भ्रामक सूचना पर विश्वास न करते हुए उसकी सत्यता की पुष्टि स्थानीय पुलिस से की जाए। यात्रा के दौरान संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु अथवा गतिविधि की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस, डायल-112 अथवा संबंधित थाना प्रभारी को दी जाए। कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान आपसी भाईचारा, सौहार्द एवं धार्मिक मर्यादाओं का पालन करते हुए पुलिस प्रशासन का पूर्ण सहयोग करें। वहीं, उपस्थित सभी संचालकों ने पुलिस प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने तथा शासन-प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने का आश्वासन दिया। एसपी ने कहा कि शाहजहांपुर पुलिस आगामी श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम यातायात एवं प्रभावी कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। गोष्ठी में एसपी सिटी व सीओ सिटी आदि मौजूद रहे।

हरगांव पुलिस ने बरामद किया 60 लीटर कच्ची शराब बरामद, पांच पर मुकदमा

हरगांव सीतापुर। थाना क्षेत्र में पुलिस छापेमारी कर 60 लीटर शराब बरामद कर पांच के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है।शुक्रवार की देर रात थाना प्रभारी आनंद नारायण त्रिपाठी के द्वारा रात्रि गस्त में अलग अलग हल्का क्षेत्रों में शराब कारोबारियों के घर पर छापेमारी की गई जिसमें 60 लीटर कच्ची शराब बरामद कर पांच लोगों के खिलाफ कार्रवाई हुई है।शांति देवी निवासी गांव फत्तेपुर मीराबेहड़,रामगुलाम निवासी गांव पीतपुर,सुशील निवासी गांव कटका,रामू निवासी गांव नरहरपुर के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की गई है।क्षेत्र में लंबे समय से शराब कारोबार की शिकायतें आ रही थी जिस पर थाना प्रभारी आनंद नारायण त्रिपाठी ने टीम गठित कर शराब व्यापारियों पर कार्यवाही की गई है।

नवागत थाना प्रभारी ने लम्बे अरसे से चल रहे जुएं के कारोबार पर कसा सिकंजा

हरगांव सीतापुर। कस्बे मे लम्बे समय से चल रहे जुए पर थाना प्रभारी नारायण त्रिपाठी द्वारा शिकंजा कस दिया गया है। कस्बे में विभिन्न स्थानों पर बड़े पैमाने पर कई वर्षों से जुआ का कारोबार चल रहा था,जिसको लेकर थाना प्रभारी द्वारा सख्त रुख अपनाते हुए बीट आरक्षियों को निर्देशित करते हुए जुए के अड्डों पर छापेमारी कर कार्रवाई के कड़े निर्देश दिए थे।

बिसवां बार एसोसिएशन ने एसडीएम प्रशासनिक डॉ. राहुल सिंह व एसडीएम न्यायिक सुधीर कुमार का किया भव्य स्वागत एवं अभिनंदन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बिसवां, सीतापुर। बिसवा बार एसोसिएशन बिसवा के तत्वाधान में बार सभागार बिसवा में नवागत उपजिलाधिकारी (प्रशासनिक) डॉ. राहुल सिंह एवं नवागत उपजिलाधिकारी (न्यायिक) सुधीर कुमार द्वारा भव्य स्वागत एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया।

बिसवा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राज किशोर यादव एवं सचिव नीरज कुमार श्रीवास्तव,वरिष्ठ अधिवक्ता आर एन सिंह,ब्रजेश नारायण गुप्ता, निवर्तमान अध्यक्ष दिनेश कुमार श्रीवास्तव,वरिष्ठ उपाध्यक्ष संतोष कठेरिया उपाध्यक्ष इंतिखाब आलम सिद्दीकी, कोषाध्यक्ष अनमोल कन्हैया,कैलाश नाथ श्रीवास्तव,सूर्य प्रसाद यादव,प्रमोद कुमार श्रीवास्तव,राजेश वर्मा, मनोज गुप्ता,प्रमोद यादव,जितेन्द्र मिश्रा,अरुण कुमार श्रीवास्तव,अश्वनी श्रीवास्तव, विपिन यादव,शिशुपाल यादव, रवि मौर्या,जीशान खान फूलचंद्र भार्गव, प्रदीप कुमार गौतम आदि अधिवक्ताओं एवं पदाधिकारियों ने दोनों अधिकारियों को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर उनका स्वागत अभिनंदन किया तथा उनके सफल एवं जनहितकारी कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

उपजिलाधिकारी (प्रशासनिक) डॉ.राहुल सिंह सिद्धार्थनगर जनपद एवं उपजिलाधिकारी (न्यायिक)सुधीर कुमार अयोध्या जनपद से स्थानांतरित होकर हाल ही में तहसील बिसवां पहुंचे हैं। कार्यभार ग्रहण करने के बाद दोनों अधिकारियों ने अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आमजन एवं वादकारियों को पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध प्रशासनिक एवं न्यायिक सेवाएं उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने अधिवक्ताओं के सहयोग से कानून के अनुरूप बेहतर कार्य संस्कृति विकसित करने का विश्वास भी जताया।

अधिवक्ताओं ने दोनों उपजिलाधिकारियों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में तहसील बिसवां में प्रशासनिक एवं न्यायिक कार्यों में पारदर्शिता, कार्यकुशलता तथा जनविश्वास और अधिक मजबूत होगा।

किशोरी से जबरन दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। थाना कांट पुलिस ने किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने, उसके साथ जबरन दुष्कर्म करने व उसे डरा धमकाकर जान से मारने की धमकी देने के आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

बीती 16 जुलाई को थाना कांट पर एक व्यक्ति ने तहरीर दी। बताया कि थाना कांट क्षेत्र के गांव जमौर का रहने वाला हासिम पुत्र इस्लाम उसकी 14 वर्षीय छोटी बहन को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया और उसके साथ जबरन बलात्कार किया। बहन को डराया धमकाया और उसे जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी हासिम के खिलाफ अपहरण, दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया। पुलिस ने दौराने विवेचना उक्त मुकदमें में धारा 67 आईटी एक्ट की वृद्धि की। इसी क्रम में थाना कांट पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर वांछित अभियुक्त हासिम पुत्र इस्लाम को ददरौल मोड़ के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त हासिम को विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष पेशकर जेल भेज दिया है। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना कांट के प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार के साथ एसआई मेघराज सिंह, कांस्टेबल रक्षक तोमर और राहुल कुमार मौजूद रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस : डीएम ने फरियादियों की सुनी समस्याएं, लाभार्थियों को मिली योजनाओं की सौगात

❐ शिकायतों का गुणवत्तापरक, समयबद्ध निस्तारण करें अफसर : डीएम

❐ समाधान दिवस पर मुस्कुराए चेहरे : लाभार्थियों को मिली योजनाओं की सौगात

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लिखीमपुर खीरी। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील सदर के लोकसभागार में डीएम अंजनी कुमार सिंह, एसपी डॉ ख्याति गर्ग, सीडीओ अभिषेक कुमार ने एक ओर जहां फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं, वहीं दूसरी ओर जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को टूलकिट प्रदान की।

जनसुनवाई के दौरान डीएम व एसपी ने अन्य अधिकारियों के साथ प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लिया और स्पष्ट निर्देश दिए कि जनशिकायतों की निष्पक्ष जांच कर समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। डीएम अंजनी कुमार सिंह ने अधिकारियों से कहा कि शासन की प्राथमिकताओं में जनसमस्याओं का समाधान सर्वोपरि है। गरीब एवं जरूरतमंद व्यक्तियों की समस्याओं का संवेदनशीलता से तुरंत समाधान करते हुए उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि शिकायतकर्ताओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए संतोषजनक निस्तारण करें और भूमि विवादों में राजस्व-पुलिस की संयुक्त टीम तत्काल कार्यवाही करे।

इस समाधान दिवस में कुल 61 शिकायती प्रार्थना पत्र पंजीकृत हुए, जिनमें से 06 का मौके पर निस्तारण किया गया। प्राप्त शिकायतों में राजस्व विभाग की 29, पुलिस विभाग की 14, विकास विभाग की 07, आपूर्ति 06 और विद्युत विभाग की 03, कृषि की 02 शिकायतें शामिल रहीं। सभी प्रार्थना पत्रों को पृष्ठांकित कर संबंधित विभागों को शीघ्र निस्तारण हेतु सौंपा गया। इस दौरान एसडीएम चलुवराजू आर, तहसीलदार मुकेश कुमार, पीडी डीआरडीए सतीश कुमार पाण्डेय, डीडीओ गजेंद्र प्रताप सिंह सहित जनपदीय अधिकारी उपस्थित रहे।

समाधान दिवस पर मुस्कुराए चेहरे, लाभार्थियों को मिली योजनाओं की सौगात संपूर्ण समाधान दिवस जनपद में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का साक्षी बना। डीएम अंजनी कुमार सिंह, एसपी डॉ ख्याति गर्ग ने स्वयं लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ सौंपा। मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत 05 लाभार्थियों को स्वीकृत प्रमाण पत्र प्रदान किए। वही 05 लाभार्थियों को पौध का वितरण किया।

सीतापुर में फिर लगेंगी सजावटी लाइटें, एक माह में खराब होने पर उठे गुणवत्ता के सवाल

सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से लेकर जिला अधिकारी कार्यालय के मुख्य द्वार तक जिला प्रशासन द्वारा पूर्व में अतिक्रमण हटाकर क्षेत्र को व्यवस्थित किया गया था। सड़क किनारे बनी बाउंड्री वॉल पर नैमिषारण्य के महत्व सहित विभिन्न जन-जागरूकता संबंधी स्लोगन लिखवाए गए थे, जिससे पूरे क्षेत्र का स्वरूप आकर्षक और स्वच्छ दिखाई देने लगा था। इसी सौंदर्यीकरण के तहत रेलिंग के बीच सजावटी लाइटें भी लगाई गई थीं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ये लाइटें लगभग एक माह के भीतर ही खराब हो गईं, जिसके बाद उन्हें हटवा दिया गया। अब दोबारा नए फाउंडेशन बनाकर लाइटें लगाने का कार्य शुरू कराया गया है।इस मामले को लेकर गुणवत्ता और कार्यदायी संस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि लाइटें इतनी कम अवधि में खराब हो गईं, तो निर्माण सामग्री और कार्य की गुणवत्ता की जांच कर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि संबंधित कार्य करने वाला ठेकेदार नगर पालिका परिषद सीतापुर में कथित रूप से ब्लैकलिस्टेड होने के बावजूद किसी अन्य फर्म के माध्यम से सरकारी कार्य कर रहा है। हालांकि, इस संबंध में प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि या बयान सामने नहीं आया है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए, कार्य की गुणवत्ता की तकनीकी जांच हो तथा यदि किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदार के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि सार्वजनिक धन से होने वाले विकास कार्य गुणवत्तापूर्ण और टिकाऊ हों।

अपहरण, दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

शाहजहांपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना तिलहर पुलिस ने नाबालिग किशोरी के अपहरण, उसके साथ दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट के वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। बीती 02 जून को थाना तिलहर पुलिस को तहरीर देकर एक व्यक्ति ने इसी थाना क्षेत्र के मोहल्ला नजरपुर निवासी राज पुत्र गणेश और बन्टी पुत्र बब्लू पर पुत्री का अपहरण करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप था कि उक्त दोनों उसकी 16 वर्षीय नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर ले गए और थाने पर शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दोनों अभियुक्तों के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज किया। इसके बाद नाबालिग किशोरी को बरामद किया और पीड़िता की मंडिकल रिपोर्ट, उसके बयान व शैक्षिक प्रमाण पत्रों के आधार पर दर्ज अपहरण के मुकदमें दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट आदि की धाराओं में बढ़ोत्तरी की। इस मामले में बीती 28 जून को थाना तिलहर पुलिस ने अभियुक्त राज पुत्र गणेश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जबकि बन्टी उर्फ सौरभ फरार चल रहा था। आज पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर वांछित अभियुक्त बन्टी उर्फ सौरभ को बाईपास चैराहे के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त बन्टी के खिलाफ विधिक कार्रवाई कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया। जहां से पुलिस अभिरक्षा में उसे जेल भेज दिया गया। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना तिलहर के प्रभारी निरीक्षक प्रिंस शर्मा के साथ उपनिरीक्षक देवेन्द्र कुमार, हेड कांस्टेबल जितेन्द्र कुमार आदि मौजूद रहे।

चोरी किया गया ई-रिक्शा व ई-रिक्शा की 02 बैटरी के साथ 04 गिरफ्तार

शाहजहांपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना सदर बाजार पुलिस ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए 04 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से पुलिस ने चोरी किया गया ई-रिक्शा और ई-रिक्शा की 02 बैटरी भी बरामद की हैं। शनिवार को थाना सदर बाजार पुलिस ने एक व्यक्ति की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ ई-रिक्शा चोरी किए जाने की रिपोर्ट दर्ज की। इसी क्रम में बीती रात थाना सदर बाजार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ई-रिक्शा चोरी करने वाले चार लोग फैक्ट्री स्टेट में पंचवटी शिव मंदिर के पास तिराहे पर खड़े हैं। उनके पास चोरी किया गया ई-रिक्शा और चोरी की गई दोनों बैटरी भी हैं। वो चारों लोग चोरी किया गया ई-रिक्शा बैटरी को कहीं बेचने की फिराक में है। सूचना पर तक्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची और उन चारों लोगों को गिरफ्तार किया। जिनके कब्जे से पुलिस ने चोरी किया गया ई-रिक्शा और ई-रिक्शा की 02 बैटरी भी बरामद की। पकड़े गए अभियुक्त थाना सदर बाजार क्षेत्र के गांव चिनौर के रहने वाले विशाल पुत्र बलवन्त, पुनीत सक्सेना पुत्र रामबहादुर, रोहित कुमार पुत्र महेश वर्मा और आदेश पुत्र रामसेवक हैं। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि उन लोगों ने बीती 10 जुलाई को कैन्ट में लाल बंगला के पास से ई-रिक्शा चोरी किया था। उस ई-रिक्शा की दो बैटरी 4000 रुपये में राह चलते कबाड़ी को बेच दीं थी और आपस में रुपये बांट लिये थे। आज इन दो बैटरी को भी बेचने जा रहे थे और पकड़े गए। फिलहाल, पुलिस ने विधिक कार्रवाई करते हुए चारों अभियुक्तों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गहै। अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना सदर बाजार उपनिरीक्षक भूपेन्द्र कुमार के साथ कंास्टेबल मनीष कुमार और मोनू आदि मौजूद रहे।

गन्ने के खेत में मिला युवक का अधखाया शव टाइगर के हमले की आशंका से दहशत

❐ तीन दिन से लापता था 35 वर्षीय अनिल, कपड़ों से हुई पहचान, पुलिस और वन विभाग जांच में जुटे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। हैदराबाद थाना क्षेत्र में शनिवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब ग्राम झाऊपुर के जंगल स्थित गन्ने के खेत में एक युवक का अधखाया शव बरामद हुआ। प्रारंभिक आशंका टाइगर के हमले की जताई जा रही है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है, जबकि वन विभाग और पुलिस ने ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की है।

थानाध्यक्ष सुनील मलिक के अनुसार मृतक की पहचान अनिल (35 वर्ष) पुत्र जुगलकिशोर उर्फ पंडा, निवासी तुलमेलगंज, थाना हैदराबाद के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि अनिल तीन दिन पहले बाजार जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला। शनिवार को ग्राम झाऊपुर के जंगल में स्थित गन्ने के खेत में उसका अधखाया शव मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान उसके कपड़ों के आधार पर की गई। शव की स्थिति को देखते हुए प्रारंभिक तौर पर टाइगर के हमले की आशंका जताई जा रही है, हालांकि वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुनील मलिक पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वन विभाग की टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। टाइगर की संभावित मौजूदगी को देखते हुए प्रशासन ने आसपास के गांवों के लोगों से जंगल और गन्ने के खेतों की ओर अकेले न जाने तथा विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। घटना के बाद क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है और ग्रामीण वन विभाग से जल्द प्रभावी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

जल जीवन मिशन में 'जल की बर्बादी' का खेल! लाखों की टंकी से रोज बह रहा हजारों लीटर पानी, जिम्मेदार बने मूकदर्शक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ शिकायतों के बावजूद नहीं हुई मरम्मत, ग्रामीणों में आक्रोश, सरकारी धन और पेयजल दोनों हो रहे बर्बाद

बेहजम खीरी। केंद्र और प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना को बेहजम ब्लॉक के ग्राम पैला में जिम्मेदार अधिकारी ही पलीता लगाते नजर आ रहे हैं। गांव में करोड़ों रुपये की लागत से स्थापित पानी की टंकी से लगातार पानी का रिसाव हो रहा है, जिसके चलते प्रतिदिन हजारों लीटर शुद्ध पेयजल बेकार बह रहा है। हैरानी की बात यह है कि ग्रामीणों की बार-बार शिकायतों के बावजूद संबंधित विभाग अब तक गहरी नींद में सोया हुआ है।

ग्रामीणों का कहना है कि पानी की टंकी से कई दिनों से लगातार रिसाव हो रहा है। टंकी से बहता पानी आसपास जलभराव की स्थिति पैदा कर रहा है, वहीं दूसरी ओर सरकारी धन और बहुमूल्य जल संसाधन दोनों की खुली बर्बादी हो रही है। इसके बावजूद विभागीय अधिकारी मौके पर पहुंचकर समस्या का स्थायी समाधान कराने के बजाय केवल औपचारिकता निभा रहे हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य हर घर तक सुरक्षित पेयजल पहुंचाना है, लेकिन ग्राम पैला में योजना की बदहाली खुद इसकी हकीकत बयां कर रही है। यदि समय रहते टंकी की मरम्मत नहीं कराई गई तो रिसाव और बढ़ सकता है, जिससे टंकी की संरचना को भी नुकसान पहुंचने की आशंका है। गांव के लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि पानी की टंकी की तत्काल मरम्मत कराई जाए, जल की बर्बादी पर रोक लगाई जाए तथा लापरवाही बरतने वाले संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्था की जिम्मेदारी तय कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि जब सरकार हर बूंद पानी बचाने का संदेश दे रही है, तब सरकारी योजनाओं में ही हजारों लीटर पानी रोजाना यूं ही बहना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। अब देखना यह होगा कि जिम्मेदार अधिकारी इस मामले में कब तक चुप्पी साधे रहते हैं या फिर समस्या का समाधान कर ग्रामीणों को राहत दिलाते हैं।

विद्यालय परिसर में लगे खेल ओपन जिम से संदिग्ध अवस्था में लटका मिला अधेड़ का शव, पुलिस जांच में जुटी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बल्दीराय/सुलतानपुर। बल्दीराय थाना क्षेत्र की वलीपुर पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम सभा दौनौ स्थित प्राथमिक विद्यालय पूरे जमादार में शनिवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब विद्यालय परिसर में लगे ओपन जिम (खेल उपकरण) से एक अधेड़ का शव संदिग्ध अवस्था में लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई।

मृतक की पहचान महेश कुमार तिवारी (59 वर्ष) पुत्र हौसिला प्रसाद तिवारी, निवासी पूरे भोला तिवारी के रूप में हुई। ग्रामीणो ने घटना की जानकारी तत्काल डायल 112 पुलिस को दी। सूचना पर थाना बल्दीराय पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। थाना बल्दीराय के उपनिरीक्षक रामविलास यादव ने डायल 112 पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर आवश्यक विधिक कार्रवाई की। वहीं फॉरेंसिक टीम ने भी मौके का बारीकी से निरीक्षण किया और मृतक के कुछ कपड़ों तथा एक मफलर को साक्ष्य के रूप में कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस ने पंचनामा भरने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। फिलहाल सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच की जा रही है। इस घटना से पूरे क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय परिसर में इस तरह शव मिलने से लोग स्तब्ध हैं। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जाएगा।

धान की रोपाई के लिए जा रही ट्रैक्टर ट्राली लेबर सहित पलटी एक दर्जन से अधिक हुए घायल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बिसौली/बदायूँ। तहसील क्षेत्र के वजीरगंज विकासखंड अंतर्गत ग्राम मुड़िया सतासी (मुड़िया-87) में शनिवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। धान की रोपाई के लिए मजदूरों और बच्चों को लेकर जा रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गई। हादसे में ट्रॉली में सवार एक दर्जन से अधिक बच्चे और मजदूर घायल हो गए, जबकि कई बच्चे ट्रॉली के नीचे दब गए। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रैक्टर-ट्रॉली पर 10 से 15 मजदूरों के साथ कई बच्चे भी सवार थे। तेज रफ्तार के दौरान चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा, जिससे ट्रॉली सड़क किनारे खाई में पलट गई। हादसे के तुरंत बाद आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीण दौड़कर मौके पर पहुंचे और ट्रॉली के नीचे दबे बच्चों व मजदूरों को बाहर निकालने के लिए राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार हादसे में घायल हुए कुछ बच्चों की हालत गंभीर बनी हुई है।

दो बच्चों को गंभीर अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसौली में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और तहसील प्रशासन की टीम भी मौके पर पहुंच गई। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर हादसे का कारण ट्रैक्टर-ट्रॉली के अनियंत्रित होकर खाई में पलटना बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि खेती के मौसम में मजदूरों के साथ बच्चों को ट्रैक्टर-ट्रॉली में बैठाकर ले जाने की घटनाएं लगातार सामने आती रहती हैं। इस हादसे ने एक बार फिर ऐसे वाहनों में क्षमता से अधिक सवारी और सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कादीपुर बार एसोसिएशन अध्यक्ष पद हेतु एडवोकेट अशोक पांडेय ने किया नामांकन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कादीपुर/सुलतानपुर। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट अशोक पांडेय ने आज अपने समर्थकों, वरिष्ठ एवं जूनियर अधिवक्ताओं के साथ उत्साहपूर्ण माहौल में नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान बड़ी संख्या में अधिवक्ता एवं शुभचिंतक उनके साथ नामांकन स्थल पर मौजूद रहे।

बताते चलें कि कादीपुर बार एसोसिएशन का चुनाव आगामी 25 जुलाई को कादीपुर तहसील परिसर में संपन्न होगा। नामांकन के अवसर पर एडवोकेट अशोक पांडेय ने सभी अधिवक्ता साथियों का आभार व्यक्त करते हुए उनका सहयोग एवं आशीर्वाद बनाए रखने की अपील की।

घर के अंदर पंखे से लटका मिला युवक का शव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बंधुआ कला थाना क्षेत्र के गोठवा मनियारी गांव की घटना

कुड़वार सुल्तानपुर।घर के अंदर कमरे में पंखे से साड़ी के सहारे युवक का शव लटका मिला।सूचना पर फील्ड यूनिट के साथ सीओ सिटी के निरीक्षण के बाद पुलिस ने विधिक कार्यवाही शुरू की। मामला बंधुआ कला थाना क्षेत्र के गोठवा मनियारी अलीगंज से जुड़ा हुआ है।जहां गांव निवासी अजय कुमार कोरी(27)पुत्र शिव कुमार कोरी का शव कमरे के अंदर पंखे में साड़ी के सहारे लटका मिला।सुबह जगे परिजनों को घटना की जानकारी हुई तो घर में कोहराम मच गया।सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने उच्च अधिकारियों सहित फील्ड यूनिट को सूचना दी।मौके पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से नमूने एकत्रित किए।साथ ही सीओ सिटी राघवेंद्र सिंह ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया।मृतक युवक की डेढ़ साल पहले कमालपुर गांव निवासी तारा देवी के साथ शादी हुई थी।घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।मृतक की मां आशा देवी सहित परिजनो का रो रो कर बुरा हाल है।मृतक दो भाई थे।मृतक यही मेहनत मजदूरी करता था जबकि छोटा भाई मुंबई में रहता है।पुलिस ने शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।थानाध्यक्ष बंधुआ कला प्रमोद पटेल ने बताया कि शव को मर्चरी भेज दिया गया है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जाएगी।

बदायूं में प्रशासनिक सर्जरी! डीएम अवनीश राय ने बदले कई एसडीएम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

तहसीलों में नई तैनाती से मचा हलचल

बदायूँ। जनपद में प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अवनीश कुमार राय ने उपजिला धिकारियों (एसडीएम) के कार्य क्षेत्र में बड़ा फ़ेरबदल किया है। शासन से हाल ही में स्थानांतरित होकर आए अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपते हुए कई तहसीलों में नई तैनाती और अतिरिक्त प्रभार दिए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार साईं आश्रित शाखमुरी को ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी बिसौली से स्थानांतरित कर बदायूं सदर में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिला धिकारी बनाया गया है। वहीं प्रियंका कुमारी को उपजिला धिकारी बिसौली की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा सुरेंद्र कुमार-1 को उपजिलाधिकारी (न्यायिक) बिसौली के साथ बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी, बदायूं का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। कुमार चंद्र बाबू को उपजिलाधिकारी (न्यायिक) बदायूं के साथ जिला राजस्व अधिकारी (डीआरओ) एवं परियोजना अधिकारी (डूडा) का अतिरिक्त दायित्व सौंपा गया है।इसी क्रम में गौरव आर्या को उपजिलाधिकारी सहसवान के साथ उपजिलाधिकारी (न्यायिक) सहसवान का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। राजेश कुमार सिंह को उपजिलाधिकारी बिसौली के साथ उपजिलाधिकारी (न्यायिक) बिसौली तथा विनोद कुमार सिंह को उपजिलाधिकारी दातागंज के साथ उपजिलाधिकारी (न्यायिक) दातागंज का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। डीएम के इस प्रशासनिक फ़ेरबदल को जनहित में प्रशासनिक कार्यों को गति देने और राजस्व एवं कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों के त्वरित निस्तारण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नई तैनाती के बाद संबंधित अधिकारियों ने अपने-अपने कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

विश्व प्रसिद्ध पर्यावरण एवं शिक्षाविद सोनम वांगचुक को समाजवादी पार्टी का समर्थन जंतर मंतर पर बैठे छात्रों के लिए उठाई आवास

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बिसौली/बदायूँ। प्रसिद्ध शिक्षाविद्, पर्यावरणविद् एवं शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक के समर्थन में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने शनिवार को प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन नायबतहसीलदार अभंगराज को सौंपा। एसडीएम की अनुपस्थिति में दिए गए ज्ञापन में सोनम वांगचुक की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा छात्रों और नौजवानों की मांगों पर केंद्र सरकार से तत्काल सकारात्मक कार्रवाई की मांग की गई। पूर्व प्रदेश कोऑर्डिनेटर एवं पूर्व सदस्य सतीश प्रेमी के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि सोनम वांगचुक शिक्षा व्यवस्था में सुधार और जनहित के मुद्दों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। उनके जीवन को लेकर जताई जा रही चिंताओं पर गंभीरता से विचार करते हुए सरकार को तत्काल प्रभावी कदम उठाने चाहिए। सपा कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति से मामले का संज्ञान लेकर सरकार को आवश्यक निर्देश जारी करने की मांग की। उनका कहना था कि लोकतंत्र में छात्रों और युवाओं की आवाज को दबाने के बजाय उनकी समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए। शिक्षा और युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर सरकार को संवेदनशीलता के साथ निर्णय लेना चाहिए। कार्य कर्ताओं ने कहा कि जनहित के मुद्दों पर आंदोलन कर रहे लोगों की आवाज लोकतंत्र की ताकत है और उसे सुना जाना चाहिए। उन्होंने सोनम वांगचुक के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित कराने तथा छात्रों और नौजवानों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की। इस दौरान सचिन यादव, ओमेंद्र, जोगेंद्र, विकास यादव, सुबोध यादव, पाले अली, गोविंद यादव, गौरव कुमार, वीरेश यादव सहित समाजवादी पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कादरचौक में खून की होली! बहन-भांजे की मौत, पुलिस के निशाने पर फरार वीरसिंह

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना कादरचौक क्षेत्र के ग्राम बखतपुर में हुए सनसनीखेज गोलीकांड ने अब दोहरे हत्याकांड का रूप ले लिया है। आरोपी वीरसिंह द्वारा चलाई गई गोलियों से पहले भांजे की मौत हुई थी, जबकि गंभीर रूप से घायल उसकी बहन ने भी इलाज के दौरान सैफई मेडिकल कॉलेज में दम तोड़ दिया। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।जानकारी के अनुसार, गोलीकांड में भांजे की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि बहन को गंभीर हालत में पहले मेडिकल कॉलेज भेजा गया और बाद में बेहतर उपचार के लिए सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया, जिससे मामला अब डबल मर्डर में बदल गया है।वारदात के बाद से आरोपी वीरसिंह फरार है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर ताबड़तोड़ दबिश दे रही है। कई टीमें आरोपी की तलाश में जुटी हैं, लेकिन समाचार लिखे जाने तक वह पुलिस की पकड़ से बाहर है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर कानून के कठघरे में खड़ा किया जाएगा। वहीं, दोहरे हत्याकांड के बाद गांव में तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए पुलिस सतर्क है और क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम का सख्त संदेश: लापरवाही और अनावश्यक विलंब बिल्कुल बर्दाश्त नहीं, 46 शिकायतों में 4 का मौके पर निस्तारण

बदायूं कैनविज टाइम्स संवाददाता। तहसील बिल्सी में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी अवनीश राय ने अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि जन शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही और अनावश्यक विलंब किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए सभी विभागों को समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक फरियादी को न्याय दिलाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम है, इसलिए सभी अधिकारी शिकायतों का स्थलीय सत्यापन कर निर्धारित समयसीमा में कार्रवाई पूरी करें और अनुपालन रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। समाधान दिवस के दौरान कुल 46 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 4 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। प्राप्त शिकायतों में 24 राजस्व, 12 पुलिस और 10 अन्य विभागों से संबंधित थीं। भूमि पैमाइश, चकरोड से अवैध कब्जा हटाने और अन्य राजस्व विवादों से जुड़े मामलों पर जिलाधिकारी ने राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम बनाकर निष्पक्ष जांच और आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी, उपजिलाधिकारी बिल्सी, तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विद्युत उपकेन्द्र का घेराव करने पर किसान नेत्री के साथ चालीस लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। विद्युत उपकेन्द्र गौरीगंज का घेराव करने के मामले ने तूल पकड़ लिया है।अवर अभियंता ने रीता सिंह जनकल्याण समिति की अध्यक्ष समेत चालीस अज्ञात लोगों के खिलाफ विद्युत उपकेन्द्र में घुसकर कर्मचारियों से मारपीट का आरोप लगाते हुये तहरीर सौंपी है। पुलिस ने अभियोग दर्जकर मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। रीता सिंह जनकल्याण समिति की अध्यक्ष किसान नेत्री रीता सिंह ने विद्युत उपकेन्द्र गौरीगंज का घेराव कर उपभोक्ताओं को बिजली कटौती से निजात दिलाने की मांग की गई थी। विद्युत उपकेन्द्र गौरीगंज के अवर अभियंता पवन कुमार यादव समेत अन्य कई विद्युत कर्मियों ने पुलिस को सौंपी गई तहरीर में लिखा है कि बीती सोलह जुलाई को नौ बजकर पचास मिनट पर रीता सिंह अपने पुत्र नंदन सिंह निवासिनी पाण्डेपुर तीस चालीस अज्ञात महिला पुरुषों को लेकर उपकेन्द्र पर लाठी डन्डो के साथ आ गयी ये सभी उपकेन्द्र के कन्ट्रोल रूम में जबरन घुसकर वहां कार्य कर रहे तकनीशियन शेखर सुमन को हस्ताक्षर अपठनीय सभी आपूर्ति बंद करने के लिये दबाव बनाने लगे अन्य कर्मचारियो एवं शेखर सुमन के मना करने पर इन लोगो ने शेखर सुमन को डन्डे से मारा तथा अन्य कर्मचारियों को जान से मारने की धमकी देकर सभी ग्यारह अदद पोषक बंद करा दिये गये जिस कारण से विद्युत उपकेन्द्र गौरीगंज,तहसील, जिला मुख्यालय, जिलाधिकारी आवास, पुलिस अधीक्षक आवास, जिलाधिकारी कार्यालय, मलिक मोहम्मद जायसी जिला चिकित्सालय गौरीगंज, अमेठी तहसील व अमेठी शहर की विद्युत आपूर्ति, संजय गांधी अस्पताल मुंशीगंज, राजेश मसाला इण्डस्ट्रीज, भेटुआ एवं उसके आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों की आपूर्ति बाधित हो गई।

दूधेश्वरनाथ महादेव मठ मंदिर में सीएम योगी ने किया जलाभिषेक

गाजियाबाद । जनपद गाजियाबाद के भ्रमण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को ऐतिहासिक एवं पौराणिक महत्व के श्री दूधेश्वरनाथ महादेव मठ मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का विधि-विधानपूर्वक जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक एवं विशेष पूजन-अर्चन किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, आरोग्य एवं लोककल्याण की कामना करते हुए भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना की। उल्लेखनीय है कि श्री दूधेश्वरनाथ महादेव मठ मंदिर गाजियाबाद का एक प्राचीन एवं ऐतिहासिक शिवधाम है, जो सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक साधना एवं वैदिक परंपरा का प्रमुख केंद्र माना जाता है। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में स्थित शिवलिंगों पर भी पुष्प अर्पित किए और नंदी महाराज के दर्शन कर श्रद्धापूर्वक पुष्प अर्पित किए तथा मठ परिसर में विराजमान संत-महात्माओं का कुशलक्षेम पूछा। इस अवसर पर मंदिर के पीठाधीश्वर, संत समाज एवं श्रद्धालुजन उपस्थित रहे। वैदिक मंत्रोच्चार एवं शिव स्तुति के मध्य संपन्न हुए पूजन कार्यक्रम ने पूरे वातावरण को भक्तिमय एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत कर दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर परिसर में वेदाध्ययन कर रहे वेदपाठी बटुकों एवं संस्कृत शिक्षार्थियों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा, वैदिक संस्कृति एवं संस्कृत भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन को राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण आधार बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्कृत केवल भाषा नहीं, बल्कि भारत की सनातन ज्ञानधारा की वाहिका है, जिसके माध्यम से हमारी सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक विरासत पीढ़ी-दर-पीढ़ी संरक्षित होती आई है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मठ एवं मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा उपस्थित श्रद्धालुओं का अभिवादन स्वीकार किया।

मंदिर आगमन पर वेदपाठी बटुकों द्वारा वैदिक स्वस्तिवाचन एवं पुष्पवर्षा के साथ उनका स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने संत समाज के साथ प्रदेश में शांति, सद्भाव,

सरकारी तालाब, चरागाह और खलिहान भूमाफियाओं के कब्जे में

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नए एसडीएम-तहसीलदार के सामने सबसे बड़ी चुनौती

कमजोरों को न्याय के लिए चबाने पड़ते हैं लोहे के चने, राजस्व व्यवस्था पर उठ रहे गंभीर सवाल

बल्दीराय/सुल्तानपुर। बल्दीराय तहसील में सरकारी आरक्षित भूमि, तालाब, झील, चरागाह और खलिहानों को भूमाफियाओं के कब्जे से मुक्त कराना नए उपजिलाधिकारी प्रभात सिंह और नवागत तहसीलदार के सामने सबसे बड़ी प्रशासनिक चुनौती बनकर उभरा है। एक ओर सरकार और न्यायालय सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए लगातार निर्देश जारी कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर तहसील क्षेत्र में वर्षों से चले आ रहे अवैध कब्जे प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं।

राजस्व अभिलेखों में दर्ज जलस्रोत, जमीन पर बदल गई तस्वीर जानकारों के अनुसार (1359 फसली) वर्ष 1952 के राजस्व अभिलेखों में बल्दीराय तहसील में 1978 तालाब, झील और अन्य जलस्रोत दर्ज हैं। आरोप है कि इनमें से बड़ी संख्या में जलाशयों के रकबे पर कब्जा कर उनकी प्रकृति(नवैयत) ही बदल दी गई। कहीं खेती हो रही है तो कहीं पक्के निर्माण तक हो गए हैं। यही स्थिति कई चरागाहों और सार्वजनिक खलिहानों की भी बताई जा रही है।

शिकायतों पर कागजी जांच, कार्रवाई की जगह मिल जाता है संरक्षण स्थानीय लोगों का आरोप है कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत होने पर मौके पर प्रभावी कार्रवाई के बजाय भ्रष्टकर्मियों द्वारा कागजी जांच कर औपचारिक फर्जी व भ्रामक रिपोर्ट भेज दी जाती है। जिससे उच्च अधिकारियों तक वास्तविक स्थिति नहीं पहुंच पाती और कथित कब्जेदारों को अप्रत्यक्ष संरक्षण मिल जाता है। सरकारी भूमि की सुरक्षा की पहली जिम्मेदारी राजस्व अमले, विशेषकर लेखपाल और कानूनगो पर होती है, लेकिन शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई न होने से लोगों में असंतोष बढ़ रहा है।

न्याय की राह कठिन, नए अधिकारियों से बढ़ीं उम्मीदें तहसील क्षेत्र में आम और कमजोर वर्ग के लोगों का कहना है कि उन्हें न्याय पाने के लिए ष्लोहे के चने चबानेष जैसी कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में नवागत उपजिलाधिकारी और तहसीलदार से लोगों की अपेक्षा है कि वे राजस्व अभिलेखों का सत्यापन कराकर तालाब, झील, चरागाह और खलिहानों पर हुए अवैध कब्जों के विरुद्ध निष्पक्ष एवं प्रभावी अभियान चलाएं। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या बल्दीराय तहसील में सरकारी भूमि पर वर्षों से जमे अतिक्रमणकारियों पर प्रशासनिक कार्रवाई होगी, या फिर सरकारी आदेश और न्यायालय के निर्देश कागजों तक ही सीमित रह जाएंगे। आने वाले समय में नए प्रशासनिक नेतृत्व की कार्यशैली ही इस प्रश्न का उत्तर तय करेगी।

पुरानी रंजिश का खूनी अंत : बेटे के सामने बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या

कैनविज टाइम्स संवाददाता

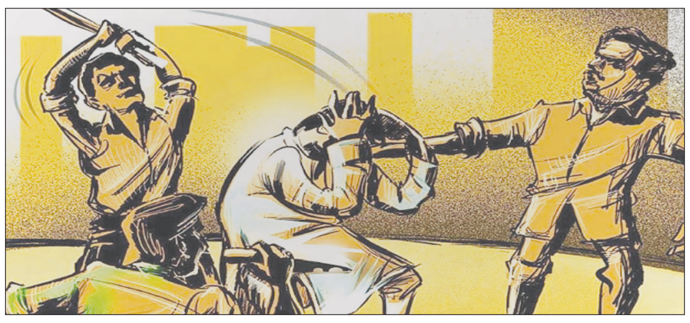

गोंडा । पंडरी कृपाल क्षेत्र की कोतवाली देहात के मुंडेरवा कला गांव में पुरानी रंजिश ने खूनी रूप ले लिया।शुक्रवार शाम करीब साढ़े 6 बजे कुछ लोगों ने एक बुजुर्ग और उनके बेटे पर लाठी-डंडों व धार दार हथियारों से हमला कर दिया।गंभीर रूप से घा यल बुजुर्ग की शनिवार सुबह लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हो गई,जबकि उनका बेटा अस्पता ल में उपचाराधीन है।घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है।जानकारी के अनुसार, मुंडेरवा कला निवासी सिद्धनाथ और उनके पुत्र दुर्गेश पर गांव के कुछ लोगों ने कथित रूप से एकजुट होकर हम ला बोल दिया।आरोप है कि हमलावरों ने लाठी-डं डों के साथ धारदार हथियार बांके से भी वार किए हमले में सिद्धनाथ गंभीर रूप से घायल होकर मौ के पर ही बेहोश हो गए, जबकि दुर्गेश भी घायल हो गए।घटना की सूचना पर डायल -112 पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची।दोनों घायलों को जि ला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया,जहां चि कित्सकों ने सिद्धनाथ की नाजुक हालत देखते हुए उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया।शनिवार सुबह करी ब नौ बजे इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।मृत क के पुत्र दुर्गेश ने आरोप लगाया है कि गांव के बऊरे,मोहित,विजय कुमार, गुरुदयाल, रोहित कुमार, कृष्ण कुमार समेत अन्य लोगों और उनके घर की महिलाओं ने मिलकर हमला किया। उनका आरोप है कि हमलावरों ने उनके पिता के चेहरे पर धारदा र हथियार से वार किया,जिससे उनकी हालत अ त्यंत गंभीर हो गई।कोतवाली देहात के प्रभारी नि रीक्षक शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर भेजी गई। तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।मामले में कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।पुलिस पूरे प्रकरण की गहन जांच कर रही है।

हत्या के बाद गांव में बढ़ी पुलिस की चौकसी

बुजुर्ग की मौत की सूचना मिलते ही गांव में तनाव का माहौल बन गया।किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस ने इलाके में सतर्कता बढ़ा दी है।अधिकारियों का कहना है कि दोषियों के खि लाफ साक्ष्यों के आधार पर कड़ी कार्रवाई की जा एगी।

डीआईजी ने की जनसुनवाई थाना प्रभारियों को निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । देवीपाटन मंडल परिक्षेत्र कार्यालय में शनि वार को आयोजित जनता दरबार में पुलिस उपम हानिरीक्षक (डीआईजी) अशोक कुमार शुक्ला ने मंडल के विभिन्न जिलों से पहुंचे फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनता दरबार में भू-विवाद,मारपीट, साइबर ठगी, घरेलू विवाद, लापता व्यक्तियों और थाना स्तर पर लंबित मामलों से जु ड़ी बड़ी संख्या में शिकायतें पहुंचीं। डीआईजी ने प्रत्येक प्रकरण की स्वयं समीक्षा करते हुए संबंधि त थाना प्रभारियों और शाखा अधिकारियों को त्वरित, निष्पक्ष एवं समयबद्ध कार्रवाई के सख्त निर्देश दिए।जनसुनवाई के दौरान जिन मामलों में तत्काल कार्रवाई संभव थी, उनमें मौके पर ही आदेश जारी किए गए, जबकि अन्य मामलों में विस्तृत जांच कर शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। डीआईजी ने स्पष्ट कहा कि जनता को समय पर न्याय दिलाना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।जनता दरबार में कई फरियादियों ने बताया कि उनकी शिकायतों पर थाना स्तर पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो रही थी।

इस पर डीआईजी ने संबंधित अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि प्रत्येक शिकायत का गंभीरता से निस्तारण किया जाए तथा कार्र वाई की जानकारी पीड़ित पक्ष को भी अनिवार्य रूप से दी जाए।उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि थानों में आने वाले फरियादियों के साथ संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार किया जाए।कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ आमजन को त्वरित न्याय दिलाना पुलिस की जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी स्तर की लापर वाही पर जवाबदेही तय की जाएगी।जनता दरबार के बाद फरियादियों ने इस पहल की सराहना कर ते हुए उम्मीद जताई कि वरिष्ठ अधिकारियों की सीधी निगरानी से शिकायतों का तेजी से समाधान होगा और पुलिस-प्रशासन के प्रति आमजन का विश्वास और मजबूत होगा।

फरियादिओ को मिलेगा इंसाफ' –संपूर्ण समाधान दिवस में एसपी–सीडीओ का सख्त संदेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर शनिवार को तरबगंज तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दि वस में पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल और मुख्य विकास अधिकारी दयानंद प्रसाद ने आमज न की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद,राजस्व,पुलिस तथा अन्य विभा गों से जुड़ी शिकायतों पर अधिकारियों ने संबंधित विभागों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए,एसपी और सीडीओ ने स्पष्ट कहा कि शिकायतों के नि स्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त न हीं की जाएगी।उन्होंने राजस्व व पुलिस अधिकारि यों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण में मौके पर पहुंचकर निष्पक्ष जांच करें और शासन की मं शा के अनुरूप समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं शत-प्र तिशत निस्तारण सुनिश्चित करें।अधिकारियों ने मौ जूद विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों को उत्तर प्रदेश शासन के दिशा-निर्देशों से अवगत क राते हुए कहा कि हर प्रार्थना-पत्र की निर्धारित सम य सीमा में जांच पूरी कर प्रभावी कार्रवाई की जा ए ताकि फरियादियों को अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।संपूर्ण समाधान दिवस में पुलिस,राजस्व एवं अन्य विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।जनसुनवाई के दौरान आए प्रार्थना-पत्रों के त्वरित निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया।

कोडीन सिरप समेत भारी मात्रा में नशीली दवाएं बरामद, 6 जिलों के ड्रग इंस्पेक्टर जांच में जुटे

नशे के काले कारोबार पर महाप्रहार, अमन फार्मास्यूटिकल पर तीसरे दिन भी छापे मारी

कंपनी मालिक फरार;शासन को भेजी जा रही हर पल की रिपोर्ट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जनपद में नशीली दवाओं के अवैध कारोबार के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई जा री है।प्रमुख सचिव डॉ. रोशन जैकब के निर्देश पर बरियारपुरवा भट्ठा स्थित अमन फार्मास्यूटिकल पर शनिवार को लगातार तीसरे दिन भी खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की छापेमारी जारी रही।कार्रवाई के दौरान कोडीन सिरप समेत भारी मात्रा में नशीली दवाएं बरामद होने की जानकारी सामने आई है।बरामद दवाओं की सैंपलिंग, सूची करण और कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया लगातार चल रही है।शुरुआत में तीन जिलों के ड्रग इंस्पेक्ट र जांच में लगाए गए थे,लेकिन मामले की गंभीरता और बड़े पैमाने पर संदिग्ध कारोबार के संकेत मि लने के बाद जांच टीम का विस्तार कर छह जिलों के ड्रग इंस्पेक्टरों को तैनात किया गया।कार्रवाई का नेतृत्व गोण्डा के ड्रग इंस्पेक्टर सुमित वर्मा, बा राबंकी की रजिया बानो और अयोध्या के आलोक द्विवेदी कर रहे हैं।जांच के दौरान कंपनी का पंजी कृत पता एक किराना स्टोर मिलने से अधिकारियों को बड़े फर्जीवाड़े की आशंका हुई।इसके बाद पु लिस ने कंपनी संचालक अमन के भाई को हिरा सत में लेकर पूछताछ की, जिसमें दो गोदामों का पता चला।इन गोदामों में 36 घंटे से अधिक समय तक चली तलाशी में भारी मात्रा में दवाएं मिलीं।पू छताछ आगे बढ़ने पर दो और गोदामों की जान कारी मिली,जहां भी छापेमारी जारी है। सूत्रों के अनुसार,छापेमारी के दौरान कोडीन युक्त सिरप सहित बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित एवं संदिग्ध दवाएं बरामद हुई हैं।सभी दवाओं की सैंपलिंग कर उन्हें जांच के लिए भेजा जा रहा है।बरामद सामग्री का रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है और पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है।इस बीच कंपनी का मा लिक अमन फरार बताया जा रहा है।उसकी तला श में विभाग और पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि पूरे अभि यान की रिपोर्ट सीधे प्रमुख सचिव डॉ.रोशन जैकब को भेजी जा रही है।शासन के निर्देश पर चल रही यह कार्रवाई नशीली दवाओं के अवैध कारोबार की जड़ों तक पहुंचने और दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जा रही है।सूत्रों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद इस मामले में कई बड़े खुलासे होने की संभावना है और अवैध दवा कारोबार से जुड़े अन्य लोगों पर भी कार्रवाई का दायरा बढ़ सकता है।

मत्स्य पालकों से आमत्रित किये गये आनलाइन आवेदन

बहराइच । प्रभारी सहायक निदेशक मत्स्य बाबू राम ने बताया कि मत्स्य पालकों के उत्थान हेतु विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं हेतु इच्छुक पात्र व्यक्ति 31 जुलाई 2026 तक विभागीय पोर्टल फिशरीज़ डाट यूपी डाट जीओवी डाट इन पर आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रभारी सहायक निदेशक मत्स्य ने जनपद के मत्स्य पालकों को सुझाव दिया है कि विभागीय पोर्टल पर आनलाइन आवेदन कर विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, सघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम की स्थापना, उत्तर प्रदेश मत्स्य पालक कल्याण कोष अन्तर्गत मोपेड विद आइसबॉक्स व माता सुकेता महिला मत्स्य पालक सशक्तिकरण परियोजनान्तर्गत श्रेणी– 1, 2 व 3 के जलाशय में केज स्थापना, उत्तर प्रदेश में मोती संवर्धन योजना, विशिष्ट प्रजाति की मत्स्य हैचरी स्थापना योजना का अधिकाधिक लाभ प्राप्त करें।

मां विंध्यवासिनी के दरबार में पहुंचीं दिल्ली की मुख्यमंत्री, गर्भगृह में पति को पहनाई फूलों की माला

मीरजापुर । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को शक्तिपीठ मां विंध्यवासिनी धाम पहुंचकर विधि–विधान से दर्शन–पूजन किया और देश–प्रदेश की सुख–समृद्धि की कामना की। दर्शन के दौरान गर्भगृह में उन्होंने अपने पति मनीष गुप्ता को फूलों की माला पहनाई। यह दृश्य वहां मौजूद श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया और देखते ही देखते चर्चा का विषय बन गया। दोपहर करीब 1:40 बजे मुख्यमंत्री त्रिशक्ति मार्ग से मंदिर के द्वार संख्या–1 पर पहुंचीं, जहां नगर विधायक रत्नाकर मिश्रा ने अंगवस्त्र भेंट कर उनका स्वागत किया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला कार्यकर्ताओं ने पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया। कुछ देर विश्राम के बाद मुख्यमंत्री अपने पति के साथ पूजन सामग्री लेकर गर्भगृह पहुंचीं और मां विंध्यवासिनी का चरण पूजन कर विधिवत आराधना की। पूजन के बाद मुख्यमंत्री ने गर्भगृह में पति मनीष गुप्ता को फूलों की माला पहनाई और मां का आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने विंध्य कॉरिडोर का अवलोकन किया। मंदिर से बाहर निकलकर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि मां विंध्यवासिनी के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने मां से प्रार्थना की कि देश और प्रदेश की जनता सदैव सुखी, समृद्ध और सुरक्षित रहे। करीब 40 मिनट तक मंदिर परिसर में रहने के बाद मुख्यमंत्री अपने अगले गंतव्य के लिए रवाना हो गईं। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के बीच श्रद्धालुओं की भीड़ अधिक होने से कुछ समय के लिए धक्का–मुक्की की स्थिति भी बनी रही।

सरकारी सील को दी चुनौती,ताला तोड़ फिर चला अल्ट्रासाउंड सेंटर, सीएमओ ने दूसरी बार किया सीज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

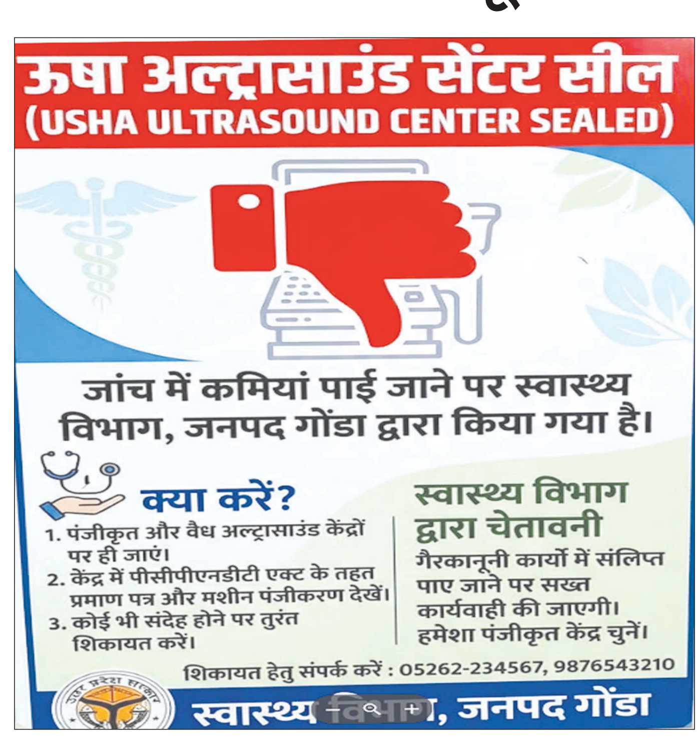

गोंडा । ब्लॉक मुख्यालय के सामने बिना पंजीकरण संचालित हो रहे ऊषा अल्ट्रासाउंड सेंटर पर स्वा स्थ्य विभाग ने शनिवार को दूसरी बार बड़ी कार्रवा ई करते हुए उसे सील कर दिया। हैरानी की बात यह है कि करीब डेढ़ वर्ष पहले भी इसी सेंटर को सील किया गया था, लेकिन आरोपितों ने कथित तौर पर सील तोड़कर दोबारा संचालन शुरू कर दिया था।शनिवार दोपहर करीब बारह बजे मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.संतलाल पटेल और एसीएम ओ डॉ.आदित्य वर्मा के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने औचक छापा मारा।टीम के पहुंचते ही संचालक शिवम मिश्रा समेत पूरा स्टाफ मौके से फरार हो गया।इसके बाद तरबगंज पुलिस को बु लाया गया और पुलिस की मौजूदगी में सेंटर पर ताला लगाकर दोबारा सीज कर दिया गया।एसी एमओ डॉ.आदित्य वर्मा ने बताया कि इसी अल्ट्रा साउंड सेंटर को करीब डेढ़ वर्ष पूर्व तहसील प्रशा सन और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त कार्रवाई में बिना पंजीकरण संचालित पाए जाने पर सील किया गया था।उस समय संबंधित प्रकरण में परि वाद भी दाखिल किया गया था। इसके बावजूद सील तोड़कर दोबारा सेंटर का संचालन शुरू कर दिया गया, जो गंभीर कानूनी उल्लंघन है।उन्होंने बताया कि पूरे प्रकरण की विस्तृत रिपोर्ट तैयार क र उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी।उनकी अनुम ति और विधिक राय के आधार पर संचालकों के विरुद्ध और भी कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग की दूसरी बड़ी कार्रवाई के बाद क्षेत्र में पूरे दिन चर्चाओं का दौर चलता रहा। बिना पंजीकरण संचालित चिकित्सा संस्थानों पर विभा ग की सख्ती को लेकर बाजार में भी हलचल रही।

औरैया : हाईवे किनारे खंडहर में मिला अज्ञात शव, हत्या की आशंका

औरैया । उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अजीतमल कोतवाली क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे शनिवार को एक जर्जर होटल के खंडहर में अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव कई दिन पुराना होने के कारण सड़ चुका था और उसमें कीड़े पड़ गए थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मौत के कारणों की जांच में जुटी है। जानकारी के मुताबिक, शनिवार को दोपहर बाद बकरी चराने गए ग्रामीणों ने हाईवे किनारे पूर्व विधायक मदन सिंह गौतम के बंद पड़े होटल के खंडहर में, लोहे की बैरिकेडिंग से कुछ दूरी पर शव पड़ा देखा। इस जानकारी के मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। मौके पर कोतवाल रमेश सिंह पुलिस बल के साथ पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस के अनुसार, मृतक की उम्र करीब 35 से 40 वर्ष प्रतीत हो रही है। उसने मेहरून रंग की शर्ट और नीले रंग का लोअर पहन रखा था। गले में तौलिया था, जबकि पैरों में जूते-चप्पल नहीं थे। शव का आधा चेहरा क्षतिग्रस्त था और बाएं हाथ में ब्रेसलेट पहना हुआ था। लोअर की जेब से कुछ सामान भी मिला है, जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया है।

चालान करो या गाड़ी बंद करो, फिर भी बेखौफ डग्गामार वाहन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गुरुनानक चौक पर दो माह में 80 टैक्सियां सीज, चार लाख का ई–चालान....फिर भी ट्रैफिक पुलिस के लाचारी से सड़क भरी जा रही सवारिया

गोंडा । डग्गामार वाहनों के खिलाफ गुरु नानक पुलिस चौकी प्रभारी व टीम की लगातार कार्रवाई के बावजूद अवैध संचालन थमने का नाम नहीं ले रहा है।चालान,सीजर और जुर्माने जैसी सख्त कार्र वाई के बाद भी वाहन मालिक गाड़ियां छुड़ाकर दो बारा सड़क पर उतार रहे हैं।नतीजा यह है कि नि यमों की धज्जियां उड़ाते हुए डग्गामार वाहन खुले आम सवारियां भर रहे हैं और वैध परिवहन व्यव स्था को चुनौती दे रहे हैं।गुरुनानक चौक से डिग्री कॉलेज चौराहे तक यही तस्वीर देखने को मिल रही है।गुरु नानक चौकी प्रभारी के अनुसार पिछले दो माह में यहां करीब अस्सी डग्गामार टैक्सी वाह नों को सीज किया गया है,जबकि उनके विरुद्ध ल गभग चार लाख रुपये का ई–चालान भी किया जा चुका है।वही ऐसे वाहनों के खिलाफ आगे भी सी जर और चालान की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी ।

ट्रैफिक पुलिस व परिवहन विभाग की लापरवाही

गुरु नानक चौराहे से लेकर डिग्री कॉलेज चौराहे त क ट्रैफिक पुलिस व परिवहन विभाग की लापरवा ही से सड़क पर डग्गामार वहांन सवारियां बैठाने से बाज नहीं आ रहे हैं।जानकारी के अनुसार गोंडा लेकर लखनऊ तक डग्गामार वाहनों का बड़ा नेटव र्क संचालित हो रहा यात्रियों को सस्ते किराए का लालच देकर क्षमता से अधिक सवारियां बैठाई जा ती हैं,जिससे दुर्घटना का खतरा भी बढ़ जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि डग्गामार बसे और रोडवेज बसों की अव्यवस्थित आवाजाही और स ड़क पर संचालित अवैध टैक्सी स्टैंड के कारण रो जाना यातायात बाधित होता है। सड़क पर पर्याप्त जगह न मिलने से सुबह और शाम जाम आम बात बन गई है।मुख्यमंत्री के निर्देश भी नहीं बदल पाए तस्वीर प्रदेश सरकार अवैध टैक्सी स्टैंड समाप्त क रने के लिए कई बार निर्देश जारी कर चुकी है।शा सन स्त र से कार्रवाई के आदेश भी दिए गए, लेकि न ट्रैफिक पुलिस की लापरवाही से गुरु नानक चौ राहे पर स्थिति जस की तस बनी हुई है।गुरु नानक चौकी प्रभारी अभियान चलाकर कुछ दिनों तक कार्रवाई की थी,लेकिन अभियान खत्म होते ही अवैध स्टैंड फिर से संचालित होने लगे।इससे ट्रैफि क पुलिस और परिवहन विभाग के कार्रवाई पर भी सवाल उठ रहे हैं।

तहसील महसी के ग्राम टिकुरी का डीएम व एसपी ने किया भ्रमण

मगरमच्छ हमले में मृतक बालक के परिजनों से भेटकर बंधाया ढांढस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । तहसील महसी के परगना फखरपुर अन्तर्गत ग्राम टिकुरी में वहस्पतिवार को अपरान्ह लगभग 03:30 बजे घाघरा नदी में मगरमच्छ के हमले में 12 वर्षीय बालक सुनील सिंह पुत्र स्व. बुधराम सिंह की मृत्यु हो गई है। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्वत व अन्य अधिकारियों के साथ ग्राम टिकुरी स्थित घटना स्थल का भ्रमण कर घटना के बारे में जानकारी प्राप्त की। डीएम ने मृतक बालक के शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देते हुए घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतक बालक के छोटे भाई संजय सिंह आयु लगभग 11 वर्ष व छोटी बहन सीमा सिंह आयु लगभग 07 वर्ष को परिजनों की सहमति से अच्छे स्कूल में शिक्षा दिलाये जाने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि मृतक बालक के हिताधिकारियों को अहेतुक सहायता प्रदान करने हेतु कार्यवाही की जा रही है। जल्द ही सरकार द्वारा अनुमन्य धनराशि रू. पांख लाख हस्तगत करा दी जायेगी। डीएम श्री त्रिपाठी ने घटना स्थल मौजूद ग्रामवासियों से अपील की कि सर्तकता बनाये रखें। विशेषकर छोटे बच्चों को नदी व पोखरों के आस-पास न जाने दें।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम और एसपी ने सुनी समस्याएं

तहसील मुसाफिरखाना में आई पैंतीस शिकायतों में मात्र तीन का हुआ निस्तारण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से आज जनपद की चारों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में तहसील मुसाफिरखाना में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ताओं की समस्या सुनकर मौके पर अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि शिकायतें लंबित न रखी जाये, शिकायतों को गम्भीरता से लेकर उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित कराया जाय। उन्होंने कहा कि जन सामान्य की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना हमारी प्राथमिकता है।सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस विभाग के संबंधित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक सरवणन टी ने सुना एवं संबंधित थानाध्यक्षों को निस्तारण के निर्देश दिये।तहसील मुसाफिरखाना में कुल पैंतीस शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें तीन का मौके पर निस्तारण कराया गया।तहसील गौरीगंज में बाइस शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें तीन का निस्तारण किया गया।तहसील अमेठी में अठाइस शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें एक शिकायतों का निस्तारण किया गया तथा तहसील तिलोई में पैंतीस शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें तीन शिकायतों का निस्तारण किया गया तथा शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु पुलिस और राजस्व की संयुक्त टीमें मौके पर भेजी गई। सम्पूर्ण समाधान दिवस के उपरांत जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों कर्मचारियों को जल संचयन एवं संरक्षण हेतु शपथ दिलाई।सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान उपजिलाधिकारी नितेश राज, जिला विकास अधिकारी वीरभानु सिंह, तहसीलदार सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

स्कूल जा रहे छात्र पर चाकू से हमला, बैग फटने से बची जान, परिजनों में दहशत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। जिले के धनपतगंज थाना क्षेत्र के भरमौली (बिनगी) गांव में शनिवार सुबह स्कूल जा रहे एक छात्र पर कथित रूप से चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में छात्र का स्कूल बैग फट गया जबकि उसकी पीठ पर भी चोट आई। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस से शिकायत कर आरोपित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित परिवार के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 9 बजे 13 वर्षीय साहिल प्राथमिक विद्यालय ब्रहमौली पढ़ने जा रहा था। आरोप है कि रास्ते में बहेरी गांव निवासी अशरफ पुत्र मुन्नू ने उसे रोक लिया और चाकू से हमला कर दिया। चाकू का वार सबसे पहले छात्र के स्कूल बैग पर लगा, जिससे बैग फट गया। इस दौरान साहिल की पीठ पर भी चोट आई। परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद आरोपित ने छात्र को धमकी दी कि यदि उसने किसी को इस बारे में बताया तो उसे जान से मार देगा। इस धमकी के बाद परिवार भयभीत है। उनका कहना है कि यदि समय रहते उचित कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में कोई गंभीर घटना हो सकती है। घटना की सूचना मिलने पर पीड़ित परिवार ने धनपतगंज थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में धनपतगंज थाना प्रभारी अंजू मिश्रा ने बताया कि मामले की तहरीर प्राप्त हो गई है और पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

सड़क निर्माण को लेकर ऋषिकेश में काटे जा रहे पेड़ पर्यावरणविदों ने की घोर निंदा

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। पड़ोसी राज्य उत्तराखंड के जनपद ऋषिकेश में देहरादून रोड चौड़ीकरण के लिए हजारों पेड़ काटे जाने की पर्यावरणविदों ने कड़ी निंदा की है।पानी बचाओ अभियान समिति के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व सभासद तौफीक अहमद कादरी ने कहा कि एक सड़क को चौड़ा करने के लिए करीब चार हजार पेड़ काटे जा रहे हैं। यह फैसला पर्यावरण के घोर विरोध में है। जहां एक ओर प्रदेश की धामी सरकार ''एक पेड़ माँ के नाम'' जैसे अभियान चलाकर वृक्षारोपण पर जोर दे रही है, वहीं दूसरी ओर विकास के नाम पर हरियाली को उजाड़ा जा रहा है।तौफीक अहमद कादरी ने कहा कि प्रकृति से छेड़छाड़ का खामियाजा उत्तराखंड पहले भी भुगत चुका है। पहाड़ी क्षेत्रों में इस तरह के कटान से भू-स्खलन, बाढ़ और जल संकट जैसी समस्याएं बढ़ती हैं। उत्तराखंड सरकार को तत्काल इस निर्णय को रद्द करना चाहिए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट को स्वतः संज्ञान लेकर इस पर्यावरणीय त्रासदी को रोका जाए। हजारों पेड़ों का कटना आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक साबित होगा।निंदा करने वालों में शरीफ अहमद इदरीशी, सभासद नुसरत परवीन कादरी, पुनीत कुमार, पवन यादव, सर्वजीत सिंह सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

युवा उद्यमी योजना के नाम पर की ठगी लोन का सपना दिखाकर युवक से वसूले 12,600 कोतवाल से की शिकायत मचा हड़कंप

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत सरकारी लोन दिलाने का भरोसा देकर एक युवक से ?12,600 लेने और बाद में न तो लोन दिलाने तथा न ही रकम लौटाने का मामला सामने आया है पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है रजागंज निवासी मो. इमरान पुत्र महबूब हसन का आरोप है कि नवदिया शेरपुर कला निवासी नावेद अहमद ने अक्टूबर 2025 में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत लोन स्वीकृत कराने का भरोसा दिलाया इस प्रक्रिया के नाम पर आरोपी ने फोनपे से ?10,100 और ?2,500 नकद, कुल ?12,600 ले लिए। भरोसा दिया गया कि दो माह के भीतर लोन स्वीकृत हो जाएगा पीड़ित का कहना है कि तय समय बीतने के बाद भी लोन नहीं मिला जब उसने कई बार संपर्क किया तो आरोपी हर बार कोई न कोई बहाना बनाकर टालता रहा आखिरकार जब उसने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपी ने कथित रूप से गाली-गलौज करते हुए गंभीर परिणाम भुगतने और जान से मारने की धमकी दी मो. इमरान ने पुलिस को बताया कि उसके पास फोनपे से भुगतान का रिकॉर्ड, धमकी की मोबाइल रिकॉर्डिंग और अन्य साक्ष्य मौजूद हैं उसने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी के विरुद्ध धोखाधड़ी और धमकी देने की धाराओं में कानूनी कार्रवाई की जाए पुलिस ने शिकायत प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलियों के डायवर्जन जलमग्न, माधोटांडा-पीलीभीत मार्ग पर आवागमन ठपः ग्रामीणों में बढ़ा आक्रोश

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। लगातार हो रही बारिश ने माधोटांडा-पीलीभीत मार्ग पर चल रहे पुलिया निर्माण कार्य की पोल खोल दी है मार्ग पर आधा दर्जन से अधिक पुलियों का निर्माण कार्य जारी है, लेकिन इन पुलियों के लिए बनाए गए डायवर्जन मार्ग पूरी तरह पानी में डूब गए हैं, जिससे आवागमन बेहद जोखिम भरा हो गया है स्थिति यह है कि कई स्थानों पर पानी भर जाने से वाहनों और राहगीरों का निकलना मुश्किल हो गया है ऐसे में पीलीभीत और माधोटांडा के बीच सीधा संपर्क लगभग पूरी तरह बाधित हो गया है लोगों को मजबूरन लंबा चक्कर लगाकर दूसरे वैकल्पिक मार्गों से जिला मुख्यालय और पूरनपुर की यात्रा करनी पड़ रही है तहसील कलीनगर, जमुनिया और माधोटांडा क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को रोजमर्रा के काम, इलाज, शिक्षा और सरकारी कार्यालयों तक पहुंचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य शुरू करने से पहले बारिश के मौसम को देखते हुए सुरक्षित और ऊंचे डायवर्जन की व्यवस्था की जानी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिया निर्माण के दौरान प्रशासन और लोक निर्माण विभाग ने वैकल्पिक मार्गों की समुचित व्यवस्था नहीं की, जिसका खामियाजा आम जनता भुगत रही है क्षेत्रवासियों में जिला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग के प्रति नाराजगी लगातार बढ़ रही है लोगों ने मांग की है कि जलमग्न डायवर्जन मार्गों को तत्काल दुरुस्त कराया जाए और आवागमन सुचारु करने के लिए प्रभावी व्यवस्था की जाए, ताकि किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

डीएम की अध्यक्षता में दि किसान सहकारी चीनी मिल पूरनपुर की प्रबंध कमेटी की बैठक सम्पन्न

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। दि किसान सहकारी चीनी मिल पूरनपुर की प्रबंध कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई बैठक में चीनी मिल से जुड़े विभिन्न प्रशासनिक, तकनीकी एवं संचालन संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा आगामी गन्ना पेराई सत्र की तैयारियों की समीक्षा की गई बैठक में चीनी मिल के उपाध्यक्ष, उपजिलाधिकारी पूरनपुर मयंक गोस्वामी, डायरेक्टर बहादुर शाह, मुख्य गन्ना अधिकारी, मुख्य अभियंता, मुख्य रसायनविद सहित प्रबंध कमेटी के सदस्य एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे बैठक के दौरान मिल के सुचारु संचालन, किसानों के हितों की सुरक्षा, गन्ना आपूर्ति व्यवस्था, तकनीकी तैयारियों तथा आवश्यक विकास कार्यों पर विचार-विमर्श किया गया जिलाधिकारी ने अधिकारियों को समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से कार्य करने तथा आगामी पेराई सत्र को सफल बनाने के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए बैठक में उपस्थित अधिकारियों एवं निदेशकों ने भी अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

मकान निर्माण को लेकर पड़ोसियों पर उत्पीड़न का आरोप महिला ने मुख्यमंत्री से लगाई न्याय की गुहार

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। तहसील क्षेत्र के गांव महंद खास में मकान निर्माण को लेकर विवाद का मामला सामने आया है एक महिला ने अपने पड़ोसियों पर निर्माण कार्य में जबरन बाधा डालने, खिड़की तोड़ने, गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री को शिकायत भेजकर कार्रवाई की मांग की है गांव महंद खास निवासी नीरज कुमारी, पत्नी खान सिंह, ने अपने शिकायती पत्र में बताया कि वह अपने मकान का निर्माण करा रही हैं आरोप है कि 17 जुलाई की सुबह करीब आठ बजे पड़ोसी ललित और आसाराम, दोनों पुत्र जमुना प्रसाद, उनके निर्माणाधीन मकान पर पहुंचे और जबरन लगी हुई खिड़की हटवाकर दूसरी जगह रखवा दी विरोध करने पर आरोपियों ने खिड़की तोड़कर फेंक दी महिला का कहना है कि विरोध करने पर आरोपियों ने अभद्र भाषा का प्रयोग किया, झगड़ा करने लगे और निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को भी धमकाया आरोप है कि मारपीट की धमकी देकर निर्माण कार्य रुकवाने का प्रयास किया गया पीड़िता का यह भी कहना है कि आरोपी लंबे समय से उन्हें परेशान कर रहे हैं और खुलेआम कहते हैं कि उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता महिला ने मुख्यमंत्री को भेजी शिकायत में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई कराने, निर्माण कार्य में अवैध हस्तक्षेप रोकने तथा परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

सूरापुर टीपी नगरा पावर हाउस में बिजली संकट से ग्रामीण परेशान

सुलतानपुर। सुरापुर टीपी नगरा से मिलने वाली बिजली व्यवस्था इन दिनों पूरी तरह चरमरा गई है। क्षेत्र के करौंदी कलां सहित आसपास के गांवों में लगातार बिजली कटौती और घंटों आपूर्ति बाधित रहने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के बीच बिजली गायब रहने से लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि दिन और रात में कई-कई घंटे बिजली नहीं रहती, जिससे पंखे, कूलर और पानी की मोटर बंद पड़ी रहती हैं। छोटे बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे अधिक दिक्कत हो रही है। उमस भरी गर्मी में लोग रातभर जागने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बार विभागीय अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। बिजली की अनियमित आपूर्ति के कारण किसानों और व्यापारियों को भी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

घर लौट रहे बुजुर्ग दूध व्यवसायी की हत्या, बहू ने देवरानी और भतीजों पर लगाया आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर जिले के चांदा कोतवाली क्षेत्र के बरनी गांव में शुक्रवार देर रात 65 वर्षीय दूध व्यवसायी रमापति तिवारी की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। घटना उस समय हुई जब वह चांदा बाजार से दूध बेचकर घर लौट रहे थे। रास्ते में सड़क किनारे घायल अवस्था में पड़े रमापति को एक पड़ोसी ने देखा और परिजनों को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर कमैचा भेजा, जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया। हालांकि रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की बड़ी बहू ममता तिवारी ने हत्या का आरोप अपनी देवरानी शशि तथा उसके बेटों शुभम और सुधांशु पर लगाया है। ममता का कहना है कि तीन दिन पहले पारिवारिक विवाद के दौरान रमापति तिवारी ने अपने मझले बेटे बलवंत को समझाने और उसकी पत्नी की पिटाई रोकने का प्रयास किया था। इसी बात को लेकर परिवार में विवाद बढ़ गया था। ममता तिवारी का आरोप है कि इसी रंजिश में शशि, शुभम और सुधांशु ने रमापति तिवारी की हत्या कराई। उन्होंने कहा कि जब तक नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होगी, तब तक परिवार अंतिम संस्कार नहीं करेगा। थाना प्रभारी राजकुमार वर्मा ने बताया कि बड़ी बहू की तहरीर के आधार पर शशि, शुभम और सुधांशु के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया है। पुलिस का कहना है कि हत्या के कारणों और लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी। फिलहाल मामले की विवेचना जारी है।

एसएसबी के जवानों ने पड़ोसी देश नेपाल बॉर्डर पर चलाया स्वच्छता अभियान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। 49 वीं बटालियन सशस्त्र सीमा बल के जवानों ने नेपाल बॉर्डर से लगे नगरिया खुर्द कला क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश दिया।एसएसबी की सहायक कमांडेंट पूनम मीणा के निर्देश पर नगरिया कट में तैनात दर्जनों जवानों ने गांव के मुख्य मार्ग पर विशेष सफाई अभियान चलाया। जवानों ने सड़क के दोनों ओर करीब एक-एक किलोमीटर तक झाड़ियां काटीं, कचरा हटाया और नालियों की सफाई की। अभियान के दौरान मिनी स्टेडियम सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों की भी सफाई की गई।सफाई के साथ-साथ जवानों ने ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया। जवानों ने लोगों से कहा कि अपने घर और आसपास साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। कचरा कूड़ेदान में ही डालें और गंदगी न फैलाएं। स्वच्छ पर्यावरण से ही बीमारियां दूर रहती हैं और स्वस्थ समाज बनता है।ग्रामीणों ने एसएसबी के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि सीमा पर तैनात जवान सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम में एसएसबी के अधिकारी, जवान और बड़ी संख्या में ग्रामवासी शामिल हुए। सभी ने मिलकर ''स्वच्छ गांव, स्वस्थ गांव'' का संकल्प लिया है।

350 विद्यार्थियों ने श्री चित्रगुप्त धाम में मनाया पौधरोपण उत्सव, लिया संरक्षण संकल्प

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से श्री चित्रगुप्त धाम, सीताकुंड, सुल्तानपुर स्थित विनोद स्मृति वाटिका में राधा रानी कुँवर कृष्ण इंटर कॉलेज के लगभग 350 छात्र-छात्राओं ने पौधरोपण उत्सव मनाया। कार्यक्रम के अंतर्गत विनोद स्मृति वाटिका में विभिन्न प्रकार के डेकोरेटिव, पुष्पीय एवं सौंदर्यवर्धक पौधों का रोपण किया गया। साथ ही मंदिर परिसर के उत्तरी भाग में छायादार एवं फलदार वृक्षों का रोपण कर परिसर को अधिक हरित और पर्यावरण अनुकूल बनाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आरती एवं मंगलाचरण के साथ हुआ। इसके पश्चात सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं श्री चित्रगुप्त धाम परिवार के सदस्यों ने सामूहिक रूप से विद्यार्थी पौध संरक्षण शपथ ली और लगाए गए प्रत्येक पौधे की नियमित देखभाल, सिंचाई एवं संरक्षण का संकल्प किया।

जौहर विश्वविद्यालय पर कार्रवाई रोकने की मांग, समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नोमान अली वारसी के नेतृत्व में राज्यपाल के नाम एसडीएम मयंक गोस्वामी को सौंपा ज्ञापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। समाजवादी छात्र सभा ने रामपुर स्थित मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के खिलाफ प्रस्तावित ध्वस्तीकरण और तोड़फोड़ की कार्रवाई का विरोध करते हुए शनिवार को राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी मयंक गोस्वामी को सौंपा ज्ञापन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नोमान अली वारसी के नेतृत्व में दिया गया ज्ञापन में कहा गया कि जौहर विश्वविद्यालय हजारों विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र है बिना विधिक और संवैधानिक प्रक्रिया का पालन किए किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई न केवल शिक्षा व्यवस्था को प्रभावित करेगी, बल्कि बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं के भविष्य पर भी प्रतिकूल असर डालेगी एडवोकेट नोमान अली वारसी ने कहा कि यदि विश्वविद्यालय से संबंधित कोई प्रशासनिक या कानूनी विवाद है तो उसका समाधान न्यायालय और कानून के दायरे में रहकर ही किया जाना चाहिए उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की जल्दबाजी में की गई कार्रवाई न्याय के सिद्धांतों के विपरीत होगी ज्ञापन के माध्यम से राज्यपाल से प्रस्तावित ध्वस्तीकरण या तोड़फोड़ की कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने, पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच कराने तथा विश्वविद्यालय से जुड़े शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई इस दौरान संजय यादव, प्रमोद कुमार, अहीद खां, नाबिर अली मंसूरी, इमरान, नदीम, जावेद, रामपाल सहित समाजवादी छात्र सभा के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे हैं।

हैदराबाद में प्रशिक्षण के लिए कृषि विशेषज्ञ ज्ञानचन्द्र तिवारी का हुआ चयन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। खेती किसानी में अपनी अलग पहचान बना चुके युवा किसान व कृषि विशेषज्ञ ज्ञानचन्द्र तिवारी का क्षमता विकास प्रशिक्षण के लिए चयन हुआ है। वह तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।उत्तर प्रदेश से चयनित 11 युवा किसानों में कृषि विशेषज्ञ ज्ञानचन्द्र तिवारी भी शामिल हैं। जनपद सुल्तानपुर के अखण्ड नगर विकास खण्ड के जय ज्ञान नगर उनुरखा गांव निवासी कृषि विशेषज्ञ ज्ञानचन्द्र तिवारी किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) बना कर मशरूम, वर्मी कंपोस्ट उत्पादन, प्राकृतिक खेती, नर्सरी के साथ साथ किसानों को प्रशिक्षण भी देते हैं। उनके नवाचार को देखते हुए कृषि विभाग ने प्रशिक्षण के लिए उनका नाम नामित किया है। यह प्रशिक्षण संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के वर्ल्ड फूड फोरम-नेशनल चौप्टर इन इंडिया के तहत आयोजित किया जा रहा है। देशभर से 150 युवा किसानों का चयन किया गया है जिन्हें तीन चरणों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। पहला दो बैच हैदराबाद के मैनेज संस्थान में तथा तीसरा बैच गुजरात के आनंद कृषि विश्वविद्यालय स्थित एक्सटेंशन एजुकेशन इंस्टीट्यूट में होगा। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को अक्टूबर में इटली के रोम स्थित एफएओ मुख्यालय में आयोजित वर्ल्ड फूड फोरम-2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर भी मिल सकता है।

समाधान दिवस में फरियादियों की समस्याओं पर गंभीर हुए डीएम, आवास प्रकरण की जांच के आदेश; प्रगतिशील अधिवक्ता एसोसिएशन ने उठाए राजस्व व्यवस्था के मुद्दे

पूरनपुर। तहसील पूरनपुर में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव मिश्र ने फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं अधिकारियों ने संबंधित विभागों को शिकायतों का गुणवत्ता के साथ समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए समाधान दिवस में राजस्व, आवास, दाखिल-खारिज, भूमिधरी, स्टाम्प, लेखपालों की कार्यप्रणाली तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं इस दौरान तहसील बार एसोसिएशन की ओर से अध्यक्ष एडवोकेट संजय सक्सेना एवं महामंत्री सुशील कुमार सक्सेना ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा-80, धारा-76 एवं धारा-34 के अंतर्गत आने वाले मामलों में अनावश्यक विलंब किया जाता है लेखपालों के समय से बयान न होने, दाखिल-खारिज की पत्रावलियों में बार-बार आपत्तियां लगाकर मामलों को लंबित रखने तथा सुविधा शुल्क के बिना कार्य न होने जैसी शिकायतें ज्ञापन में दर्ज कराई गईं ज्ञापन में यह भी कहा गया कि धारा-76 के तहत भूमिधरी के प्रावधानों का वर्षों से सही ढंग से पालन नहीं हो रहा है पट्टे, भूदान समिति एवं सीलिंग की निर्विवाद भूमि पर समय पूरा होने के बाद भी भूमिधरी अधिकार नहीं दिए जा रहे हैं इसके अलावा कई गांवों में चकबंदी के नक्शे उपलब्ध न होने, कंप्यूटर प्रणाली में तकनीकी खामियों के कारण आदेश लंबित रहने, फर्द जारी करने में परेशानी तथा अधिकांश काश्तकारों के अंश गलत दर्ज होने जैसी समस्याओं की ओर भी प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया गया अधिवक्ताओं ने मांग की कि इन सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई की जाए और आम जनता को राहत दिलाई जाए समाधान दिवस में ग्राम सिमरिया ताल्लुका अजीतपुर बिल्हा की एक दर्जन से अधिक महिलाओं ने प्रधानमंत्री आवास योजना में अनियमितताओं की शिकायत जिलाधिकारी से की महिलाओं का आरोप था कि पात्र होने और सूची में नाम होने के बावजूद उन्हें अपात्र घोषित कर आवास निरस्त कर दिया गया ।

सम्पादकीय

जन्मदर में गिरावट

हाल के वर्षों में भारत की आबादी से जुड़े ट्रेंड में बदलाव देखने को मिला है। दूसरे शब्दों में कहें तो भारत की आबादी से जुड़ा परिदृश्य एक नये दौर में पहुंच रहा है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को यह सवाल उठाना पड़ा कि क्या आज भी उन कानूनों की प्रासंगिकता बनी हुई है, जिसके अंतर्गत दो से ज्यादा बच्चे होने पर लोगों को स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के अयोग्य ठहराया जाता रहा है। निश्चित रूप से 'दो बच्चों' से जुड़ा यह नियम उस समय बनाया गया था जब देश में तेजी से बढ़ती आबादी चिंता का सबब बनी हुई थी। लेकिन आज जनसंख्या का परिदृश्य तेजी से बदल गया है। दूसरे शब्दों में कहें तो निकाय चुनावों से जुड़ा अधिक बच्चों वाला नियम अब आबादी के बदलते ट्रेंड से मेल नहीं खाता। सही मायने में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी ने जिन सवालों को जन्म दिया है, उसकी पुष्टि सरकार की ओर से जारी जनसंख्या संबंधी आंकड़ों से होती है। भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी द्'सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम स्टैटिस्टिकल रिपोर्ट-2024' शीर्ष अदालत के नजरिये की पुष्टि करती है। रिपोर्ट बताती है कि देश की कुल प्रजनन दर यानी टीएफआर घटकर 1.9 हो गई है, जो कि 2.1 के 'रिप्लेसमेंट लेवल' से कम है। देश में उत्तर भारत के छह राज्य- उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और झारखंड ही रिप्लेसमेंट लेवल से ऊपर हैं। जबकि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली- 1.2, केरल,तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल (तीनों में 1.3) में प्रजनन दर देश में सबसे कम है। यह तथ्य उल्लेखनीय है कि शहरी इलाकों के मुकाबले ग्रामीण इलाकों में प्रजनन दर अब भी अधिक है। जो आबादी की दर में बदलाव की असमान गति को ही दर्शाता है। इस तरह से जनसंख्या वृद्धि की ये असमानताएं- 'सबके लिए एक ही जनसंख्या नीति' की खामियों को ही उजागर करती हैं। इस नीति की प्रासंगिकता व इस दिशा में बदलाव की जरूरत सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का सार भी है। ऐसे में जब भारत का एक बड़ा हिस्सा बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि के बजाय जन्म दर में गिरावट से जूझ रहा है तो परिवार के आकार के आधार पर नागरिकों को चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराकर दंडित करना तर्कसंगत नहीं लगता। निर्विवाद रूप से समय के साथ अप्रासंगिक हो चले ऐसे कानून गरीब और ग्रामीण परिवारों, विशेष रूप से महिलाओं को बुरी तरह से प्रभावित करते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो उनकी लोकतांत्रिक व्यवस्था में भागीदारी को सीमित करते हैं। नीति नियंताओं को गंभीरता से मंथन करना चाहिए कि मौजूदा जनसांख्यिकीय लाभांश-यानी आर्थिक विकास को गति देने वाली बड़ी कामकाजी आबादी हमेशा हमारी उपलब्धि नहीं बनी रहेगी। जनसंख्या की दर में मौजूदा गिरावट के चलते आने वाले दशकों में बुजुर्गों की आबादी का हिस्सा बढ़ता जाएगा। ऐसे में कम प्रजनन दर वाले राज्यों को बढ़ती उम्र वाली आबादी के आधिक्य के चलते श्रमशील आबादी की कमी और बढ़ते सामाजिक सुरक्षा बोझ के लिये तैयार रहना होगा। वहीं दूसरी ओर उच्च प्रजनन दर वाले राज्यों को युवा आबादी को उत्पादक मानव पूंजी में बदलने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पोषण और रोजगार सृजन में निरंतर निवेश करने की जरूरत है। निस्संदेह, अब वक्त आ गया है कि जनसंख्या नियंत्रण के पुराने उपायों को साक्ष्य आधारित, क्षेत्र-विशिष्ट जनसांख्यिकीय नीतियों से प्रतिस्थापित किया जाए। सही मायने में जनसंख्या पर विमर्श को अब केवल संख्या नियंत्रण तक सीमित न रखकर, हमें निष्पक्षता और दूरदर्शिता के साथ जनसांख्यिकीय परिवर्तन के प्रबंधन की ओर ले जाना होगा। अकसर दक्षिण भारत के राज्य आरोप लगाते रहे हैं कि उन्होंने राष्ट्रीय सरोकारों के लिये ईमानदारी से जनसंख्या नियंत्रण का कार्य संपन्न किया है। लेकिन उन्हें आज इसकी कीमत घटी दर पर मिलने वाले वित्तीय संसाधनों के रूप में चुकानी पड़ रही है। उनका आरोप रहता है कि जनसंख्या नियंत्रण की अनदेखी करने वाले उत्तरी राज्यों को केंद्र से अधिक वित्तीय संसाधनों का आवंटन किया जाता है।

भारत के बढ़ते कदम और ट्रंप का टैरिफ हथियार

विश्व राजनीति में इन दिनों आर्थिक मोर्चे पर भी उतनी ही आक्रामक लड़ाई चल रही है, जितनी कि किसी युद्ध के मैदान की आवश्यकता रहती है। कभी प्रतिबंध, कभी तकनीकी नियंत्रण, कभी वित्तीय दबाव और अब टैरिफ, वस्तुतः ताकतवर देश हर आर्थिक हथियार का इस्तेमाल कर रहे हैं। बड़ा उदाहरण हमारे सामने ब्राजील पर अमेरिका का अचानक 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाना है। एक तरह से कहें तो यह उन सभी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक स्पष्ट संदेश है, जोकि अपनी विदेश नीति स्वतंत्र रूप से तय करना चाहती हैं। भारत भी उन्हीं देशों में शामिल है, इसलिए जो संभावना बन रही है, वह यही है कि अमेरिका ने जैसे सेक्शन-301 प्रावधानों का उपयोग कर ब्राजील की बड़ी अर्थव्यवस्था पर अपनी कार्रवाई की, वैसे ही वह भारत के साथ भी कर सकता है। अतः भारत को अपने भविष्य के संभावित आर्थिक दबावों के प्रति बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। यह तो अच्छा है जो आज का भारत बीस वर्ष पहले वाला नहीं है। वह वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक निर्णायक केंद्र बनता जा रहा है। वह ब्रिक्स का प्रभावशाली सदस्य है। इंडो-पैसिफिक में उसकी भूमिका लगातार मजबूत हुई है। रूस से लेकर पश्चिम एशिया तक उसने अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप संतुलित विदेश नीति अपनाई है। यही स्वायत्तता एक तरह से देखें तो भारत की सबसे बड़ी ताकत है, किंतु यही कुछ महाशक्तियों की असहजता का कारण भी है। डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति को देखें तो एक बात बिल्कुल स्पष्ट है, उनके लिए टैरिफ राजनीतिक और सामरिक दबाव का सबसे प्रभावी हथियार है। अपने पिछले कार्यकाल में उन्होंने चीन, कनाडा, मैक्सिको, यूरोपीय संघ और भारत सहित अनेक देशों पर टैरिफ लगाकर यह संकेत दिया था कि अमेरिका अपने आर्थिक हितों के लिए किसी भी स्तर तक जा सकता है। ट्रंप स्वयं कई बार सार्वजनिक रूप से टैरिफ की प्रशंसा कर चुके हैं। इसलिए यदि भविष्य में उनकी सरकार फिर से कठोर व्यापारिक नीति अपनाती है, तो भारत को आश्चर्य नहीं होना चाहिए, क्योंकि वर्तमान में जिस तरह के हालात दिख रहे हैं, उनमें यही दिखता है। दूसरी ओर ब्राजील पर की गई कार्रवाई ने इस आशंका को और गहरा किया है। अमेरिकी अधिकारियों ने अपने तर्कों में ब्राजील के भारत और मैक्सिको के साथ बढ़ते व्यापारिक संबंधों का भी उल्लेख किया है। इसे संयोग नहीं माना जा सकता है। वहीं, भू-राजनीति में यह स्वष्ट दिखाई भी दे रहा है कि कैसे ब्रिक्स का विस्तार हो रहा है, स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने पर चर्चा हो रही है। डॉलर पर निर्भरता कम करने की बातें सामने आ रही हैं और वैश्विक दक्षिण अपनी अलग आर्थिक पहचान बनाने का प्रयास कर रहा है। स्वाभाविक है कि अमेरिका इन परिवर्तनों को अपने लिए चुनौती के रूप में देख रहा है। भारत के संदर्भ में सबसे संवेदनशील एक विषय फिर रूस से कच्चे तेल की खरीद भी है। यूक्रेन युद्ध के बाद जब पश्चिमी देशों ने रूस पर व्यापक प्रतिबंध लगाए, तब भारत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उसकी पहली प्राथमिकता अपने नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा है। भारत ने रियायती दरों पर रूसी तेल खरीदना जारी रखा और इसका सीधा लाभ देश की अर्थव्यवस्था को मिला। अब अमेरिका में ऐसे प्रस्ताव सामने आए हैं, जिनमें रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की बात कही जा रही है। भारत और चीन जैसे देश इस चर्चा के केंद्र में हैं। यह संकेत पर्याप्त है कि अमेरिका आर्थिक दबाव की नीति को आगे बढ़ाने के विकल्प खुले रखना चाहता है। यहां एक दिलचस्प बात यह भी है कि रूस से प्राकृतिक गैस खरीदने वाले कई यूरोपीय देशों के लिए अलग दृष्टिकोण दिखाई देता है, जिसमें कि भारत के लिए इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा संदेश यह है कि अब अकेले राजनीतिक कूटनीति से काम नहीं चलेगा, उसे अपनी आर्थिक कूटनीति को भी बहुत मजबूत बनाना होगा। यदि किसी एक देश का निर्णय भारतीय निर्यात को प्रभावित कर सकता है, तो इसका समाधान यही है कि भारत अपने निर्यात बाजार का तेजी से विस्तार करे, जैसा कि इन दिनों एफटीए के रूप में हम देख भी रहे हैं। फिर किसी

डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति को देखें तो एक बात बिल्कुल स्पष्ट है, उनके लिए टैरिफ राजनीतिक और सामरिक दबाव का सबसे प्रभावी हथियार है। अपने पिछले कार्यकाल में उन्होंने चीन, कनाडा, मैक्सिको, यूरोपीय संघ और भारत सहित अनेक देशों पर टैरिफ लगाकर यह संकेत दिया था कि अमेरिका अपने आर्थिक हितों के लिए किसी भी स्तर तक जा सकता है। ट्रंप स्वयं कई बार सार्वजनिक रूप से टैरिफ की प्रशंसा कर चुके हैं। इसलिए यदि भविष्य में उनकी सरकार फिर से कठोर व्यापारिक नीति अपनाती है, तो भारत को आश्चर्य नहीं होना चाहिए, क्योंकि वर्तमान में जिस तरह के हालात दिख रहे हैं, उनमें यही दिखता है। दूसरी ओर ब्राजील पर की गई कार्रवाई ने इस आशंका को और गहरा किया है। अमेरिकी अधिकारियों ने अपने तर्कों में ब्राजील के भारत और मैक्सिको के साथ बढ़ते व्यापारिक संबंधों का भी उल्लेख किया है। इसे संयोग नहीं माना जा सकता है। वहीं, भू-राजनीति में यह स्वष्ट दिखाई भी दे रहा है कि कैसे ब्रिक्स का विस्तार हो रहा है, स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने पर चर्चा हो रही है। डॉलर पर निर्भरता कम करने की बातें सामने आ रही हैं और वैश्विक दक्षिण अपनी अलग आर्थिक पहचान बनाने का प्रयास कर रहा है। स्वाभाविक है कि अमेरिका इन परिवर्तनों को अपने लिए चुनौती के रूप में देख रहा है। भारत के संदर्भ में सबसे संवेदनशील एक विषय फिर रूस से कच्चे तेल की खरीद भी है। यूक्रेन युद्ध के बाद जब पश्चिमी देशों ने रूस पर व्यापक प्रतिबंध लगाए, तब भारत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उसकी पहली प्राथमिकता अपने नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा है। भारत ने रियायती दरों पर रूसी तेल खरीदना जारी रखा और इसका सीधा लाभ देश की अर्थव्यवस्था को मिला। अब अमेरिका में ऐसे प्रस्ताव सामने आए हैं, जिनमें रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की बात कही जा रही है। भारत और चीन जैसे देश इस चर्चा के केंद्र में हैं। यह संकेत पर्याप्त है कि अमेरिका आर्थिक दबाव की नीति को आगे बढ़ाने के विकल्प खुले रखना चाहता है। यहां एक दिलचस्प बात यह भी है कि रूस से प्राकृतिक गैस खरीदने वाले कई यूरोपीय देशों के लिए अलग दृष्टिकोण दिखाई देता है, जिसमें कि भारत के लिए इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा संदेश यह है कि अब अकेले राजनीतिक कूटनीति से काम नहीं चलेगा, उसे अपनी आर्थिक कूटनीति को भी बहुत मजबूत बनाना होगा। यदि किसी एक देश का निर्णय भारतीय निर्यात को प्रभावित कर सकता है, तो इसका समाधान यही है कि भारत अपने निर्यात बाजार का तेजी से विस्तार करे, जैसा कि इन दिनों एफटीए के रूप में हम देख भी रहे हैं। फिर किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत यही होती है कि वह एक बाजार पर निर्भर न रहे।

भी बड़ी अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत यही होती है कि वह एक बाजार पर निर्भर न रहे। एक बार को यदि एतिहासिक संदर्भ में इस पूरे प्रकरण को देखें तो ध्यान में आता है कि बाहरी दबाव अकसर उन राष्ट्रों को और अधिक मजबूत बना देते हैं जो दूरदर्शिता के साथ अपनी नीतियां तय करते हैं। 1998 के परमाणु परीक्षण से लेकर कई बार के वैश्विक दबावों के उदाहरण हमारे सामने हैं। कहना होगा कि आज भी परिस्थितियां वैसी ही पैदा करने के प्रयास हो रहे हैं। यदि भविष्य में अमेरिका टैरिफ को दबाव के हथियार के रूप में इस्तेमाल करता है, तो भारत के सामने इसका सबसे बड़ा जवाब यही होगा कि वह अपनी आर्थिक क्षमता को और अधिक मजबूत बनाए। वैसे भी भारत आज विश्व की सबसे युवा कार्यशक्ति, विशाल घरेलू बाजार, तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था, मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाओं और निरंतर बढ़ती वैश्विक साख के साथ आगे बढ़ रहा है। ऐसे राष्ट्र की प्रगति को सिर्फ टैरिफ के सहारे लंबे समय तक नहीं रोका जा सकता। चुनौती अवश्य आएगी, इसलिए यह समय अपनी तैयारी का है। यदि भारत अपनी आर्थिक कूटनीति, ऊर्जा सुरक्षा, विनिर्माण क्षमता और वैश्विक व्यापारिक साझेदारियों को और मजबूत करता है, तो कोई भी बाहरी दबाव उसकी विकास यात्रा को रोक नहीं सकेगा। फिर संत तुलसीदास जी अपने रचित ग्रंथ रामचरितमानस के (बालकांड) में कह ही गए हैं-

सुभ अरु असुभ सलिल सब बहई। सुरसरि कोउ अपुनीत न कहई?
समरथ कहुँ नहिं दोषु गोसाईं। रबि पावक सुरसरि की नाईं?

इसका विस्तृत अर्थ यही है कि जिस प्रकार गंगाजी में पवित्र और अपवित्र (सभी तरह का) जल बहता है, फिर भी कोई गंगा को दूषित या अपवित्र नहीं कहता; सूर्य संसार की अच्छी-बुरी हर चीज को प्रकाशित करता है और अग्नि सभी चीजों को जलाकर भी स्वयं पवित्र रहती है, उसी प्रकार सामर्थ्यवान (समर्थ) व्यक्ति पर कोई दोष नहीं लगता।

–डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय रेलवे में नई हाइड्रोजन क्रांति

मृत्युंजय दीक्षित

जुलाई 17, 2026 का दिन भारतीय रेलवे के लिए एक स्मरणीय दिन बन गया है क्योंकि इस दिन रेल यातायात में विकसित भारत के नये युग का सूत्रपात हुआ और भारत को हाइड्रोजन ट्रेन का उपहार मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरियाणा के जींद रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर इसका उद्घाटन किया। अब भारत उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है जहां हाइड्रोजन ट्रेनों का संचालन हो रहा है।अभी तक जर्मनी, फ्रांस और चीन जैसे देश ही इस प्रकार की ट्रेनों का संचालन कर रहे थे । जींद-सोनीपत मार्ग पर चलने वाली यह ट्रेन शून्य कार्बन उत्सर्जन वाली 10 कोच और 3,200 हार्स पावर क्षमता वाली दुनिया की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन ट्रेनों मे शामिल है। यह ट्रेन पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक से तैयार की गई है। हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक से चलने वाली इस ट्रेन में हाइड्रोजन से बिजली बनाई जाती है जिससे ट्रेन संचालित होती है। इस प्रक्रिया में केवल जलवाष्प निकलती है इसलिए इससे शून्य कार्बन उत्सर्जन होता है। यह ट्रेन डीजल ट्रेनों की तुलना में प्रदूषण नहीं फैलाती, आवाज भी कम करती है और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करती है। इसके लिए पारंपरिक इलेक्ट्रिक ट्रेनों की तरह मार्ग पर ओवरहेड बिजली लाइन की जरूरत भी नहीं होती क्योंकि बिजली ट्रेन के भीतर ही तैयार होती है।ऐसी ट्रेनों के संचालन से कोयला आधारित बिजली उत्पादन पर निर्भरता कम होगी। यह 10 कोच वाली दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेनों में शामिल है। यह अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त ट्रेन है जो बाहर से देखने में तो साधारण ट्रेनों की तरह ही लगती है किन्तु जब यात्री ट्रेन के कोच में बैठकर यात्रा करते हैं तो उन्हें एक अलग प्रकार की सुखद अनुभूति होती है। ट्रेन में आधुनिक सुरक्षा प्रणाली, हाइड्रोजन लीक डिटेक्शन सिस्टम और विशेष फ्यूल सेल तकनीक का उपयोग किया गया है। इस ट्रेन में यात्रियों के लिए टिकट का मूल्य 5 से 25 रुपए तक रखा गया है ताकि आम से खास तक सभी वर्ग के लोग इस पूर्ण रूप से स्वदेशी तथा प्रदूषण रहित ट्रेन की आरामदायक यात्रा का लाभ उठा सकें। भारतीय रेलवे की पहली हाइड्रोजन ट्रेन हरियाणा में जींद से सोनीपत के बीच 89 किमी प्रतिदिन दो राउंड ट्रिप यानी कुल 356 किमी का सफर तय करेगी। यह हाइड्रोजन ट्रेन जींद सिटी, गोहाना, पांडु पिंडारा, ललित खेड़ा, भंभेवा, इसापुर खेड़ी, बुटाना, खंडराई, राबरा, लाथ, मोहाना और सोनीपत स्टेशन पर रुकेगी। भारत की स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन अन्य देशों की तुलना में सबसे कम लागत मात्र 136 करोड़ रुपए में बनी है। ट्रेन की सामान्य ऑपरेशनल स्पीड 75 किमी प्रति घंटा होगी। ट्रायल रन के दौरान इसने 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार प्राप्त की थी। यह ट्रेन एक घंटे में 90 किमी का सफर तय कर सकती है। जबकि कई पुराने डीजल इंजन वाली ट्रेनों को इतनी दूरी तय करने में लगभग दो घंटे लग जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेलवे में व्यापक बदलाव लाने का संकल्प लिया था जो अब धरातल पर उतरा दिख रहा है। भारतीय रेलवे आगामी वर्षों में और भी आधुनिक बनने की तैयारी कर रहा है। सरकार का लक्ष्य व संकल्प भारतीय रेलवे को अधिक सुरक्षित, तेज और पर्यावरण के अनुकूल बनाना है यह हाइड्रोजन ट्रेन उसी लक्ष्य की दिशा में ले जाने वाली पहल है। संक्षिप्त इतिहास - भारत में पहली यात्री ट्रेन 16 अप्रैल 1853 को मुंबई के बोरीबंदर स्टेशन से ठाणे के बीच चलाई गई थी। यह ट्रेन 34 किमी की दूरी तय करती थी इसमें 14 डिब्बे थे1960 में भारतीय रेलवे ने डीजल इंजनों को अपनाना शुरू किया। इन इंजनों की मदद से लंबी दूरी की ट्रेनों का संचालन शुरू हुआ। मालगाड़ियों की क्षमता बढ़ी और रेलवे का विस्तार पहले की तुलना में तीव्रगति से हुआ। इसके पश्चात रेलवे में विद्युतीकरण का युग आया जिसमें बिजली से चलने वाले इंजन डीजल की तुलना में अधिक तीव्र ,कम प्रदूषण फैलाने वाले और ऊर्जा की दृष्टि से अधिक किफायती सिद्ध हुए। अब समय पूरी तरह से बदल चुका है। अब यात्रियों को सुविधाएं देने के लिए बेहतर तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है, वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी हाईस्पीड ट्रेनों,आधुनिक कोच, ऑटोमेटिक सिग्नल सिस्टम, कवच सुरक्षा प्रणाली, डिजिटल टिकटिंग और बेहतर स्टेशन सुविधाएं रेलवे को नई पहचान दे रही हैं। आगामी समय में बुलेट ट्रेनों की रफ्तार भी भारतीय जनमानस देखने वाला है।

सेहत मंत्र

सेहत के लिए अमृत जैसी है अमृता यानी गिलोय

आयुर्वेद में 50 से अधिक साधारण और कठिन बीमारियों में गिलोय यानी अमृता का प्रयोग अकेले या अन्य जड़ी बूटियों के साथ करने का विवरण मिलता है। दुनिया भर के वैज्ञानिकों ने अमृता के गुणों तथा उपयोगों पर रिसर्च करके पाया है कि अमृता में शरीर की प्रतिरोधक शक्ति अर्थात रोगों से लड़ने की क्षमता (इम्युनिटी) बढ़ाने के विशिष्ट गुण है, जिसके कारण यह अनेक रोगों में प्रभावशाली है। अमृत जैसे गुणों से भरी होने से इसे अमृता कहा गया है।

लिवर डिजीजः- वायरल इन्फ़ेक्शन, खान पान की गड़बड़ी या अन्य कारणों से लिवर की क्रिया गड़बड़ाती हैं। गैस बनती है, भूख कम हो जाती है। खाने के बाद पेट में भारीपन होने लगता है। कई आधुनिक दवाएं भी लिवर के लिए हानिकारक हैं। पित्त बनने और पित्त बहाव में बाधा से पीलिया या जान्डिस हो सकता है। आयुर्वेद में लिवर को सक्रिय करने के लिए अनेक दवाएं हैं, जिनमें अमृता प्रमुख है। यह लिवर की हर गड़बड़ी ठीक करने में सहायक है। यह बात आयुर्वेद के साथ रिसर्च में भी प्रमाणित हो चुकी है।

कैंसरः कैंसर के इलाज में कीमोथेरेपी और रेडियोथेरेपी चिकित्सा की जाती है। इनसे अनेक समस्याएं हो जाती हैं जैसे- भूख कम लगना,पाचन क्रिया में गड़बड़ी, श्वेत तथा लाल रक्त कणों का कम होना आदि। अमृता इम्युनिटी बढ़ाने के साथ ही अस्थि मज्जा की सक्रियता बढ़ाता है।

मधुमेहः मधुमेह रोगियों में ब्लडशुगर लेवल कम करने में अमृता का तना, पत्तियां और जड़ उपयोगी हैं। मधुमेह के कारण रोगियों की किडनी, लिवर तथा अन्य अंगों पर बुरा असर पड़ता है। अमृता के उपयोग से मधुमेह के कारण होनेवाले कुप्रभाव कम हो सकते हैं।

फायब्रायडः रोग की प्रारंभिक अवस्था में जब गांठ छोटी हो, तब छह माह तक अमृता का प्रयोग सुबह शाम करने से समस्या समाप्त होती है और मासिक धर्म भी सामान्य हो जाता है।

सोरायसिसः यह कठिन चर्म रोग है। लंबे समय तक अमृता लगाने एवं सेवन से लाभ होता है। साथ ही कुटकी, कुटज, मंजिठ, नीम, तीसी आदि के प्रयोग के साथ ही खानपान में परहेज से राहत मिलती है।

धर्म मंत्र

क्या है मंत्र साधना?

साधना से हमारा तात्पर्य अपने भगवान और मन को पूरी तरह एकाग्रचित होकर एक लक्ष्य, एक दिशा और एक इष्ट पर केंद्रित कर देना है। साधारण रूप से इष्ट वंदना, पूजा व ध्यान को हम साधना नहीं कह सकते हैं। एकाग्रता से लगातार ध्यान करते हुए लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना ही साधना है। साधना कोई भी हो, कैसी भी हो, कड़ी मेहनत व लगन चाहती है। चाहे वह अभिनेता हो, व्यापारी हो, छात्रा हो या कोई हो, सभी को लक्ष्य की प्राप्ति हेतु व उन्नति हेतु कठिन से कठिन परिश्रम करना पड़ता है। तभी लक्ष्य की प्राप्ति सम्भव है। किसी भी साधना के लिए या इष्ट साधना व ध्यान के लिए साधक में निम्न बातों का होना आवश्यक है-तन मन से स्वच्छ होना, पथ-प्रदर्शक का निर्देशन होना, संकल्प शक्ति का होना, उद्देश्य का स्पष्ट होना व साधना के प्रति अटूट विश्वास होना। बिना संकल्प, अटूट विश्वास व लगन के साधना करना व्यर्थ है। यदि संकल्प नित्य साधना में करें तो उत्तम है। वैसे संकल्प को संपूर्ण साधना काल में मंत्रा जपते समय मानसिक रूप से दोहराते रहें। जितना आप संकल्प के प्रति दृढ़ रहेंगे, उतनी ही जल्दी आपकी साधना सफल होगी। जिस प्रकार किसी राग का साधक धीरे-धीरे अपने अभ्यास से अपनी वाक शक्ति को जगाकर राग की रमणीयता उत्पन्न करता है, उसी प्रकार मंत्रा साधक को भी अनवरत प्रयास, अखंडित नियम, मंत्र जाप के लिए निश्चित समय को अपनाते हुए मंत्रा को सिद्ध करना चाहिए यानी सिद्धि प्राप्त करनी चाहिए। सिद्धि कोई चमत्कार नहीं है बल्कि यह साधक और मंत्र का ऐसा मिलन है जिसमें साधक और साध्य एकाकार हो जाते हैं यानी दोनों एक दूसरे में लीन हो जाते हैं।

पर्यटन

माइक्रो वेकेशन के लिए लैंसडाउन और अल्मोड़ा हैं युवाओं की पहली पसंद

इन दिनों माइक्रो वेकेशन लोगों के घूमने का पसंदीदा तरीका बन गया है। खासकर जेन जी लोग इस वेकेशन को काफी पसंद करते हैं। वहीं उन लोगों की तादाद भी अधिक है, जो 5 दिन ऑफिस में काम करते हैं। वहीं 2 दिन का वीक ऑफ मनाते हैं। बता दें कि माइक्रो वेकेशन एक छोटा हॉलिडे है। जिसमें 24 से 72 घंटों यानी 2 से 3 दिन की ट्रिप शामिल होती है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर वह कौन सी जगहें हैं, जहां पर माइक्रो वेकेशन को यादगार और मजेदार बनाया जा सकता है। अगर आप 2 से 3 दिन की एक छोटी सी ट्रिप प्लान कर रहे हैं। आप इन जगहों को अपनी ट्रेवल लिस्ट में शामिल कर सकते हैं।

लैंसडाउनः उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले में स्थित लैंसडाउन भी 2-3 दिन की ट्रिप के लिए बेस्ट है। यह दिल्ली से करीब 258 किमी है। यहां पर आप प्राकृतिक सुंदरता के साथ तारकेश्वर महादेव मंदिर, भुल्ला ताल, दरवान सिंह संग्रहालय, वॉर मेमोरियल और सेंट मैरी चर्च आदि एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कुफरीः हिमाचल प्रदेश में स्थित कुफरी शिमला से करीब 20 किमी दूर है। दिल्ली से यहां पहुंचने में करीब 7 से 8 घंटे का समय लगता है। क्योंकि यह जगह शिमला से थोड़ी ऊंचाई पर है, इसलिए ज्यादा ठंडी है। यहां पर आप फागू, कुफरी फन वर्ल्ड, महाशू पीक और हिमालयन नेचर पार्क आदि घूम सकते हैं।

नीमरानाः राजस्थान के अलवर जिले में दिल्ली-जयपुर हाइवे पर नीमराना है। यहां पर आने के बाद आपको भीड़ से अलग सुकून का एहसास होगा। यह दिल्ली से 121 किमी की दूरी पर है। यह जगह नीमराना पैलेस के लिए फ़ेमस है। यहां पर आप नीमराना बावड़ी, सरिस्का नैशनल पार्क और तिजारा फोर्ट पैलेस घूम सकते हैं।

अल्मोड़ाः अल्मोड़ा उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र का हिस्सा है, वहीं दूरी की बात करें तो दिल्ली से इसकी दूरी करीब 364 किमी है। यहां पर आप जागेश्वर धाम, बिनसर वाइल्डलाइफ सेंचुरी, कसर देवी मंदिर और जीरो प्वाइंट आदि को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

नीट उत्तीर्ण छात्र आदर्श सिंह का हुआ सम्मान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। रामनगर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कटारी सेमराई निवासी एवं नीट परीक्षा उत्तीर्ण छात्र आदर्श सिंह (पुत्र अवधेश सिंह) का शनिवार को समाजसेवी सुनील सिंह सेवक और आदित्य सिंह ने सम्मान किया। उन्होंने आदर्श सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं तथा उनकी सफलता को क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर दोनों ने छात्र का उत्साहवर्धन करते हुए निरंतर मेहनत और लगन से आगे बढ़ने का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री के लोधेश्वर दौरे की तैयारियां तेज, भाजपा ने की बैठक, मंडलायुक्त-डीआईजी ने किया स्थलीय निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 20 जुलाई को प्रस्तावित श्री लोधेश्वर महादेव धाम आगमन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। शनिवार को एक ओर भाजपा कार्यकर्ताओं की विशेष बैठक आयोजित कर कार्यक्रम को सफल बनाने की रणनीति बनाई गई, वहीं दूसरी ओर मंडलायुक्त राजेश कुमार और डीआईजी सोमेन वर्मा ने जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह के साथ कार्यक्रम स्थल का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

भाजपा जिलाध्यक्ष रामसिंह वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कार्यक्रम की व्यवस्थाओं, सुरक्षा, जनसहभागिता एवं विभिन्न जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रामबाबू द्विवेदी ने कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय स्थापित

करते हुए आयोजन को भव्य एवं सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री के आगमन को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया गया तथा सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में मंडल अध्यक्ष अमित सिंह, नवीन सिंह राठौर, विनय मिश्र, संदीप रावत, सुशील वर्मा, शेखर हयारन, मोनू भास्कर, ललित वर्मा सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उधर, शनिवार शाम मंडलायुक्त राजेश कुमार और डीआईजी सोमेन वर्मा ने जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह के साथ नंदी बाग स्थित प्रस्तावित हेलीपैड, मंच, वीआईपी मार्ग, बैरिकेडिंग, पार्किंग, सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को सभी तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त और डीआईजी ने सुरक्षा व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाएं, एंबुलेंस की उपलब्धता तथा कानून-व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने सभी विभागों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से तैयारियां पूरी करने के लिए निर्देशित किया।

इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गुंजिता अग्रवाल, मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन, अपर पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी, क्षेत्राधिकारी गरिमा पंत, उपजिलाधिकारी आकांक्षा गुप्ता, तहसीलदार विपुल सिंह, प्रभारी निरीक्षक अरुण प्रताप सिंह, डॉ. प्रणव कुमार श्रीवास्तव, डॉ. राजर्षि त्रिपाठी सहित लोक निर्माण, स्वास्थ्य, पुलिस, राजस्व एवं वन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

बाथरूम में फंदे से लटका मिला युवक का शव

मसौली बाराबंकी। सफदरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम रसौली तलहा में शनिवार तड़के 35 वर्षीय मनोज कुमार पुत्र राम आधार का शव घर के बाथरूम में फांसी के फंदे से लटका मिला। परिजनों के अनुसार वह रात करीब तीन बजे शौच के लिए घर से बाहर निकले थे। करीब चार बजे उनकी पत्नी बाथरूम पहुंचीं तो उन्हें फंदे से लटका देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। मृतक अपने पीछे वृद्ध मां और 12 वर्षीय पुत्री को छोड़ गए हैं।

यूरिया खाद के लिए किसानों का हंगामा

सिद्धौर बाराबंकी। साधन सहकारी समिति छूलापाही पर शनिवार को यूरिया खाद न मिलने से किसानों ने हंगामा किया। किसानों ने आरोप लगाया कि कई दिनों से टोकन लेकर आने के बावजूद खाद नहीं मिल रही, जबकि चहेते लोगों को प्राथमिकता दी जा रही है। एडीओ कृषि चंद्रिका प्रसाद ने बताया कि नेटवर्क खराब होने से वितरण प्रभावित हुआ है। समस्या दूर होते ही खाद वितरण शुरू कर दिया जाएगा।

एआरटीओ का बड़ा एक्शन रोडवेज बस सहित 62 वाहनों पर की सख्त कार्यवाही

बदायूँ। शासन और जिलाधिकारी के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष सड़क सुरक्षा अभियान के तहत परिवहन विभाग ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए परिवहन निगम की एक रोडवेज बस समेत 63 वाहनों का चालान किया। अभियान के दौरान यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों पर सख्त कार्रवाई की गई। प्रवर्तन टीम ने पीतल नगरी डिपो की एक रोडवेज बस का चालान किया। बस चालक पर बीच सड़क वाहन खड़ा करने, अन्य वाहनों को साइड न देने, बीच सड़क पर सवारी चढ़ाने-उतारने, नो पार्किंग में बस खड़ी करने तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करते हुए वाहन संचालन करने के आरोप में कार्रवाई की गई। इसके अलावा अभियान के दौरान 62 अन्य वाहनों के भी चालान किए गए। इनमें रॉन्ग साइड ड्राइविंग, बिना हेलमेट वाहन चलाना, सीट बेल्ट का उपयोग न करना, रिफ्लेक्टर संबंधी नियमों का उल्लंघन तथा अन्य यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन शामिल रहे। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील करते हुए कहा कि ऐसे विशेष प्रवर्तन अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

असंद्रा पुलिस के कृत्य से दुर्दशा का शिकार हुए अज्ञात शव की हुई शिनाख्त, असंद्रा थाना क्षेत्र का ही निकला मृतक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामसनेहीघाट बाराबंकी/अयोध्या। कल्याणी नदी में मिले अज्ञात शव को लेकर चर्चाओं के बीच आखिरकार शव की पहचान हो गई है। अयोध्या जनपद के थाना मवई प्रभारी ने बताया कि लगातार प्रयास के बाद अज्ञात शव की शिनाख्त उत्तम चन्द पुत्र स्वर्गीय हरीराम के रूप में हुई जो कि थाना असंद्रा क्षेत्र का ही निवासी निकला, मृतक की पहचान उसके भाई ने की है। मवई थाना प्रभारी के अनुसार रविवार को शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा, जिसके बाद अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि इसी शव को लेकर पहले असंद्रा पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठे थे। आरोप है कि कल्याणी नदी में मिले शव को अपनी सीमा से बाहर हटाने का प्रयास किया गया, जिससे शव की पहचान और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया में विलंब हुआ। इस मामले का बयान वीडियो सामने आने के बाद पुलिस की कार्यशैली को लेकर व्यापक चर्चा हुई थी और विभागीय जांच भी शुरू की गई थी। जिसके चलते दो पुलिस कर्मी लाईन हाजिर भी हुए हैं।

असंद्रा पुलिस संवेदनहीन न होती तो शिनाख्त जल्दी होती

अब यह तथ्य सामने आने के बाद कि मृतक असंद्रा थाना क्षेत्र का ही निवासी था, मामले ने नया मोड़ ले लिया है। इससे यह प्रश्न और गहरा हो गया है कि यदि दिलावलपुर असंद्रा पुलिस प्रारंभिक स्तर पर शव को विधिसम्मत तरीके से कब्जे में लेकर पहचान कराने का प्रयास किया जाता, तो परिजनों तक सूचना समय पर पहुंचाई जा सकती थी।वहीं, अयोध्या जनपद की मवई थाना पुलिस ने नदी से शव बरामद कर उसकी पहचान कराने के लिए लगातार प्रयास किए, जिसके परिणामस्वरूप मृतक की शिनाख्त संभव हो सकी। मामले में विभागीय जांच जारी है और जांच के निष्कर्ष के आधार पर संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की संभावना बनी हुई है।पुरूषोत्तम दास पुत्र हरीराम निवासी पूरे लोध मजरे अमहिया थाना असंद्रा जनपद बाराबंकी ने शव की शिनाख्त करते हुए बताया कि उसका भाई उत्तम चन्द उम्र करीब 42 वर्ष 14 जुलाई को अपने घर असंद्रा थाना क्षेत्र के सरसा राठौर गया था जो कि गायब हो गया था जिसके संबंध में 15 जुलाई को थाना असंद्रा इंचार्ज को लिखित तौर पर सूचित किया था।

गीता का ज्ञान ही सत्य, धर्म और शांति का मार्ग : स्वामी अड़गड़ानंद महाराज

मीरजापुर,। उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर में चुनार क्षेत्र स्थित परमहंस आश्रम, सक्तेशगढ़ में शनिवार दोपहर आयोजित सत्संग में हजारों श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आश्रम के स्वामी अड़गड़ानंद महाराज ने कहा कि मानव जीवन में सत्य, धर्म और शांति की प्राप्ति का एकमात्र साधन श्रीमद्भगवद्गीता का ज्ञान है। उन्होंने कहा कि गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की संपूर्ण कला और विज्ञान है। सत्संग हाल में अपने आशीर्वचन के दौरान स्वामी जी ने कहा, ''सत्य के मार्ग पर चलने के लिए गीता का ज्ञान आवश्यक है। जिसके पास गीता का ज्ञान नहीं है, वह जीवन में भटकता रहता है।'' उन्होंने कहा कि आज का मनुष्य सुख और शांति की तलाश धन, पद और भौतिक संसाधनों में कर रहा है, जबकि वास्तविक आनंद और मानसिक संतुलन केवल गीता के सिद्धांतों को अपनाने से प्राप्त हो सकता है।

मथुरा के केएम मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की सीटें बढ़कर हुईं 250

मथुरा । उत्तर प्रदेश के जनपद मथुरा के केएम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के लिए एक बड़ी कामयाबी मिली है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के मेडिकल असेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड (एमएआरबी) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कॉलेज में एमबीबीएस की 50 अतिरिक्त सीटों पर नामांकन को मंज़ूरी दे दी है। इस फैसले के बाद अब संस्थान की कुल सीट क्षमता 200 से बढ़कर 250 हो गई है। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी व कुलपति डॉ. एनसी प्रजापति ने प्रेस वार्ता करते हुए इसे एक ऐतिहासिक दिन बताया। कहा कि काफी कम समय में 250 सीटें हासिल करना सभी की कड़ी मेहनत को दर्शाता है। आज केएम विश्वविद्यालय चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक मील का पत्थर बनकर उभरा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पूरन सिंह, पशु चिकित्सालय के विभागाध्यक्ष डॉ. अजय प्रकाश और पूर्व मेडिकल प्राचार्य डॉ. पीएन भिसे ने विश्वविद्यालय के सभी फैकल्टी के विभागाध्यक्षों, चिकित्सकों, यूजी-पीजी डॉक्टर्स सहित विश्वविद्यालय व अस्पताल के अधिकारी-कर्मचारियों और नर्सिंग स्टाफ को बधाई व शुभकामनाएं दीं।

कोलकाता मेल एक्सप्रेस के एस-थ्री कोच में दो संदिग्धों के पास से मिला 28 लाख की नकदी,जांच जारी

वाराणसी । उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन पर जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने विशेष चेकिंग अभियान के दौरान कोलकाता मेल एक्सप्रेस के एस-थ्री कोच से दो संदिग्ध यात्रियों को गिरफ्तार किया है। तलाशी में उनके पास मिले बैग से 28 लाख रुपये नकद बरामद हुए हैं। दोनों से पूछताछ और रकम को लेकर जांच जारी है।

जीआरपी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह ने बताया कि पूछताछ के दौरान दोनों यात्री इस रकम से जुड़े कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सके। पकड़े गए युवकों की पहचान मध्य प्रदेश के जबलपुर निवासी राहुल सोनी और पुष्प कुमार के रूप में हुई है। बरामद नकदी और दोनों आरोपितों को आगे की जांच के लिए आयकर विभाग, वाराणसी के सुपुर्द कर दिया गया है। आयकर की टीम उन्हें लेकर पूछताछ के लिए रवाना हो गई है।

सिरौलीगौसपुर में 18 शिकायतें, 6 का निस्तारण

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। तहसील समाधान दिवस में शनिवार को 18 शिकायतें मिलीं, जिनमें से 6 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। तहसीलदार डॉ. अनुराग ने संबंधित अधिकारियों को शेष मामलों का जल्द निस्तारण करने के निर्देश दिए।

रामसनेहीघाट समाधान दिवस में 132 शिकायतें

रामसनेहीघाट बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में 132 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 24 का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

देश और मिल्लत की सुरक्षा में जमीयत उलेमा-ए-हिंद की भूमिका ऐतिहासिक : मौलाना क़ासमी

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। मदरसा शहाबुल उलूम, शहाबपुर में आयोजित जमीयत उलेमा-ए-हिंद ज़िला बाराबंकी की परामर्श बैठक में उत्तर प्रदेश के नाज़िम-ए-आला मौलाना अमीनुल हक़ अब्दुल्लाह क़ासमी ने कहा कि देश और मिल्लत की सुरक्षा तथा देश की आज़ादी की लड़ाई में जमीयत उलेमा-ए-हिंद की भूमिका ऐतिहासिक और गौरवशाली रही है। उन्होंने कहा कि आज भी संगठन सामाजिक, शैक्षिक और राष्ट्रीय मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभा रहा है। उन्होंने संगठन को और मजबूत बनाने पर जोर देते हुए निर्देश दिए कि स्थानीय स्तर पर साप्ताहिक, तहसील स्तर पर पंद्रह दिन में तथा ज़िला स्तर पर मासिक बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाएं। साथ ही दीनी तालीम, समाज सुधार, आदर्श मस्जिद योजना, दर्स-ए-क़ुरआन, दर्स-ए-हदीस, मकतबों की स्थापना तथा विभिन्न विभागों को सक्रिय रूप से संचालित करने का आह्वान किया। बैठक की शुरुआत कारी मुहम्मद फ़ज़ैल की क़ुरआन तिलावत और मसऊद आलम की नात-ए-पाक से हुई। अध्यक्षता ज़िला अध्यक्ष कारी मुहम्मद अल्लाह ने तथा संचालन महासचिव मौलाना मुहम्मद जमाल क़ासमी ने किया। इस अवसर पर ज़िला सचिव मौलाना सैयद अज़हर क़ासमी सहित प्रदेश एवं ज़िले के अनेक पदाधिकारी, उलेमा और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में मौलाना शादाब क़ासमी ने आभार व्यक्त किया तथा हाफ़िज़ उबैदुल्लाह बनारसी की दुआ के साथ बैठक का समापन हुआ।

श्रद्धा और सेवा भाव के साथ मनाया, महंत राजू दास का जन्मदिन, रोपा 'पिता के नाम एक पेड़'

मसौली बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। अयोध्या स्थित सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी के प्रमुख संत एवं हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत राजू दास जी महाराज का जन्मोत्सव धार्मिक उल्लास, भक्ति और सेवा भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवतदास हनुमान मंदिर परिसर में ''पिता के नाम एक पेड़'' अभियान के तहत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के जिला प्रभारी छोटा योगी मोहित हिंदू ने महंत राजू दास को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए प्रभु श्रीराम से उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर जनसेवा की कामना की। उन्होंने कहा कि महंत राजू दास ने हिंदू समाज के हितों और धार्मिक मूल्यों की रक्षा के लिए सदैव संघर्ष किया है तथा संगठन उनके नेतृत्व में समाज सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाता रहेगा। जन्मोत्सव के अवसर पर हनुमान मंदिर बाबा कुटी में विशेष पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद मंदिर परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष जितेंद्र वर्मा, मंदिर पुजारी बाबा रामलाल दास, उत्तम गिरी जी महाराज, धर्माचार्य प्रकोष्ठ के जिला महामंत्री मनीष पाठक, जिला उपाध्यक्ष पवन, राहुल, धर्मेंद्र यादव, लल्ला विश्वकर्मा, गुड्डू सहित बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मानसून सत्र में रोजगार, किसान समेत जनहित के मुद्दे उठाएंगे आंवला सांसद नीरज मौर्य

एजेंसी

बरेली । उत्तर प्रदेश के आंवला लोकसभा क्षेत्र के सांसद नीरज मौर्य ने शनिवार को कहा है कि 20 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र में वह क्षेत्र और देशहित से जुड़े जनसरोकार के अहम मुद्दों को प्रमुखता से उठाएंगे। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य सरकार से जवाबदेही तय कराना और आम जनता से जुड़े विषयों पर ठोस कार्रवाई सुनिश्चित कराना है। शनिवार को सर्किट हाउस में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने रोजगार, किसानों, शिक्षा, स्मार्ट सिटी, स्वास्थ्य, भ्रष्टाचार और चुनावी पारदर्शिता सहित कई मुद्दों को संसद में उठाने की बात कही। सांसद नीरज मौर्य ने कहा कि युवाओं के सामने रोजगार सबसे बड़ी चुनौती है। इसलिए संसद में नई रोजगार नीति और रोजगार के अवसर बढ़ाने का मुद्दा

प्रमुखता से रखा जाएगा। इसके साथ ही सरकारी विद्यालयों की गिरती शिक्षा व्यवस्था, लगातार कम हो रहे छात्र नामांकन और शिक्षक भर्ती में टीईटी की अनिवार्यता की समीक्षा जैसे विषयों पर भी सरकार से जवाब मांगा जाएगा। उन्होंने कहा कि युवाओं की विभिन्न भर्ती प्रक्रियाओं में आ रही समस्याओं और नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर भी सवाल उठाए जाएंगे। स्थानीय मुद्दों का उल्लेख करते हुए नीरज मौर्य ने कहा कि आंवला और बरेली क्षेत्र की समस्याओं को भी वह पूरी मजबूती से संसद में रखेंगे। किसानों के लिए पर्याप्त खाद की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के साथ ही लंबे समय से बंद पड़ी रबर फैक्ट्री के मामले में सरकार और कर्मचारियों के बीच संवाद स्थापित कर समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा। इसके अलावा 300 बेड अस्पताल को उसकी पूरी क्षमता के साथ संचालित कराने और बरेली में एम्स की स्थापना के लिए सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष जारी रहेगा।

प्रेसवार्ता के दौरान जिला अध्यक्ष शुभलेश यादव, पीयूष वर्मा, डॉ. नरेंद्र गौतम, मयंक शुक्ला, सत्यवीर चौहान, संजय शास्त्री, शगुन तोमर, शिवकुमार शाक्य समेत पार्टी के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वाराणसी नगर निगम कार्यकारिणी चुनाव में समाजवादी पार्टी ने गठबंधन धर्म नहीं निभाया : राघवेंद्र चौबे

वाराणसी । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले ही इंडी गठबंधन में राजनीतिक समीकरणों को लेकर खटास और मतभेद दिखने लगा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के नगर निगम कार्यकारिणी के चुनाव में गठबंधन के प्रमुख दल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी में टकराहट व मतभेद साफ खुलकर सामने आ गया। वाराणसी नगर निगम कार्यकारिणी चुनाव को लेकर शनिवार को वाराणसी महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने अपने पार्टी के पार्षदों के साथ पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया कि सपा ने गठबंधन धर्म नही निभाया।

उन्होंने दो टूक कहा कि निगम के कार्यकारिणी चुनाव में सपा ने अपने वचन का उल्लंघन किया है। इसके लिए उन्होंने सीधे तौर पर सपा महानगर अध्यक्ष और पार्षद दल के नेता को जिम्मेदार ठहराया। पत्रकार वार्ता में चौबे ने बताया कि पिछले नगर निगम के कार्यकारिणी चुनाव में, कांग्रेस ने पूरी निष्ठा और समर्थन के साथ समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों का साथ दिया था, जिसके परिणामस्वरूप सपा के पार्षद अमरदेव यादव और प्रमोद यादव निर्वाचित हुए थे। उन्होंने कहा कि उस समय सपा के नेताओं और पार्षद दल ने लिखित में आश्वासन दिया था कि आगामी चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी को समर्थन मिलेगा। लेकिन इस बार जब कांग्रेस ने अपने अधिकृत प्रत्याशी और पार्टी के नेता गुलशन अंसारी को मैदान में उतारा, तो सपा का स्थानीय नेतृत्व अपने ही वचन से मुकर गया। चौबे ने कहा, ''यह गठबंधन की भावना और राजनीतिक नैतिकता के खिलाफ है, जिसने पार्टी के बीच विश्वास को आघात पहुंचाया है।

राघवेंद्र चौबे ने कहा कि कांग्रेस इस पूरे घटनाक्रम की विस्तृत रिपोर्ट उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी और शीर्ष नेतृत्व को सौंपेगी, और स्पष्ट करेगी कि वाराणसी में समाजवादी पार्टी के नेताओं ने लिखित आश्वासन का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सदैव अपने सहयोगियों का सम्मान करती आई है, लेकिन इस बार सपा के स्थानीय नेतृत्व ने अपने वचन से पीछे हटकर जनता और कार्यकर्ताओं का भरोसा तोड़ा है। इस दौरान कांग्रेस पार्षद दल के नेता गुलशन अली, रमजान अली, तुफैल, ओकाश अंसारी, बेलाल अहमद, धीरज सोनकर और किशन यादव सहित अनेक वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस : 239 शिकायतों में से 25 का मौके पर निस्तारण

देवरिया । जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी की अध्यक्षता में शनिवार को सलेमपुर तहसील सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 239 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 25 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष 214 मामलों को संबंधित विभागों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए भेजा गया। इस दौरान राजस्व विभाग की 109, पुलिस विभाग की 40, विकास विभाग की 25, शिक्षा विभाग की 4, स्वास्थ्य विभाग की 7, समाज कल्याण विभाग की 11 तथा अन्य विभागों की 43 शिकायतें शामिल रहीं। इस दौरान जिलाधिकारी ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

रामपुर : जौहर यूनिवर्सिटी की 3.5 किलोमीटर लंबी सड़क आवाजाही के लिए हुई सार्वजनिक

एजेंसी

रामपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद रामपुर में पूर्व कैबिनेट मंत्री व समाजवादी पार्टी(सपा) के कद्दावर नेता मौहम्मद आज़म खान की मौलाना मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी की 3.5 किलोमीटर लंबी सड़क अब पूरी तरह आवाजाही के लिए सार्वजनिक कर दी गई है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इसे सरकारी सड़क घोषित कर दिया है। विभाग ने यूनिवर्सिटी के गेट पर बोर्ड लगाकर सड़क को लोक निर्माण विभाग की संपत्ति बताते हुए इसे सार्वजनिक मार्ग घोषित किया है। इस सड़क के निर्माण पर 13 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2003-04 में मुलायम सिंह के मुख्यमंत्री रहने के दौरान आजम खां ने जौहर विश्वविद्यालय के प्रस्तावित मानचित्र में मौजूद मुख्य द्वार से होते हुए लोक निर्माण विभाग से लगभग साढ़े तीन किमी. लंबी सड़क का निर्माण

कराया था। प्रदेश में दोबारा सपा सरकार बनने पर विश्वविद्यालय का निर्माण पूरा कराया गया। इसके बाद मई 2016 में त्वरित आर्थिक विकास योजना के तहत इस सड़क के चौड़ीकरण के लिए 17 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत कराया गया। 13 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से सड़क का चौड़ीकरण कराया गया। वर्ष 2019 में जौहर विश्वविद्यालय में सरकारी बजट के उपयोग की शिकायत पर तत्कालीन जिलाधिकारी ने नौ सदस्यीय टीम गठित कर जांच कराई। जांच के दौरान निजी विश्वविद्यालय में सरकारी बजट से कराए गए कार्यों के रिकॉर्ड सामने आए। तत्कालीन डीएम ने मामले को भ्रष्टाचार मानते हुए उच्चस्तरीय जांच और कार्रवाई के लिए रिपोर्ट शासन को भेज दी थी। इसके बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया था।

रामपुर के जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने शनिवार को बताया कि सरकारी बजट से बनी इस सड़क का उपयोग अब तक केवल विश्वविद्यालय प्रशासन के अधिकार क्षेत्र में था। लेकिन अब लोक निर्माण विभाग ने यूनिवर्सिटी के गेट पर बोर्ड लगाकर इसे आम रास्ता घोषित कर दिया है। बोर्ड लगने के बाद इस सड़क से लोगों की आवाजाही शुरू कराने की तैयारी की जा रही है। इसका बोर्ड भी लगा दिया गया है। अब इस सड़क से कोई भी गुजर सकता है।

लॉर्ड्स पर निर्णायक वनडे में नजरें रोहित पर

एजेंसी

लंदन। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ निर्णायक तीसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच के लिये जब रविवार को लॉडर्स पर उतरेगी तो समूचे क्रिकेट जगत की नजरें 'हिटमैन' रोहित शर्मा पर लगी होंगी। तमाम अटकलों के बीच बीसीसीआई ने साफ तौर पर कहा है कि यह रोहित के कैरियर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं होगा लेकिन पहले दो मैचों में नाकाम रहे भारत के पूर्व कप्तान खुद को साबित जरूर करना चाहेंगे। फ्रंटफुट पर बेहतरीन पूल शॉट खेलने और स्पिनरों को मैदान के चारों ओर खेलने वाले रोहित इस श्रृंखला में उस लय में नहीं दिखे जिससे इन अटकलों को बल मिला कि 39 वर्ष का यह दिग्गज अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाला वनडे विश्व कप नहीं खेल सकेगा। कार्डिफ की कठिन पिच पर रोहित ने नौ डॉट गेंदें खेली जिसके बाद आउट हो गए। 'क्रिकेट का घर' कहे जाने वाले लॉडर्स पर बल्लेबाजों की मददगार पिच पर शायद उन्हें लय हासिल करने में मदद मिले। बतौर कप्तान रोहित ने मोर्चे से अगुवाई करते हुए हमेशा पावरप्ले में जोखिमभरे शॉट्स खेले हैं। उनके प्रशंसक

रविवार को उसी रोहित को देखना चाहते हैं। पहले दस ओवर में उन्हें जोफ्रा आर्चर की तूफानी गेंदों का सामना करना होगा। कप्तान शुभमन गिल भी बड़ी पारी खेलना चाहेंगे जो सोफिया गार्डंस पर आसानी से आउट हो गए थे। दूसरी ओर विराट कोहली का शानदार फॉर्म बरकरार है। वह बृहस्पतिवार को दूसरे शतक की ओर बढ रहे थे लेकिन आर्चर की गेंद पर आउट हो गए जिसके बाद भारत का मध्यक्रम ढह गया और टीम को पराजय का सामना करना पड़ा। अब भारतीय टीम उससे सबक लेकर उतरेगी। केएल राहुल की जगह उतरे ईशान किशन शॉर्ट गेंद पर विकेट गंवा बैठे। उछलती गेंदों के सामने भारतीय बल्लेबाजों की कमजोरी जाहिर हो गई।श्रेयस अय्यर ने मध्यक्रम में अच्छा खेला और आदिल रशीद के साथ स्पिनरों का बखूबी सामना किया। गेंदबाजी में कुलदीप यादव को उतारा जा सकता है क्योंकि वॉशिंगटन सुंदर चोटिल हैं। रविंद्र जडेजा की गैर मौजूदगी में अक्षर पटेल ने स्पिन हरफनमौला का काम अच्छे से किया है। भारतीय गेंदबाजों को जो रूट के बल्ले पर अंकुश लगाना होगा जो कोहली की तरह रन बनाये जा रहे हैं। रूट के अलावा इंग्लैंड के बाकी बल्लेबाजों ने कुछ खास नहीं किया है।

टीमें :

भारतः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, प्रिंस यादव।

इंग्लैंडः हैरी ब्रूक (कप्तान), बेन डकेट, जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंटन, जो रूट, जैकब बेथेल, विल जैक्स, रेहान अहमद, लियाम डॉसन, जेम्स कोल्स, सैम कुरेन, गस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, जोस टंग, साकिब महमूद, आदिल राशिद।

फुटबॉल की बादशाहत के लिये मेस्सी की अर्जेंटीना के सामने स्पेन की दीवार

एजेंसी

न्यूयॉर्क। एक ओर लियोनेल मेस्सी का करिश्मा है तो दूसरी तरफ टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल गंवाने वाली स्पेन का अभेद डिफेंस। विश्व फुटबॉल की बादशाहत के लिये मौजूदा चैम्पियन अर्जेंटीना का सामना रविवार को स्पेन से होगा तो 'आक्रमण और बचाव' की रोचक जंग देखने को मिलेगी।

2010 की चैम्पियन स्पेन ने टूर्नामेंट में फाइनल तक के सफर में सिर्फ एक गोल क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम के खिलाफ गंवाया है जबकि अर्जेंटीना ने अब तक इस टूर्नामेंट में सात मैचों में सबसे ज्यादा 19 गोल दागे हैं। यह मुकाबला केवल दो टीमों के बीच नहीं, बल्कि दो अलग अलग फुटबॉल शैलियों का भी है। अर्जेंटीना ने पूरे टूर्नामेंट में दबाव के क्षणों से निकलकर जीत हासिल की है, जबकि स्पेन ने गेंद पर नियंत्रण, मजबूत रक्षापंक्ति और सामूहिक खेल के दम पर फाइनल तक का सफर तय किया है। स्पेन ने सेमीफाइनल में खिताब की सबसे प्रबल दावेदार कीलियन एमबाप्पे की फ्रांस को 2-0 से हराकर जाहिर कर दिया कि वह किसी के रसूख से घबराने वाली टीम नहीं है। खिताबी मुकाबले को बार्सीलोना के पूर्व नंबर 10 मेस्सी और वर्तमान में 10 नंबर जर्सी पहनने वाले स्पेन के लामिन यमाल के बीच मुकाबले के तौर पर भी देखा जा रहा है। फाइनल से पहले मेस्सी और यमाल की वायरल हुई दो दशक पुरानी तस्वीर ने इसे और रोचक मोड़ दे दिया है जिसमें मेस्सी बाथटब में 'बेबी यमाल' को नहलाते दिख रहे हैं। अब देखना यह है कि अर्जेंटीना 1958 और 1962 में ब्राजील के बाद लगातार दूसरी बार विश्व कप जीतने वाली टीम बनती है या स्पेन एक बार फिर 'जाइंटकिलर' साबित होता है।

सोबर्स में वह सब कुछ था, जैसा हम बनने का सपना देखते थे : गावस्कर

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि सर गारफील्ड सोबर्स इस धरती पर महानतम क्रिकेटर थे और उनमें वह सब कुछ था जैसा एक बच्चे के रूप में बल्ला या गेंद उठाते हुए हम बनने क सपना देखते थे। क्रिकेट के इतिहास के महानतम हरफनमौला माने जाने वाले सोबर्स का शुक्रवार को बारबाडोस में 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह 11 दिन बाद अपना 90वां जन्मदिन मनाने वाले थे। गावस्कर ने कहा ,'' यह क्रिकेट के लिये सबसे दुखद दिन है। इस धरती के सबसे महान क्रिकेटर ने हमसे विदा ली। कोई भी शब्द क्रिकेटर सर गारफील्ड सोबर्स के बारे में बयां करने के लिये काफी नहीं है। उन्होंने कहा ,'' जब बच्चे के रूप में हमने बल्ला या गेंद पकड़ा था तो जैसा बनने का हम सपना देखते थे, वह वैसे ही थे। उन्होंने कहा, सारी यादें जेहन में घूम रही है और हमेशा मेरे दिल में रहेंगी। ईश्वर आपकी आत्मा को शांति दे सर गारफील्ड।

विश्व कप का फाइनल खेलना हमारा सपना, इतिहास रचना चाहती है टीम : सलीमा टेटे

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा है कि एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप 2026 में टीम का लक्ष्य सिर्फ अच्छा प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि फाइनल तक पहुंचकर इतिहास रचना है। उन्होंने कहा कि एफआईएच नेशंस कप का खिताब जीतने के बाद टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है और सभी खिलाड़ी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों को चुनौती देने के लिए तैयार हैं। 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित होने वाले महिला हॉकी विश्व कप में भारत को पूल-डी में चीन, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के साथ रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 16 अगस्त को चीन के खिलाफ करेगा। विश्व कप में पहली बार भारतीय टीम की कप्तानी करने जा रही सलीमा ने हॉकी इंडिया को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''यह मेरे लिए बेहद खास एहसास है। मैं उत्साहित भी हूं

और थोड़ी घबराहट भी है, क्योंकि हॉकी का यह सबसे बड़ा टूर्नामेंट है और भारत की कप्तानी करना बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। हर खिलाड़ी विश्व कप खेलने का सपना देखता है और मुझे टीम की कप्तानी का मौका मिला है, जिससे यह और भी खास हो गया है। उन्होंने आगे कहा, पिछले विश्व कप में हमने अच्छा हॉकी खेला था, लेकिन नतीजे हमारे पक्ष में नहीं रहे। इस बार हम सभी फाइनल तक पहुंचने और उससे भी आगे जाने की बात कर रहे हैं। यही हमारा साझा सपना है। मेरी पहली जिम्मेदारी अच्छा प्रदर्शन करना है, ताकि अपने खेल से टीम का नेतृत्व कर सकूं। साथ ही मैं खासकर युवा खिलाड़ियों की हर संभव मदद करना चाहती हूं। युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के संतुलन पर सलीमा ने कहा, ''इस टीम की सबसे बड़ी ताकत आपसी संवाद है।

यूपीआई पर एमडीआर लागू करने से पहले लागत के बोझ पर विचार जरूरी: उद्योग विशेषज्ञ

एजेंसी

नयी दिल्ली। एकीकृत भुगतान प्रणाली (यूपीआई) लेनदेन पर व्यापारी छूट दर (एमडीआर) लागू करने को लेकर जारी बहस इस बात पर केंद्रित होनी चाहिए कि आखिरकार इसका वित्तीय बोझ कौन उठाएगा, न कि इस बात पर कि भुगतान कंपनियों को टिकाऊ आय मॉडल की आवश्यकता है या नहीं। उद्योग विशेषज्ञों ने यह राय व्यक्त की है। यूपीआई भुगतान पर एमडीआर वह शुल्क है जो डिजिटल लेनदेन की प्रक्रिया के लिए व्यापारियों (मर्चेंट्स) से लिया जाता है। इसके बैंकों या भुगतान मंचों द्वारा पूरी तरह वहन किए जाने की संभावना बहुत कम है। इसके बजाय, यह व्यवसायों के लिए एक अतिरिक्त परिचालन लागत बन जाएगा, जिससे उनके मुनाफ़े पर दबाव पड़ सकता है, निवेश सीमित हो सकता है और उपभोक्ताओं को छूट देने की उनकी क्षमता कम हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि हालांकि व्यापारी शुरू में इस अतिरिक्त लागत को खुद वहन कर सकते हैं, लेकिन आगे चलकर इसके कारण ग्राहकों को मिलने वाली पेशकश और छूट में कमी आ सकती है या वस्तुओं व सेवाओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। यह स्थिति व्यापार करने की लागत को कम करने और खपत को बढ़ावा देने के व्यापक नीतिगत प्रयासों को प्रभावित कर सकती है। विशेषज्ञों ने कहा कि इसका सबसे गहरा असर छोटे व्यापारियों, किराना दुकानों और उन अन्य व्यवसायों पर पड़ने की आशंका है जिन्होंने हाल के वर्षों में डिजिटल भुगतान को अपनाया है। एमडीआर की मामूली दर भी कम मूल्य वाले लेनदेन के लिए यूपीआई की स्वीकार्यता को हतोत्साहित कर सकती है, जिससे डिजिटल भुगतान अपनाने की रफ्तार धीमी हो सकती है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों द्वारा डिजिटल भुगतान स्वीकार न करने या कम करने का असर व्यापक डिजिटल वाणिज्य परिवेश पर भी पड़ेगा। जो उपभोक्ता बिना किसी शुल्क और रुकावट के यूपीआई भुगतान के आदी हो चुके हैं, यदि व्यापारी यूपीआई लेनदेन को हतोत्साहित करने लगेंगे या बढ़ी हुई लागत का बोझ उन पर डालने लगेंगे, तो ग्राहकों के लिए भी डिजिटल भुगतान का उपयोग करने का प्रोत्साहन कम हो जाएगा। विशेषज्ञों के अनुसार, यह चर्चा केवल भुगतान के अर्थशास्त्र तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक राष्ट्रीय डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के रूप में यूपीआई की भूमिका से जुड़ी है। विशेषज्ञों के अनुसार, प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि बैंकों, भुगतान कंपनियों और अन्य हितधारकों के पास भुगतान परिवेश में निवेश जारी रखने के लिए पर्याप्त प्रोत्साहन हो, लेकिन इसके लिए व्यापार करने की लागत नहीं बढ़नी चाहिए, न ही उपभोक्ता मांग कमजोर होनी चाहिए और न ही डिजिटल अपनाने की गति धीमी होनी

एआई से आईटी सेवाओं की भूमिका घटने के बजाय अधिक महत्वपूर्ण बनेगी: आनंद महिंद्रा

एजेंसी

नयी दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी टेक महिंद्रा के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने कृत्रिम मेधा (एआई) के कारण भारतीय आईटी सेवा उद्योग के खत्म होने की आशंका को निराधार बताते हुए शुक्रवार को कहा कि इस क्षेत्र की भूमिका घटने की जगह समय के साथ अधिक महत्वपूर्ण होती जाएगी। महिंद्रा ने टेक महिंद्रा की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को संबोधित करते हुए कहा कि भारत केवल बाहर विकसित प्रौद्योगिकी का उपभोक्ता बनकर नहीं रह सकता है, बल्कि उसे एआई के क्षेत्र में निर्माता, आकार देने वाला और भरोसेमंद उपयोगकर्ता भी बनना होगा। उन्होंने कहा कि भारत की ताकत 'अभाव से प्रेरित नवाचार' में निहित है। उन्होंने मिसाल के तौर पर 'परम' सुपरकंप्यूटर का जिक्र करते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी सीमाएं भी देश में स्वदेशी नवाचार को बढ़ावा दे

सकती हैं। महिंद्रा ने कहा कि यही सोच 'संप्रभु एआई' के विकास में भी झलकनी चाहिए, जिसमें घरेलू क्षमता, भरोसेमंद साझेदारी और आत्मनिर्भरता अहम भूमिका निभाएंगी। उन्होंने बताया कि 'इंडिया एआई मिशन' के तहत टेक महिंद्रा का चुना जाना कंपनी के लिए बड़ी जिम्मेदारी है और कंपनी इसे बहुत गंभीरता से लेती है। महिंद्रा ने कहा कि एआई पुराने कारोबारी मॉडल को चुनौती देगा, लेकिन इसके साथ यह नए अवसर भी पैदा करेगा और आने वाले समय में रोजगार तथा नवाचार के सबसे बड़े स्रोतों में से एक बन सकता है।

रिजर्व बैंक ने नियमों का पालन न करने पर मुथूट फाइनेंस सहित छह कंपनियों पर जुर्माना लगाया

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने नियमों का पालन न करने के लिए छह कंपनियों पर जुर्माना लगाया है। रिजर्व बैंक ने इन कंपनियों पर विभिन्न नियामकीय कमियों और उल्लंघनों की वजह से 2.70 लाख से लेकर 6.20 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया है। इनमें गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी मुथूट फाइनेंस भी शामिल है।

आरबीआई की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार सेंट्रल बैंक ने मुथूट फाइनेंस पर 5.80 लाख रुपये, सत्या माइक्रोकैपिटल लिमिटेड और पैन एमामी कॉस्मेड पर 3.10-3.10 लाख रुपये, धनी लोन्स एंड सर्विसेज और मुथूट व्हीकल एंड एसेट फाइनेंस पर 2.70-2.70 लाख रुपये और अवेल फाइनेंशियल सर्विसेज पर 6.20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। रिजर्व बैंक ने बताया कि मुथूट फाइनेंस पर जुर्माना इसलिए लगाया है, क्योंकि वह खातों के जोखिम वर्गीकरण की समय-समय पर समीक्षा करने की व्यवस्था को लागू करने में विफल रही है।

इसके अलावा संदिग्ध लेनदेन की प्रभावी पहचान तथा सूचना के लिए मजबूत सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल नहीं किया। इसी प्रकार अलग अलग कारणों से अवेल फाइनेंशियल सर्विसेज, पैन एमामी कॉस्मेड और सत्य माइक्रोकैपिटल तथा अन्य पर भी जुर्माना लगाया गया है।

मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम, अमेजन इंडिया के बीच ई-कॉमर्स निर्यात बढ़ाने के लिए समझौता

एजेंसी

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम (एमपीएसआईडीसी) और अमेजन इंडिया ने राज्य से ई-कॉमर्स निर्यात को बढ़ावा देने के लिए शुक्रवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। अमेजन इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार, इस समझौते का उद्देश्य सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई), उद्यमियों, डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर (डी2सी) ब्रांड, विनिर्माताओं, बुनकरों, शिल्पकारों और उत्पादकों को वैश्विक कारोबार स्थापित करने में मदद करना है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस समझौते के तहत इन कारोबारों को अमेजन के वैश्विक बिक्री कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों तक अपनी पहुंच बना सकें। इसमें कहा गया कि यह समझौता नयी

दिल्ली में आयोजित 'भारत टेक्स' कार्यक्रम के दौरान मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की उपस्थिति में हुआ। विज्ञप्ति के अनुसार, इस सहयोग का उद्देश्य ई-कॉमर्स निर्यात के प्रति जागरूकता बढ़ाना, निर्यातकों की तैयारियों को मजबूत करना, ज्ञान साझा करने को बढ़ावा देना तथा ऐसा कार्यक्रम विकसित करना है, जिससे मध्यप्रदेश के कारोबार अमेजन के अंतरराष्ट्रीय मार्केटप्लेस के माध्यम से वैश्विक ग्राहकों तक पहुंच सकें। समझौते के तहत अमेजन और मध्यप्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम संयुक्त रूप से राज्य के लिए ई-कॉमर्स निर्यात की एक रूपरेखा तैयार करेंगे। इसमें नीतिगत और बुनियादी ढांचे से जुड़े सुझाव शामिल होंगे, ताकि 2030 तक भारत के 200-300 अरब डॉलर के ई-कॉमर्स निर्यात के लक्ष्य के अनुरूप सीमा-पार निर्यात को गति दी जा सके। मध्यप्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम के प्रबंध निदेशक चंद्रमौलि शुक्ला ने कहा कि राज्य अपने मजबूत एमएसएमई आधार और विविध उत्पाद श्रेणियों के कारण देश के निर्यात परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता के रूप में उभर रहा है। अमेजन ग्लोबल सेलिंग इंडिया के प्रमुख श्रीनिधि कलवपुडी ने कहा कि यह समझौता मध्यप्रदेश के कारोबारों के लिए अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों तक पहुंच का रास्ता साफ करेगा।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

रेलगाड़ियों का नियमित संचालन एवं विस्तार

समस्त रेलयात्रियों को सूचित किया जाता है कि उत्तर रेलवे द्वारा नई रेलगाड़ी संख्या 74010/74009 जींद जंक्शन - सोनीपत - जींद जंक्शन हाइड्रोजन रेलगाड़ी, रेलगाड़ी संख्या 14624/14623 छेहरटा-वाराणसी - छेहरटा शीर गोवर्धनपुर वाराणसी एक्सप्रेस और रेलगाड़ी संख्या 14502/14501 करतोली पंजाब - अंबाला छावनी - करतोली पंजाब रेलगाड़ी का नियमित संचालन एवं रेलगाड़ी संख्या 14053/14054 दिल्ली जंक्शन - दौलतपुर चौक - दिल्ली जंक्शन की सेवा का विस्तार करतोली पंजाब तक किया जा रहा है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

74010/74009 जींद जं. - सोनीपत जं. - जींद जं. हाइड्रोजन रेलगाड़ी (सप्ताह में छह दिन)

रेलगाड़ी सं.: 74010		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 74009	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	07:40	जींद जं.	13:00	---
07:46	07:47	जींद शहर	12:35	12:36
07:54	07:55	पांडू पिंडारा	12:25	12:26
08:07	08:08	ललित खेड़ा हॉल्ट	12:12	12:13
08:17	08:18	भम्भेवा	12:01	12:02
08:24	08:25	ईशापुर खेड़ी हॉल्ट	11:52	11:53
08:31	08:32	बुटाना हॉल्ट	11:44	11:45
08:39	08:40	खंढेरी हॉल्ट	11:36	11:37
08:47	08:48	गोहाना	11:27	11:28
08:56	08:57	रभड़ा हॉल्ट	11:18	11:19
09:05	09:06	लठ हॉल्ट	11:09	11:10
09:14	09:15	मोहना हरियाणा	11:00	11:01
09:25	09:26	बड़वासनी हॉल्ट	10:49	10:50
09:40	---	सोनीपत जं.	----	10:40

चलने के दिन: 74010 जींद जं. एवं **74009 सोनीपत जं.** से सप्ताह में छह दिन शुक्रवार को छोड़कर दिनांक 19.07.2026 से।
स्थान: सामान्य।

14624/14623 छेहरटा - वाराणसी जं. - छेहरटा सीर गोवर्धनपुर वाराणसी एक्सप्रेस रेलगाड़ी (सप्ताह में तीन दिन)

रेलगाड़ी सं.: 14624		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 14623	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	14:05	छेहरटा	17:10	---
14:20	14:25	अमृतसर जं.	16:25	16:30
15:30	15:35	जलन्धर शहर जं.	14:20	14:25
16:30	16:40	लुधियाना जं.	13:13	13:23
18:50	19:00	अम्बाला छावनी जं.	11:00	11:10
20:08	20:10	सहारनपुर जं.	09:05	09:10
23:40	23:45	मुरादाबाद जं.	05:40	05:45
01:06	01:08	बरेली जं.	04:06	04:08
02:16	02:18	शाहजहाँपुर जं.	03:03	03:05
07:15	07:25	लखनऊ	00:01	00:11
09:23	09:25	सुलतानपुर जं.	21:55	21:57
10:51	10:53	जौनपुर शहर	20:51	20:53
12:15	---	वाराणसी जं.	----	19:50

चलने के दिन: 14624 छेहरटा से प्रत्येक बुधवार, शुक्रवार व रविवार को दिनांक 19.07.2026 से एवं **14623 वाराणसी जं.** से प्रत्येक वीरवार, शनिवार व सोमवार को दिनांक 20.07.2026 से।
स्थान: वाता-2 टीयर, वाता-3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य।

14502/14501 करतोली पंजाब - अम्बाला छावनी - करतोली पंजाब एक्सप्रेस रेलगाड़ी (प्रतिदिन)

रेलगाड़ी सं.: 14502		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 14501	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	08:30	करतोली पंजाब	20:25	---
08:41	08:43	दौलतपुर चौक	19:28	19:30
09:01	09:03	अम्ब अन्दौरा	19:15	19:17
09:31	09:33	ऊना हिमाचल	18:52	18:54
09:55	10:05	नांगल डैम	18:32	18:34
10:22	10:24	आनन्दपुर साहिब	18:14	18:16
10:55	10:57	रूपनगर	17:42	17:44
11:17	11:19	मोरिंडा	17:17	17:19
11:53	11:55	सरहिंद जं	16:50	16:52
12:03	12:05	राजपुरा जं	16:29	16:31
12:20	12:22	अम्बाला शहर	16:11	16:13
13:20	---	अम्बाला छावनी	----	1600

चलने के दिन: 14502 करतोली पंजाब एवं **14501 अम्बाला छावनी** से प्रतिदिन दिनांक 19.07.2026 से।
स्थान: प्रथम वाता, वाता-2 टीयर, वाता-3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य।

रेलगाड़ी संख्या 14053/14054 दिल्ली जं.-दौलतपुर चौक-दिल्ली जं. एक्सप्रेस को करतोली पंजाब तक विस्तारित रेलगाड़ी की समय-सारणी

रेलगाड़ी सं.: 14053 प्रारंभिक स्टेशन से (18.07.2026 से प्रभावी)		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 14054 प्रारंभिक स्टेशन से (19.07.2026 से प्रभावी)	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	22:50	दिल्ली जं.	05:00	----
दिल्ली जं. - दौलतपुर चौक के बीच समय-सारणी यथावत रहेगी				
07:18	07:20	दौलतपुर चौक	21:01	21:03
07:50	----	करतोली पंजाब	----	20:55

चलने के दिन: 14053 दिल्ली जं. से दिनांक 18.07.2026 से एवं **14054 करतोली पंजाब** से दिनांक 19.07.2026 से।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.govin अथवा NTES ऐप देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे

आपकी सुविधा–हमारा ध्येय

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सीमा चौकी पर अत्याधुनिक स्वदेशी तकनीकों का शाह ने लिया जायजा

एजेंसी

नयी दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में जूमागाछ बॉर्डर चौकी पर सीमा सुरक्षा को और सुदृढ़ करने वाली स्वदेशी तथा अत्याधुनिक तकनीकों का अवलोकन किया।

गृह मंत्रालय ने बताया कि श्री शाह ने रेडियो आधारित 'बाड़ घुसपैठ पहचान प्रणाली' का अवलोकन किया, जिससे सीमा पर लगी बाड़ में छेड़छाड़ पर पूर्व-रिकॉर्डे ड संदेश के प्रसारण द्वारा जवानों को तत्काल सजग किया जाता है।

उन्होंने 47 करोड़ रूपए की लागत वाली सीमा सुरक्षा बल की तीन परियोजनाओं का ई-शिलान्यास भी किया। उन्होंने पश्चिम बंगाल में सीमा सुरक्षा बल की दो सीमा चौकियों के लिए नवअधिग्रहित भूमि पर 30 करोड़ रूपए की लागत से चार किलोमीटर लंबी सीमा तारबंदी निर्माण योजना का ई-शिलान्यास किया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने प्रहरी सम्मेलन के दौरान जवानों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री और सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

श्री शाह ने नदी-नाले वाले दुर्गम इलाकों या सीमा पर लगी बाड़ के बीच के खुले हिस्सों को सुरक्षित बनाने के लिए लगाए गए इन्फ्रा-रेड अलार्म सिस्टम को भी देखा, जो इन्फ्रा-रेड किरणों के बीच अवरोध आते ही जवानों को खतरे की अग्रिम चेतावनी देता है। उन्होंने भारत-बांग्लादेश सीमा पर नागरिकों और किसानों की आवाजाही को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए तैयार गेट मैनेजमेंट सिस्टम को भी देखा। उन्होंने वॉच टावर का दौरा किया, पौधारोपण किया और प्रहरी सम्मेलन में जवानों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सरकार देश की सभी सीमाओं को अभेद्य बनाने के प्रति कटिबद्ध है। सरकार सीमाओं को चाकचौबंद बनाने के लिए चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड का निर्माण कर रही है। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे सुरक्षाबलों के जवानों और उनके परिजनों का कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। 'स्मार्ट बॉर्डर कॉन्सेप्ट' के साथ देश की सीमाओं को पूरी तरह से सुरक्षित बनाने और सीमांत क्षेत्रों में घुसपैठ रोकने पर भी सरकार काम कर रही है।

बिरला ने राष्ट्रीय विधायी सूचकांक के लिए किया 10 सदस्यीय समिति का गठन

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने देश की विधायिकाओं के प्रदर्शन का वस्तुनिष्ठ मानकों के आधार पर आकलन करने के वास्ते 10 सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है।

श्री बिरला अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन (एआईपीओसी) के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने राष्ट्रीय विधायी सूचकांक के लिए इस समिति का गठन किया है। सूत्रों के अनुसार समिति का गठन 19 से 21 जनवरी तक उत्तर प्रदेश के लखनऊ में आयोजित 86वें एआईपीओसी में सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव संख्या-6 के अनुपालन में किया गया है। प्रस्तावित राष्ट्रीय विधायी सूचकांक का उद्देश्य विधायिकाओं के कामकाज के मूल्यांकन के लिए एक वस्तुनिष्ठ ढांचा तैयार करना है, जिससे जवाबदेही, पारदर्शिता और सुशासन को बढ़ावा मिल सके। साथ ही यह सूचकांक विधायी संस्थाओं के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करेगा और जनता की बेहतर सेवा के लिए उनकी कार्यकुशलता बढ़ाने में सहायक होगा।

समिति की अध्यक्षता राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश करेंगे। समिति के अन्य सदस्यों में उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना, दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, नागालैंड विधानसभा के अध्यक्ष शेरिंगेन लोंगकुमेर, ओडिशा विधानसभा की अध्यक्ष सुरमा पाधी, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष प्रेम कुमार, मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, तेलंगाना विधानसभा के अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार तथा तमिलनाडु विधानसभा के अध्यक्ष जे.सी.डी. प्रभाकर शामिल हैं।

समिति को एक व्यापक और वस्तुनिष्ठ विधायी प्रदर्शन सूचकांक तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गयी है, जो देशभर की विधायिकाओं के लिए एक मानक के रूप में कार्य करेगा। इस पहल से संस्थागत जवाबदेही मजबूत होने, विधायिकाओं में सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को बढ़ावा मिलने तथा अधिक गतिशील, उत्तरदायी और प्रदर्शन आधारित विधायी संस्कृति को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

बिरला ने शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसदों के विलय को दी मंजूरी, शिंदे गुट की संख्या बढ़कर 13 हुई

नयी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसदों के श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में विलय को मंजूरी दे दी है।

लोकसभा सचिवालय से शनिवार को जारी परिपत्र में 18वीं लोकसभा में राजनीतिक दलों की संशोधित स्थिति जारी की है। यह संशोधन शिवसेना (उद्धव गुट) के छह सांसदों की पार्टी संबद्धता में बदलाव के बाद किया गया है। इस फैसले के बाद लोकसभा में शिंदे गुट के सांसदों की संख्या बढ़कर 13 हो गयी है।

इससे पहले पिछले महीने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर अनुरोध किया था कि बागी सांसदों द्वारा संसद में अलग पहचान की किसी भी मांग पर विचार न किया जाये। पार्टी ने अपने पत्र में दलबदल विरोधी कानून और संवैधानिक प्रावधानों का हवाला देते हुए कहा था कि अलग गुट को मान्यता देने का कोई आधार नहीं है।

इसके अलावा ममता बनर्जी का साथ छोड़ने वाले तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों को लोकसभा में अलग बैठने की मंजूरी मिल गयी है। गत 15 जून को तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों ने नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) से विलय कर लिया था।

आधार ऐप 4 करोड बार डाउनलोड की गयी

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में आधार ऐप का इस्तेमाल निरंतर बढ रहा है और इसने 4 करोड़ डाउनलोड का एक अहम पड़ाव पार कर लिया है जो सुविधाजनक और 'डिजिटल-फर्स्ट' पहचान सेवाओं में लोगों के बढ़ते भरोसे को दिखाता है।

इस ऐप के जरिये 11.65 लाख पतों में संशोधन किया गया है और 49 लाख लोगों ने मोबाइल नम्बर बदले हैं। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि आधार ऐप आधार से जुड़ी कई सेवाओं के लिए 'एक वन-स्टॉप डिजिटल प्लेटफॉर्म' बन गया है। इन सेवाओं में घर बैठे पता, मोबाइल नंबर और ईमेल अपडेट करना, बायोमेट्रिक लॉक/अनलॉक और ई-आधार डाउनलोड करना शामिल है। मंत्रालय ने बताया कि आधार ऐप शुरू होने के बाद से इसके जरिये 11.65 लाख पते अपडेट किए गए हैं, जिससे लोग आधार केंद्र जाए बिना आसानी से अपनी आधार जानकारी अद्यतन कर पाते हैं। इस ऐप के माध्यम से लगभग 49 लाख मोबाइल नंबर भी अपडेट किए गए हैं, जिससे लोगों को अपने आधार से जुड़ी सही जानकारी बनाए रखने में मदद मिली है। एक जुलाई को ईमेल अद्यतन करने का फ़ीचर शुरू होने के बाद से

49 लाख लोगों ने बदला मोबाइल नंबर

आधार ऐप के ज़रिए लगभग 12.5 लाख ईमेल पते जोड़े या अद्यतन किए गए हैं, जिससे लोगों और भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के बीच संपर्क और बेहतर हुआ है। पहले इस फ़ीचर की कीमत 75 रुपये थी, लेकिन अब आधार ऐप पर इसे 31 दिसंबर 2026 तक मुफ़्त कर दिया गया है। ऐप के प्राइवेसी और सिक्योरिटी फ़ीचर्स का भी लोगों ने खूब इस्तेमाल किया है। लोगों ने बायोमेट्रिक लॉक/अनलॉक सुविधा का इस्तेमाल 1.91 करोड़ से ज़्यादा बार किया है। यह फ़ीचर आधार नंबर रखने वालों को अपनी व्यक्तिगत जानकारी पर ज़्यादा नियंत्रण देता है। वे ज़रूरत पड़ने पर तुरंत अपने बायोमेट्रिक्स को लॉक या अनलॉक कर सकते हैं, जिससे कुछ ही टैप में अतिरिक्त सुरक्षा मिलती है। आधार ऐप को इस तरह से बनाया गया है कि आधार नंबर रखने वाले अपनी पहचान दिखाने, साझा करने और सत्यापन के लिए एक सुविधाजनक और 'प्राइवेसी-फ़र्स्ट' तरीका अपना सकें। यह 'विकसित भारत' के लिए 'डिजिटल इंडिया मिशन' के तहत लोगों के जीवन को आसान बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है।

अब प्रधान नहीं, प्रधानमंत्री का इस्तीफा मांगेंगे : दीपके

एजेंसी

नयी दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद सोनम वांगचुक को शनिवार को जंतर मंतर से हटाकर जबरन अस्पताल में भर्ती करवाए जाने के बाद कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक-अध्यक्ष अभिजीत दीपके ने शनिवार को कहा कि अब वह केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस्तीफ़े की मांग करेंगे।

श्री दीपके ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस ने श्री वांगचुक के साथ दुर्व्यवहार किया और उन्हें जबरन वहां से ले गयी। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस उन्हें चादरों से ढंककर ले गयी, जबकि यदि कार्रवाई सही थी तो ऐसा करने की आवश्यकता नहीं थी। उन्होंने कहा, ''सोनम सर (वांगचुक) को घसीटकर और गाली-गलौज करते हुए यहां से ले जाया गया। अगर सरकार को लगता है कि सोनम सर को उठाकर यह आंदोलन खत्म हो जाएगा, तो ऐसा नहीं होगा। आंदोलन जारी रहेगा और 20 जुलाई को यहीं से संसद तक मार्च निकाला जाएगा। श्री दीपके ने पुलिस की कार्रवाई को ''गुंडों जैसी हरकत'' बताते हुए कहा कि आंदोलनकारी पीछे हटने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''अब तक हम चाहते थे कि नीट-यूजी पेपर लीक के बाद विद्यार्थियों की आत्महत्याओं पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान जिम्मेदारी लेकर इस्तीफा दें, लेकिन आज सरकार ने जो किया है, उसके बाद हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस्तीफ़े की मांग करेंगे। उल्लेखनीय है कि श्री प्रधान के इस्तीफ़े की मांग के साथ 21 दिन से आमरण अनशन पर बैठे श्री वांगचुक को दिल्ली पुलिस ने आज सुबह उन्हें जंतर-मंतर से हटा दिया। पुलिस ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी कर कहा कि उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय के एक आदेश का पालन करते हुए उनको सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से अनुरोध किया कि वे जंतर-मंतर प्रदर्शन स्थल को जल्द से जल्द खाली कर दें। श्री दीपके ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक वीडियो में कहा, ''दिल्ली पुलिस ने सोनम सर (वांगचुक) को जंतर-मंतर से उठा लिया है। पुलिस ने विद्यार्थियों पर भी लाठीचार्ज किया है। मैं अभी अपने दोस्त के घर गया था, जहां मुझे बंद कर दिया गया और मेरे साथ भी मारपीट की गयी। उन्होंने कहा, ''श्री वांगचुक को उठाने के बाद उन्होंने मुझे छोड़ दिया है लेकिन जंतर-मंतर जाने की अनुमति अभी भी नहीं है। जो भी लोग यह वीडियो देख रहे हैं, मैं उनसे अपील करता हूं कि हमें देशभर में प्रदर्शन करना होगा। सभी से अनुरोध है कि कोई नियम तोड़े बिना शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करें। हमें जवाब देना होगा कि हम तानाशाही बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस बीच, सीजेपी के प्रवक्ता आशुतोष रंका ने कहा, ''हम दिन की शुरुआत करने से पहले प्रतिदिन अपने दोस्त के घर जाते हैं। इसी वक्त सोनम वांगचुक को हिरासत में लिया गया है।

जेपीसी का विधेयकों पर रिपोर्ट टालना सरकार की विफलता का संकेत : कांग्रेस

नयी दिल्ली। संसद के मानसून सत्र से पहले दो विधेयकों पर गठित संयुक्त संसदीय समितियों (जेपीसी) के अपनी रिपोर्ट को मंजूरी देने का फैसला टालने को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने शनिवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा कि संसद का मानसून सत्र से पहले दो विवादास्पद विधेयकों पर गठित जेपीसी ने रिपोर्ट को मंजूरी देने के फैसले को टाल दिया है।

उन्होंने कहा कि इनमें से एक विधेयक के लिए संविधान संशोधन की आवश्यकता है, जबकि दूसरा स्पष्ट रूप से संविधान की सीमाओं का अतिक्रमण करने वाला विधेयक है। उनका आरोप है कि गत 17 अप्रैल को मोदी सरकार को लोकसभा में अपमानजनक का सामना करना पड़ा था और उसकी छाया अब भी बनी हुई है। श्री रमेश ने आरोप लगाते हुए कहा ''गृह मंत्री अमित शाह के झांसे, डींग हांकने और डराने-धमकाने के बावजूद सरकार इन दोनों विधेयकों पर जेपीसी की रिपोर्ट को मंजूरी नहीं दिला सकी।

मोदी सरकार के मूल सिद्धांत 'असत्य और हिंसा' हैं : राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से पुलिस द्वारा हटाए जाने को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार के मूल सिद्धांत ''असत्य और हिंसा'' हैं।कांग्रेस सांसद ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से उस समय हटाया जाना गलत है, जब वह अहिंसक भूख हड़ताल पर बैठे थे। कांग्रेस ने जंतर-मंतर पर पुलिस की कार्रवाई की भी आलोचना की। पार्टी ने कहा कि वांगचुक को वहां से हटाने की घटना देश के लोकतंत्र और संविधान पर एक ''कलंक'' है। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को जंतर-मंतर पर आमरण अनशन पर बैठे पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को प्रदर्शनस्थल से हटाकर अस्पताल में भर्ती करा दिया। पुलिस ने इसे लेकर कहा है कि उसने दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए सोनम वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराया है। राहुल गांधी ने कहा कि पेपर लीक, शिक्षा की बढ़ती लागत और छात्रों की आत्महत्या जैसे मुद्दे भारत के भविष्य से जुड़े गंभीर विषय हैं। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा, ''कितना भी बल प्रयोग कर लिया जाए, भारत के छात्रों और उन लोगों को, जो उनसे प्रेम करते हैं और उन पर विश्वास रखते हैं, इन मुद्दों को उठाने से नहीं रोका जा सकता। राहुल गांधी की यह प्रतिक्रिया उस समय आई, जब शनिवार तड़के अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के 21वें दिन सोनम वांगचुक की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें जंतर-मंतर से सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई डॉक्टरों की सलाह और दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुसार की गई। नई दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सचिन शर्मा ने कहा कि वांगचुक की तबीयत खराब होने के बाद दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुरूप उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्हें आवश्यक चिकित्सा सुविधा दी जा रही है। उन्होंने बताया कि इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने कार्रवाई में बाधा डालने की कोशिश की, जिससे थोड़ी देर के लिए हंगामा हुआ। हालांकि, पुलिस ने अधिकतम संयम बरतते हुए पूरी कार्रवाई शांतिपूर्वक पूरी की। पुलिस की कार्रवाई के तुरंत बाद कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने कार्रवाई की। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, ''दिल्ली पुलिस ने मेरे साथ मारपीट की और मुझे हिरासत में ले लिया।'' सीजेपी ने भी 'एक्स' पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें सोनम वांगचुक को सफ़ेद चादर में लपेटकर प्रदर्शन स्थल से ले जाते हुए दिखाया गया। कॉकरोच जनता पार्टी ने कहा, ''20 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे एक कमजोर बुजुर्ग को सफ़ेद चादर में लपेटकर दिल्ली पुलिस उठा ले गई।

पेज एक का शेष

पहला निजी...

पूर्व राष्ट्रपति व प्रतिष्ठित वैज्ञानिक डॉ. एपीजे. अब्दुल कलाम की सूक्ष्म कलाकृतियां हैं, जो चावल के दाने से भी छोटी हैं। इसके अलावा एक हीरे का आभूषण और स्काईरूट का अपना 'स्कोप' उपग्रह भी शामिल है। कर्नाटक की कॉसमॉस डायमंड्स द्वारा विकसित 'द कॉस्मिक ब्लूम' 16.95 कैरेट के हीरे का कमल का आभूषण है जो खिलते हुए फूल के आकार का है। अन्य भारों में कर्नाटक की ग्राहा स्पेस का एक छोटा उपग्रह (क्यूबसैट); तेलंगाना की कॉस्मोसर्व स्पेस का अंतरिक्ष में रोबोटिक हाथ का प्रदर्शन; और जर्मनी की डीक्यूब्ड कंपनी के अंतरिक्ष में प्रदर्शन करने वाले उपकरण शामिल हैं। विक्रम-1 सात मंजिला ऊंचा बहु-चरणीय प्रक्षेपण यान है जिसमें पूरी तरह से कार्बन मिश्रित संरचना, ठोस ईंधन बूस्टर और उन्नत तरल ईंधन वाले इंजनों का उपयोग किया गया है। इसे पृथ्वी की निचली कक्षा में 350 किलोग्राम तक के छोटे उपग्रहों को 450 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थापित करने और सौर-तुल्यकालिक कक्षा में 260 किलोग्राम तक के उपग्रहों को भेजने के लिए तैयार किया गया है। 18 नवंबर 2022 को देश के पहले निजी उप-कक्षीय प्रक्षेपण यान 'विक्रम-एस' के सफल प्रक्षेपण के बाद स्काईरूट का यह दूसरा अभियान है। इस ऐतिहासिक अभियान को 'प्रारंभ' नाम दिया गया था, जो भारत से पहला निजी प्रक्षेपण था। कंपनी के अनुसार, 'मिशन आगमन' का प्राथमिक उद्देश्य विक्रम-1 की प्रणोदन, मार्गदर्शन, नौवहन, नियंत्रण और समग्र यान प्रदर्शन सहित सभी प्रमुख प्रणालियों के उड़ान संबंधी महत्वपूर्ण आंकड़े एकत्र करना है। इन आंकड़ों का उपयोग यान के डिजाइन को प्रमाणित करने और भविष्य के वाणिज्यिक प्रक्षेपण कार्यक्रमों को सहायता देने के लिए किया जाएगा।

भारत की अंतरिक्ष...

सेंटर में मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने उन्हें बहुत-बहुत बधाई दी और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उनका आज का 'मिशन आगमन' आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि यह मिशन साबित करता है कि हम आत्मनिर्भर बन सकते हैं। चंदाना ने प्रधानमंत्री को बताया कि रॉकेट पूरी तरह से भारत में ही डिजाइन और बनाया गया है। पीएम मोदी के 'वंदे मातरम' वाले पोस्टकार्ड का जिक्र करते हुए चंदाना ने कहा कि आपका कार्ड सफलतापूर्वक ऑर्बिट में पहुंच गया है। वंदे मातरम ऑर्बिट में है। चंदाना ने प्रधानमंत्री को बताया कि रॉकेट पूरी तरह से भारत में ही डिजाइन और बनाया गया है। पीएम मोदी के 'वंदे मातरम' वाले पोस्टकार्ड का जिक्र करते हुए चंदाना ने कहा कि आपका कार्ड सफलतापूर्वक ऑर्बिट में पहुंच गया है। वंदे मातरम ऑर्बिट में है।

खाड़ी देशों को ...

पर स्थित यनबू में शुरुआती चेतावनी के सायरन बजाए गए। इनके अनुसार एक हमला अल-खर्ज स्थित प्रिंस सुल्तान एयरबेस को निशाना बनाकर किया गया, जहां अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। सऊदी सरकारी मीडिया ने चेतावनी जारी होने के कारणों का विस्तृत ब्योरा नहीं दिया। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार आईआरजीसी ने बहरीन के शेख ईसा एयरबेस पर भी हमला किया, जहां अमेरिकी लड़ाकू विमान तैनात थे। एक खुफिया डाटा केंद्र को भी निशाना बनाए जाने की बात कही गई है। आईआरजीसी ने जॉर्डन के अल-अज्रक स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे पर शनिवार तड़के मिसाइल और ड्रोन हमले में कम से कम दो अमेरिकी लड़ाकू विमानों और तीन अन्य विमानों को नष्ट करने का दावा किया। कुवैत स्थित कैंप अरिफजान में अमेरिकी सैन्य सहायता केंद्र पर हमला किया और अली अल-सलेम एयरबेस पर एक रडार केंद्र को नष्ट कर दिया। सऊदी में एक हमला अल-खर्ज स्थित प्रिंस सुल्तान एयरबेस को निशाना बनाकर किया गया, जहां अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। मीडिया ने चेतावनी जारी होने के कारणों का ब्योरा नहीं दिया। ईरान के सरकारी टेलीविजन के अनुसार अमेरिकी हवाई हमलों में दक्षिणी होर्मोजगान प्रांत के एक बिजली और समुद्री जल संयंत्र को निशाना बनाया गया। हमले हॉर्मुज के तट पर स्थित बर्बोजी गांव में हुए। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि रातभर हुए हमलों में दो सुरंगों और एक पुल को नुकसान पहुंचा। इससे बंदर अब्बास की ओर जाने वाला प्रमुख राजमार्ग बाधित हो गया। बंदर अब्बास हॉर्मुज के सबसे संकरे हिस्से के पास स्थित ईरान का प्रमुख बंदरगाह है।

मॉकड्रिल के नाम...

सादी वर्दी में रखा गया। वहीं, नीचे मंच के पास वर्दी में पुलिसकर्मियों को खड़ा रहने के निर्देश दिए गए। उन्हें बताया गया था कि यह कार्य लगभग 30 सेकंड में हो जाना चाहिए। ज्यादा समय लगने पर प्रदर्शनकारी भड़क सकते हैं। इसके बाद सभी को जंतर-मंतर भेजा गया। रात को ही यहां से बैरिकेड हटा दिए गए और किसी को भी भीतर प्रवेश नहीं करने के निर्देश थे। सूत्रों ने बताया कि योजना के तहत पुलिस ने पहले ही एंबुलेंस को जंतर-मंतर स्थित केरल भवन के पास खड़ा रखा था। वहीं बाहर से आए पुलिस बल को जंतर-मंतर के दोनों तरफ तैनात किया गया था। पुलिस को यह जानकारी थी कि सुबह 7 बजे के आसपास प्रतिदिन अभिजीत दीपके चले जाते हैं। उसी समय वरिष्ठ अधिकारियों ने इशारा किया और पुलिसकर्मियों ने मंच को घेर लिया। यहां पर्दा लगा दिया गया ताकि लोगों को कुछ न दिखे। उन्होंने स्ट्रेचर पर सोनम वांगचुक को रखा और पिछली तरफ से उतर गए। उन्हें तुरंत एंबुलेंस में डालकर अस्पताल ले जाया गया। इस ऑपरेशन के बाद लोग ज्यादा संपर्क न बना सके, इसके लिए जैमर लगाया गया था। परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में जंतर मंतर पर जारी कॉक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन में अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक को शनिवार को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस की अचानक हुई इस कार्रवाई से प्रदर्शन में आए युवाओं और छात्रों में आक्रोश फैल गया। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराए जाने के बाद अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है। प्रदर्शन स्थल पर दोपहर में उस वक्त कुछ देर के लिए अफरातफरी की स्थिति भी बन गई थी जब एक महिला ने दीपके पर स्याही फेंक दी। हालांकि, पुलिस ने महिला को तुरंत हिरासत में ले लिया। वहीं, दीपके ने कहा कि यह नीली स्याही हमारी पहचान है। उन्होंने जय भीम के नारे लगाए और कहा कि हम पीछे नहीं हटेंगे। दीपके ने कहा कि संगठन नीट प्रश्नपत्र कथित तौर पर लीक होने के मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग कर रहा है। कहा कि वांगचुक को प्रदर्शन स्थल से हटाए जाने के बावजूद आंदोलन जारी रहेगा।

ईडी ने जेवीएल...

जरिए दूसरे खातों और कारोबार में डायवर्ट किया गया। ईडी ने मामले में प्रिवेंशन आफ मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत आरोपी सत्य नारायण झुनझुनवाला और अन्य सहयोगियों के 13 ठिकानों पर छापेमारी भी की थी। ईडी ने 878.67 करोड़ रुपये की कीमत वाले दो प्रोविजनल अटैचमेंट आर्डर जारी किए थे। मामले में जब्तीकरण की यह तीसरी कार्रवाई है। ईडी ने जेवीएल एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड और अन्य आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में अभियोजन शिकायत दाखिल कर चुकी है। विशेष अदालत अभियोजन शिकायत का संज्ञान ले चुकी है और मामले में सुनवाई चल रही है। ईडी के अनुसार जांच में पाया गया है कि आरोपितों ने लगभग 1972 करोड़ रुपये अपराध से अर्जित किए। ईडी मामले में कई फर्मों व कंपनियों को लेकर आगे की छानबीन कर रही है।

सरकार की 12 वर्षों...

अच्छे परिणामों का ज़िक्र करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि सालाना रक्षा उत्पादन, जो 2014 में लगभग 40,000 करोड़ रुपये था, वह वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 1.78 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि रक्षा निर्यात, जो वित्त वर्ष 2013-14 में 686 करोड़ रुपये था, अब 38,000 करोड़ रुपये के अब तक के सबसे ऊंचे स्तर को पार कर गया है। उन्होंने कहा, ''हमारा रक्षा उत्पादन लक्ष्य इस साल 2 लाख करोड़ रुपये और 2029 तक 3 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार करना है। हमारा मकसद यह पक्का करना है कि 2029 तक रक्षा निर्यात 50,000 करोड़ रुपये तक पहुंच जाए। तरक्की की मौजूदा रफ़्तार को देखते हुए, मुझे भरोसा है कि हम इन लक्ष्यों को हासिल करने में कामयाब होंगे। श्री सिंह ने ज़ोर देकर कहा कि सरकार ने पिछले 12 सालों में देश की सुरक्षा ज़रूरतों के लिए घरेलू विनिर्माण के बजाय आयात को प्राथमिकता देने वाली ''पुरानी सोच'' को बदल दिया है। उन्होंने कहा, ''2014 से ही हमारी कोशिश रही है कि आधुनिक हथियारों और टेक्नोलॉजी के घरेलू उत्पादन के ज़रिए रक्षा तैयारियों को मज़बूत किया जाए और आयात पर निर्भरता कम की जाए। हमने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय ज़रूरतों को पूरा करने के लिए देश के भीतर ही एक रक्षा औद्योगिक इकोसिस्टम तैयार किया है। रक्षा मंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि रक्षा क्षेत्र में बदलाव लाने का सरकार का विज़न देश की क्षमता और काबिलियत में पक्के भरोसे पर आधारित है, जो पिछली सरकार के नज़रिए से बिल्कुल अलग है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में रक्षा उद्योग गलियारे बनाना आत्मनिर्भरता का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में एक और क्रांतिकारी सुधार है। उन्होंने बताया कि इन गलियारों में उन्न रक्षा विनिर्माण हो रहा है और कई कंपनियां वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बन रही हैं।

नक्सल मुक्ति : जारी...

और जंगल को विस्फोटकों से मुक्त कर पूरी तरह सुरक्षित बनाना है। इसी कारण बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वॉड और आधुनिक माइन डिटेक्शन उपकरणों के साथ सर्च ऑपरेशन लगातार जारी हैं, ताकि प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्य और सामान्य जनजीवन बिना किसी खतरे के आगे बढ़ सके।

रामपुर और...

समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने गन्ने का समर्थन मूल्य बढ़ाकर 400 रुपये प्रति क्विंटल किया है, जिसके कारण उत्तर प्रदेश आज देश में गन्ना, चीनी और एथेनॉल उत्पादन में अग्रणी राज्य बन चुका है। उन्होंने कहा कि मध्य गंगा नहर परियोजना और गंगा एक्सप्रेसवे जैसी आधारभूत संरचना परियोजनाओं ने अमरोहा सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश को दिल्ली, लखनऊ और प्रयागराज से बेहतर सड़क संपर्क प्रदान किया है, जिससे क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति मिली है। कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले धार्मिक आयोजनों पर विभिन्न प्रकार की पाबंदियां लगाई जाती थीं, जबकि वर्तमान सरकार में कांवड़ यात्रा और तिगरी मेले जैसे धार्मिक आयोजन पूरी सुरक्षा और भव्यता के साथ संपन्न हो रहे हैं। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के समय माफिया और सिंडिकेट व्यवस्था हावी थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने अपराध और संगठित अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ''बेटी और व्यापारी की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों के लिए अब केवल दो ही स्थान बचे हैं–जेल या जहन्नुम।'' उन्होंने दावा किया कि राज्य में माफिया तंत्र को पूरी तरह समाप्त करने की दिशा में सरकार ने प्रभावी कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य विकास, सुरक्षा और पारदर्शी प्रशासन के माध्यम से उत्तर प्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाना है और इसी उद्देश्य के साथ सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

वर्ष 1976–78 के...

की प्राचीन धरोहर रही है, लेकिन करीब 500 वर्ष पहले, वर्ष 1526 में विदेशी आक्रांताओं ने यहां की आस्था और संस्कृति को चोट पहुंचाई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब आक्रांता किसी स्थान पर आते हैं तो वे केवल वहां का खजाना नहीं लूटते, बल्कि धर्म और संस्कृति को भी रौंदने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि यही पाप संभल में भी किया गया था। श्रीहरि विष्णु और भगवान हरिहर के पवित्र मंदिर को तोड़ा गया और यहां स्थित 68 तीर्थों को अपवित्र किया गया। इसके साथ ही संभल के अस्तित्व के साथ खिलवाड़ किया गया और लोगों को विभिन्न प्रकार की यातनाएं दी गईं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 1976 और 1978 में हुए दंगों के दौरान सैकड़ों निर्दोष लोगों की हत्या हुई, लेकिन किसी भी दोषी को सजा नहीं मिल सकी। उन्होंने कहा कि विभाजन और सांप्रदायिक हिंसा का खामियाजा संभल ने भुगता है। करीब 500 वर्ष पहले जो घटनाएं हुईं, उनमें कुछ लोगों का जबरन धर्मांतरण कराया गया, कुछ लोगों की हत्या कर दी गई और क्षेत्र के तीर्थों को नष्ट करने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की भारतीय जनता पार्टी सरकार प्रदेश में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने संभल के 68 तीर्थों के पुनर्जीवन और पुनर्स्थापना का कार्य शुरू कर दिया है। साथ ही, 24 कोसी परिक्रमा मार्ग के निर्माण और चौड़ीकरण की परियोजना को भी मंजूरी देकर आगे बढ़ाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार संभल की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्य न्यायाधीश ने चंडीगढ़ अदालत में किया पार्किंग का उद्घाटन

न्याय देने की प्रणाली में जज ही नहीं वकील भी अमह हिस्सा : सीजेआई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा है कि जस्टिस डिलीवरी सिस्टम (न्याय प्रणाली) में सिर्फ जज ही महत्वपूर्ण नहीं हैं बल्कि वकील भी अहम हिस्सा हैं। वकीलों के न्याय दिलाने में अहम भूमिका को देखते हुए उन्हें बेसिक सुविधाएं देना बहुत अहम हो जाता है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि एक नैरेटिव बना हुआ है कि देश में केसों की बहुत पेंडेंसी है। इसे तोड़ने के लिए हमें इन्फ्रास्ट्रक्चर बढ़ाना होगा ताकि नए ज्यूडिशियल अफसर भर्ती किए जा सकें।

सीजेआई शनिवार को चंडीगढ़ के सेक्टर-43 स्थित जिला अदालत परिसर में करीब 40 करोड़ रुपए की लागत से तैयार मल्टीलेवल पार्किंग का उद्घाटन किया। इससे आने वाले वकीलों और आम लोगों को पार्किंग की समस्या से बड़ी राहत मिलेगी। करीब साढ़े चार एकड़ भूमि में बनी यह मल्टीलेवल पार्किंग बेसमेंट सहित चार मंजिला है। इसमें एक समय में लगभग 1,500 वाहनों को खड़ा करने की सुविधा उपलब्ध होगी। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हाईकोर्ट में भी पार्किंग की दिक्कत है। मैं प्रशासक कटारिया से अपील करूंगा कि वह इसके बारे में भी सोचें कि कैसे हाईकोर्ट का विस्तार किया जाए। वकीलों और लोगों को पार्किंग की सुविधा दी जाए। उन्होंने कहा कि हिसार भले ही मेरी जन्मभूमि है लेकिन चंडीगढ़ मेरी कर्मभूमि रही है। मेरा संघर्ष का जीवन इसी शहर, इन्हीं गलियों और इन्हीं हवाओं में व्यतीत हुआ है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि चंडीगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना औपचारिक कर्तव्य ही नहीं है बल्कि मेरे लिए पर्सनल मोमेंट है। दिल से जुड़ी बात है।

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर किसी भी शहर की रीढ़ की हड्डी है। बुनियादी सुविधाएं न हों तो वह शहर आगे नहीं बढ़ सकता। इस अवसर पर बोलते हुए चंडीगढ़ के प्रशासक व पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि जस्टिस सूर्यकांत ने एडवोकेट के नाते इतनी लंबी यात्रा की है। 2004 में इसी हाईकोर्ट के जज बने। इसके बाद हिमाचल के चीफ जस्टिस बने। उसके बाद 2022 में सुप्रीम कोर्ट के जज बने। आज हमारा सौभाग्य है कि हमारी ही धरती का एक व्यक्ति देश के सबसे बड़े पद पर बैठे हुए हैं। इसके साथ ही कोर्ट परिसर के विस्तार में आने वाली दिक्कतों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हेरिटेज (धरोहर नियम) हमारे लिए इतनी बड़ी आफत है कि कोर्ट के अंदर एक बरामदा भी बनाना हो तो ऊपर से नीचे चक्कर काटकर हमें यह बनवाना पड़ता है। पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस अश्विनी कुमार मिश्रा ने कहा कि मल्टीलेवल पार्किंग का पूरा श्रेय जस्टिस सूर्यकांत को जाता है क्योंकि जब वह बिल्डिंग कमेटी के चेयरमैन थे तो उन्होंने ही इसकी पूरी योजना बनाई।

सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके पर एक महिला ने फेंकी स्याही

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20 दिन से अनशन पर बैठे पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराने के बाद यहां विरोध जता रहे सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रमुख अभिजीत दीपके पर शनिवार को एक महिला ने स्याही फेंक दी। इस घटना से विरोध स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। इससे पहले अभिजीत दीपके ने आरोप लगाते हुए मीडिया से कहा कि दिल्ली पुलिस ने आज सुबह उनकी अनुपस्थिति में जबरन सोनम वांगचुक को धरनास्थल से उठाया है। अब हम इस शांतिपूर्ण आंदोलन को जारी रखेंगे और आज से अनशन पर बैठेंगे। उन्होंने देश भर की जनता से अपील की है कि इस विरोध प्रदर्शन को शांतिपूर्ण तरीके से ही जारी रखें, कोई भी इस नियम को ना तोड़े। वहीं पुलिस ने अनुरोध किया है कि सभी सीजेपी कार्यकर्ता शांतिपूर्ण ढंग से जंतर-मंतर को खाली कर दें। उल्लेखनीय है कि परीक्षा पत्रों के लीक होने की घटनाओं को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग को लेकर सीजेपी के नेतृत्व में जंतर-मंतर पर धरना-प्रदर्शन जारी है। सीजेपी ने 20 जुलाई को संसद तक मार्च निकालने की घोषणा की है।

संक्षिप्त समाचार

दिघलबैंक में 175 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ 12 गिरफ्तार, लाखों की नकदी समेत कई सामान जब्त

किशनगंज। किशनगंज पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दिघलबैंक थाना क्षेत्र से 175 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में 11 पुरुष और एक महिला शामिल हैं। पुलिस ने यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर खरवान टोली निवासी रिज्वाबुल हक़ के घर पर छापेमारी कर की। पुलिस को सूचना मिली थी कि उक्त घर में अवैध रूप से ब्राउन शुगर का कारोबार संचालित किया जा रहा है। इसके बाद गठित विशेष पुलिस टीम ने छापेमारी कर मौके से 175 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की। साथ ही प्रतिबंधित दवाइयां, 81 लाख 37 हजार 75 रुपये भारतीय मुद्रा, 21 लाख 22 हजार 30 नेपाली रुपये तथा 100 पाकिस्तानी नोट भी जब्त किए गए। इसके अलावा 13 मोबाइल फोन, एक टैब, दो इलेक्ट्रॉनिक तराजू और दो मोटरसाइकिलें भी बरामद हुई हैं। पुलिस का मानना है कि जब्त नकदी और उपकरण अवैध मादक पदार्थों के कारोबार से जुड़े हो सकते हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अख्तर आलम, आल शेर, बबलू मियां, जीवन श्रेष्ठ, शकुरुद्दीन, रुस्तम अंसारी, सद्दाम अंसारी, मोहम्मद आलम, रहीम अंसारी, प्रेम खानाल, मोहम्मद इस्लाम तथा हसीना खातून के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सभी आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है। जांच का मुख्य उद्देश्य ब्राउन शुगर की आपूर्ति करने वाले गिरोह और इसके नेटवर्क का पता लगाना है। पुलिस यह भी खंगाल रही है कि इस अवैध कारोबार के तार किन-किन क्षेत्रों और राज्यों से जुड़े हैं। इस मामले में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर सभी आरोपियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने इसे जिले में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की बड़ी सफलता बताते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

शिक्षक स्थानांतरण का चरणबद्ध शेड्यूल भ्रामक, सामान्य तबादले से हो समाधान : डॉ. सत्येंद्र ओझा

बक्सर। बिहार सरकार के द्वारा राज्य के शिक्षकों के बहुप्रतीक्षित स्थानांतरण को लेकर जैसे ही अधिसूचना जारी की गई है वैसे ही इस पर राजनीति भी शुरू हो गई है । बता दे कि शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी के अनुसार जो बातें सामने आई है उसमें बिहार राज्य शिक्षक स्थानांतरण नियमावली, 2026 के तहत पूरी प्रक्रिया तीन चरणों में संपन्न होगी। इसके लिए ऑनलाइन पोर्टल 29 जुलाई से खोला जाएगा और शिक्षक 5 अगस्त तक आवेदन कर सकेंगे। बताया गया है कि पहले चरण में समायोजन एवं समानुपातीकरण, दूसरे चरण में जिला, प्रमंडल और राज्य स्तर पर पारस्परिक (म्यूचुअल) स्थानांतरण तथा तीसरे चरण में सामान्य स्थानांतरण किया जाएगा। सरकार के अनुसार 16 सितंबर को रिक्त पदों की संशोधित सूची जारी होगी। इसके बाद 17 से 23 सितंबर तक शिक्षक अपनी वरीयता के अनुसार विद्यालयों का चयन कर आवेदन करेंगे। अंतिम स्थानांतरण सूची का प्रकाशन, अपील और निपटान की प्रक्रिया 24 सितंबर से 31 अक्टूबर के बीच पूरी की जाएगी। वही सरकार का दावा है कि इस नई व्यवस्था से स्थानांतरण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और समयबद्ध बनेगी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. सत्येंद्र ओझा ने बिहार सरकार द्वारा जारी शिक्षक स्थानांतरण शेड्यूल को भ्रामक और अव्यावहारिक बताते हुए इसकी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि स्थानांतरण की समस्या का समाधान चरणबद्ध प्रक्रिया से नहीं, बल्कि एक साथ सामान्य स्थानांतरण के लिए आवेदन लेकर किया जाना चाहिए। ओझा ने कहा कि मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री पहले ही पुरुष शिक्षकों को निकटवर्ती प्रखंड तथा महिला शिक्षकों को निकटवर्ती पंचायत में स्थानांतरण देने की बात कह चुके हैं, ऐसे में अलग-अलग चरणों की आवश्यकता नहीं है। उनका आरोप है कि मौजूदा प्रक्रिया से म्युचुअल ट्रांसफर, समायोजन और रेशनलाइजेशन के नाम पर शिक्षकों का आर्थिक, मानसिक और शारीरिक शोषण होने की आशंका बढ़ेगी। उन्होंने सरकार से एकल स्थानांतरण शेड्यूल जारी कर शिक्षकों की सुविधा के अनुरूप विद्यालयों में पदस्थापन सुनिश्चित करने की मांग की।

रामनगर-देहरादून एक्सप्रेस का शुभारंभ सप्ताह में दो दिन चलेगी ट्रेन

देहरादून। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को वर्चुअल माध्यम से रामनगर-देहरादून एक्सप्रेस रेल सेवा को संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। फिलहाल यह ट्रेन सप्ताह में दो दिन संचालित होगी। इस मौके पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रामनगर-देहरादून एक्सप्रेस क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत करने के साथ-साथ पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देगी। उन्होंने कहा कि यदि यात्रियों की संख्या बढ़ती है तो इस ट्रेन का संचालन भविष्य में प्रतिदिन किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्ष 2023 से अब तक उत्तराखंड को देश के विभिन्न हिस्सों से जोड़ने के लिए 20 नई अथवा विस्तारित रेल सेवाएं शुरू की गई हैं। साथ ही राज्य के 11 रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि नई रेल सेवा केवल एक ट्रेन नहीं, बल्कि कुमाऊं और गढ़वाल मंडलों के बीच विकास, संपर्क और अवसरों की नई जीवनरेखा साबित होगी। यह ट्रेन रामनगर से देहरादून के बीच काशीपुर, रोशनपुर, पिपलसाना, मुरादाबाद, नजीबाबाद और हरिद्वार होते हुए चलेगी, जिससे कुमाऊं, गढ़वाल और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बीच रेल संपर्क मजबूत होगा। इससे यात्रियों, विद्यार्थियों, व्यापारियों, कर्मचारियों और पर्यटकों को लाभ मिलेगा। धामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में उत्तराखंड में रेलवे अवसंरचना का तेजी से विस्तार हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना अंतिम चरण में है, जबकि प्रदेश को दो वंदे भारत ट्रेनों की सौगात मिल चुकी है। वर्ष 2026-27 में उत्तराखंड को रेलवे अवसंरचना विकास के लिए 4,769 करोड़ रुपये का रेल बजट मिला है और राज्य में लगभग 39 हजार करोड़ रुपये की विभिन्न रेल परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। कार्यक्रम में हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी, विधायक दीवान सिंह बिष्ट, अरविंद पांडे तथा रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय रंगदारी मामले में पंजाब पुलिस का इंस्पेक्टर गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- एफबीआई की जांच में आया था नाम
- होशियारपुर के पूर्व एसएचओ गुरिंदरजीत सिंह नागरा पर अमेरिका में बसे भारतीय मूल के परिवार से 4 लाख डॉलर की उगाही की साजिश का आरोप

होशियारपुर। पंजाब पुलिस ने होशियारपुर के टांडा थाने के पूर्व प्रभारी एवं इंस्पेक्टर गुरिंदरजीत सिंह नागरा को अंतरराष्ट्रीय रंगदारी (एक्सटॉर्शन) मामले में गिरफ्तार किया है। नागरा का नाम अमेरिका की जांच एजेंसी फ़ेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) की इस वर्ष फरवरी में उजागर हुई एक अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क की जांच में सामने आया था। एफबीआई ने 7 फरवरी को नागरा को एक ऐसे गिरोह से जुड़ा बताया था, जिस पर अमेरिका में रह रहे भारतीय मूल के एक परिवार से 4 लाख डॉलर की रंगदारी वसूलने की साजिश रचने का आरोप है। जांच एजेंसी के अनुसार, नागरा ने कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई और जग्गू भगवानपुरिया गिरोह के सदस्यों के साथ मिलकर इस साजिश को अंजाम देने में भूमिका निभाई। मामले में नाम सामने आने के बाद होशियारपुर के तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने गुरिंदरजीत सिंह नागरा का तत्काल प्रभाव से तबादला कर उन्हें पुलिस लाइंस भेज दिया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की जांच में अब तक सामने आए तथ्यों के अनुसार, पंजाब पुलिस के इंस्पेक्टर गुरिंदरजीत सिंह नागरा अमेरिका में रहने वाले एक भारतीय मूल के परिवार से 16 लाख रुपये की अवैध रिश्वत (गैरकानूनी पारिश्रमिक) की मांग करने और उसे स्वीकार करने के मामले में संलिप्त पाए गए हैं। पर्याप्त साक्ष्य जुटाए जाने के बाद इंस्पेक्टर गुरिंदरजीत सिंह नागरा को थाना टांडा, जिला होशियारपुर में दर्ज एफआईआर में आरोपी नामजद किया गया है। उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शनिवार को बताया की उन्हें गिरफ्तार कर लिया। उन्हें संबंधित क्षेत्राधिकार वाली अदालत में पेश किया जाएगा, जहां पुलिस पूरे षड्यंत्र और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका का पता लगाने के लिए उनका पुलिस रिमांड मांगेगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए इंस्पेक्टर गुरिंदरजीत सिंह नागरा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। साथ ही उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। नागरा की गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है, जब एक दिन पहले ही एफबीआईने भारत से जुड़े गैंगस्टर नितीश कौशल उर्फ ''लाला'' को गिरफ्तार किया है। उसे एफबीआई ने अपनी ''मोस्ट वांटेड'' सूची में शामिल करने के दो दिन बाद ही पकड़ा। यह कार्रवाई एफबीआई के ऑपरेशन हार्ड बॉल के तहत की गई है। लॉस एंजिल्स की संघीय अदालत में पेश 44 पन्नों के अभियोग पत्र (इंडिक्टमेंट) में दावा किया गया है कि जग्गू भगवानपुरिया गिरोह के सदस्य भारत में कुछ हत्याओं को अंजाम देने के लिए मात्र 20 हजार रुपये तक में तैयार हो जाते थे। आरोपपत्र में यह भी कहा गया है कि गुरिंदरजीत सिंह नागरा ने उस समय टांडा थाना प्रभारी रहते हुए गिरोह के साथ मिलकर लॉस एंजिल्स स्थित एक भारतीय मूल के परिवार से 4 लाख डॉलर की उगाही की साजिश रची और पंजाब में उनके रिश्तेदारों को झूठे आपराधिक मामलों में फंसाने की धमकी दी।

न्यायालयकर्मियों को दिया गया अग्निशमन का व्यवहारिक प्रशिक्षण

बक्सर। व्यवहार न्यायालय, बक्सर परिसर में शनिवार को जिला अग्निशमन विभाग द्वारा न्यायालयकर्मियों को अग्निशमन एवं अग्नि सुरक्षा संबंधी व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान कर्मियों को आग लगने की स्थिति में त्वरित बचाव, प्रारंभिक नियंत्रण के उपाय तथा अग्निशामक यंत्रों के सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। प्रशिक्षण में विभिन्न प्रकार की आग पर नियंत्रण की तकनीकों का प्रदर्शन करते हुए आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली सावधानियों की भी विस्तार से जानकारी दी गई। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि समय पर सही निर्णय और अग्निशामक यंत्रों के समुचित प्रयोग से बड़ी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है। प्रभारी प्रशासन, व्यवहार न्यायालय, बक्सर राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि न्यायालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा न्यायिक कर्मचारियों को किसी भी आपदा की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

किशनगंज के सांसद ने मुख्यमंत्री से मांगी 10 एकड़ जमीन और आधुनिक पुस्तकालय

कैनविज टाइम्स संवाददाता

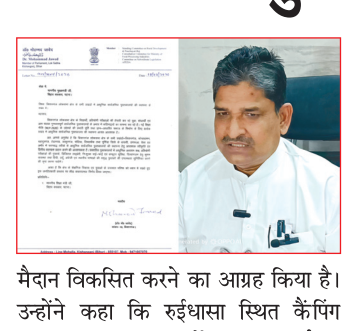

किशनगंज। किशनगंज के सांसद डॉ मोहम्मद जावेद आजाद ने जिले के समग्र विकास और युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को दो अलग-अलग पत्र भेजकर महत्वपूर्ण जनहितकारी मांगें उठाई हैं।

सांसद ने किशनगंज नगर परिषद क्षेत्र में स्थायी सार्वजनिक मैदान के विकास तथा लोकसभा क्षेत्र के सभी प्रखंडों में आधुनिक सार्वजनिक पुस्तकालय स्थापित करने की मांग की है। मुख्यमंत्री को भेजे पहले पत्र में सांसद ने किशनगंज नगर परिषद क्षेत्र में लगभग 10 एकड़ सरकारी भूमि उपलब्ध कराकर स्थायी सार्वजनिक मैदान विकसित करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि रुईधासा स्थित कैंपिंग ग्राउंड, जिसका वर्षों तक धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, शैक्षणिक कार्यक्रमों, खेल प्रतियोगिताओं और जनसभाओं के लिए उपयोग होता रहा, अब भारतीय सेना के नियंत्रण में है। सेना की वैधानिक आवश्यकता का सम्मान करते हुए उन्होंने कहा कि इसके बाद शहर में बड़े सार्वजनिक आयोजनों के लिए पर्याप्त खुले मैदान का अभाव हो गया है। ऐसे में नगर की वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए नया सार्वजनिक मैदान विकसित किया जाना आवश्यक है। दूसरे पत्र में सांसद ने किशनगंज लोकसभा क्षेत्र के सभी प्रखंडों के साथ पूर्णिया जिले के बायसी, डगरूआ, बैसा और अमौर में चरणबद्ध तरीके से आधुनिक सार्वजनिक पुस्तकालय स्थापित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थी, शोधार्थी और युवा गुणवत्तापूर्ण अध्ययन संसाधनों के अभाव से जूझ रहे हैं। नई शिक्षा नीति-2020 के उद्देश्यों को साकार करने के लिए प्रत्येक प्रखंड में आधुनिक पुस्तकालय की स्थापना जरूरी है।

उपराज्यपाल से दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार ने की मुलाकात

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल से शनिवार को दिल्ली पुलिस के नवनियुक्त आयुक्त अनुराग कुमार ने लोक निवास में मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी अनुराग कुमार को शुक्रवार को दिल्ली पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया। उन्होंने सतीश गोलचा की जगह ली है, जो अगस्त 2025 से दिल्ली पुलिस के प्रमुख पद पर कार्यरत थे।

ग्रामीण क्षेत्रों में कर लगाने का फैसला गरीबों पर अतिरिक्त बोझ डालेगा : सुधाकर सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) किसान प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं बक्सर से लोकसभा सांसद सुधाकर सिंह ने शनिवार को बिहार सरकार की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में कर लगाने के निर्णय की कड़ी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि इस फैसले से बिहार की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और गरीब तथा निम्न आय वर्ग के लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ेगा। शनिवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में सुधाकर सिंह ने कहा कि बिहार सरकार ने 15 जुलाई को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में बिहार पंचायत राज अधिनियम, 2006 के तहत बिहार ग्राम पंचायत (कर, दर एवं शुल्क) नियमावली, 2026 को मंजूरी दी है। उनका आरोप था कि यह निर्णय गांवों की अर्थव्यवस्था को कमजोर करने वाला है। इससे महंगाई, बेरोजगारी और सीमित आय से जूझ रहे ग्रामीण परिवारों पर नए कर एवं शुल्क लगाने से उनकी आर्थिक कठिनाइयां और बढ़ेंगी। राजद सांसद ने कहा कि बिहार आज भी प्रति व्यक्ति आय, औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और ग्रामीण आय जैसे कई प्रमुख आर्थिक मानकों पर देश के विकसित राज्यों से पीछे है। उनके अनुसार, नई व्यवस्था का सबसे अधिक असर उन लोगों पर पड़ेगा, जो ठेला, खोमचा, रेहड़ी, रिक्शा, टमटम, बैलगाड़ी, हाथगाड़ी तथा अन्य छोटे परिवहन एवं स्वरोजगार के माध्यम से अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। सुधाकर सिंह ने कहा कि पंचायतों द्वारा लगाए जाने वाले कर और शुल्क का प्रभाव केवल करदाताओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। उनका दावा था कि इससे छोटे व्यापारियों की लागत बढ़ेगी, वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में वृद्धि होगी, ग्रामीण बाजारों की क्रय शक्ति प्रभावित होगी तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पंचायत राज अधिनियम की धारा 27 पंचायतों को कर लगाने का अधिकार अवश्य देती है, लेकिन यह अधिकार राज्य सरकार द्वारा निर्धारित नियमों और अधिकतम दरों के अधीन है। इसलिए राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि इस प्रावधान का उपयोग ग्रामीण जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने के बजाय स्थानीय विकास के संतुलित साधन के रूप में किया जाए। राजद सांसद ने यह भी आरोप लगाया कि जिन सेवाओं के लिए सरकार द्वारा निर्धारित शुल्क बहुत कम या निशुल्क है, वहां भी आम लोगों से अधिक राशि वसूले जाने की शिकायतें मिलती रहती हैं।

केदारनाथ पैदल मार्ग पर आवाजाही बाधित

गुप्तकाशी। मूसलाधार बारिश के चलते गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर कई स्थानों पर भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। चीरबासा के निकट पहाड़ी से मलबा और बोल्डर गिरने के कारण मार्ग लगभग बंद है। शनिवार को तीर्थयात्री जोखिम के बीच एक-दूसरे का हाथ पकड़कर संकरे मार्ग से गुजरते नजर आए। वहीं मार्ग बाधित होने के कारण शुक्रवार से केदारनाथ यात्रा के लिए घोड़े-खच्चरों का संचालन पूरी तरह बंद है। हालांकि चीरबासा से आगे विभिन्न स्थानों पर रुके घोड़ा-खच्चर संचालक पैदल यात्रियों को केदारनाथ धाम तक पहुंचाने में सहयोग कर रहे हैं। लोनिवि के अधिशासी अभियंता सुनील सिंह ने बताया कि लगातार बारिश के कारण कई स्थानों पर पहाड़ियों से बोल्डर और मलबा गिर रहा है। इसके बावजूद विभाग के श्रमिक युद्धस्तर पर मार्ग को सुचारु करने में जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि कुछ स्थानों पर मार्ग अभी भी काफी संकरा है, लेकिन श्रमिक लगातार उसे चौड़ा और सुरक्षित बनाने का कार्य कर रहे हैं, ताकि जल्द से जल्द घोड़े-खच्चरों का संचालन भी दोबारा शुरू कराया जा सके।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - **राकेश कुमार पाण्डेय** कार्यकारी सम्पादक* - **अरशद सईद खान** स्टेट हेड - **संदीप मिश्रा**

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063